BEST & Co.,

சகுந்தலை ஜனனம்



BIRTH OF SAKUNTHALA.

MADRAS.

اونگ سچتانند پورن برہم پرماتمنہ نما

بکرپائی برہجن نراکار یہ گرنت انوپ بہاشا تصنیف مہاراجی التخلص مہتاب

سنہ ۱۳۱۱ ہجری

بہگتی پرکاس

سمبت ۱۹۵۱ بکرم

بخواہش احباب فرخندہ بنیاد حیدر آباد دکن مین

مطبع نیاز دکن واقع حیدرآباد مین طبع ہوا

بھگتی پرکاش

॥ भक्ति प्रकाश ॥

کرپاسو سری ناتھ نرنجن نرنکار جوت سروپ کے یادگار پراتھنا و آستان

داس مہتاب رائے ابن چینی لعل المتخلص بہ مہتاب کایستھ سری

باسپت کھرے ساکن قصبہ سرونج ضلع مالوہ حال خوش باش فرخندہ بنیاد

حیدرآباد سمت ۱۹۴۷ موافق ۱۳۰۸ ہجری میں پرکاسن پایا ناظرین سے

معروضہ ہے کہ نظر نیک سے ملاحظہ فرما کر بھول چوک

داس پہ عطا فرماویں۔ گر قبول افتد

زہے عز و شرف

فہرست بھکتی پرکاش

कै सौ झाकी इबनी कौ ब्यारो	अस्तुत नाम व गुप तजी		
چترگوپت مہاراج - تہیاری	چترگوپت "	٣٢	٢١
चित्र गुप्त महाराज प्यारे	चित्रगुप्त	३३	२१
تم دیوان سست کی - سوامی	"	٣٤	٢٢
तुम दीवान सृष्टी के स्वामी		३४	२२
انجنی پوتر پون ست وایک مہابیر بجرنگ بلی ہے -	استت ہنومانجی	٣٥	٢٣
अंजनि पुत्र पवन सुत दायक	अस्तुत हनुमान जी	३६	२३
تم ہنومان رام کی پایک تمرنیسے موری ہو	"	٣٦	٢٤
तुम हनुमान राम के पायक		३८	२४
بہرون جی تم جگ ماہین دولاری	استت بہرون جی	٣٩	٢٥
भैरों जी तुम जग माही दुलारे ॥	अस्तुत भैरों जी	४०	२५
گرب بہت راون من - ایو	ستیا سومر	٤١	٢٦
गर्व बहोत रावन मन आयो ॥	सीता स्वयंबर	४२	२६
جتم لیو ستیا جنک دولاری	"	٤٢	٢٧
जन्म लियो सिया जनक दुलारी ॥		४३	२७
آج بہلا گہر سب دن آیو	"	٤٤	٢٨
जन्म लियो सिया जनक दुलारी ॥		४३	२७
جنک بہاگ کو کہی - برائی	"	٤٥	٢٩
जनक भाग को कहुं न बड़ाई		४६	२९
بدای جنک راسے کو دیگی	"	٤٦	٣٠
बधाई जनक राम को दीजे ॥		४७	३०
دیبی پوجن جنک - کماری	"	٤٨	٣١

سکھی ری بانسری د لوہاری	بانسری لیلا	״	۵۳
सखी री बाँसुरी है वो हमारी	॥ बांसरी लीले	७९	५३
آری ناداں تو کیا جانے بجی ہے بانسری بین	״	۸۰	۵۴
अरी नादान तू क्या जाने बजे है बांसरी बैं		८१	५४
آج سکھی راس رچو گردھاری	راس لیلا	۸۲	۵۵
आज सखी रास रचो गिरधारी ॥ लीले		८३	५५
بس جاوری سکھی کیوں رار کرو	مان لیلا	۸۵	۵۶
बस जावो री सखी क॥	॥ मान लीला	८५	५६
مان تج چل پیاری تو پیا بلاوری	״	۸۶	۵۷
मान तज चल प्यारी तोहे पीया बुलावे री॥		८६	५७
پیاری جی مان نہ کیجے اب سے		۸۷	۵۸
प्यारी जी मान न जै अब से		८७	५८
بتیاں اب نکرو نگے پیا تم سے	״	۸۸	۵۹
बतियां अब न करोगी पीया तुम से ॥		८८	५९
آج موری پت راکھو گردھاری	بہاگ لیلا	״	۶۰
आज मोरी पत राखो गिरधारी ॥	भाग लीला	८९	६०
لال موہ جن مارو پچکاری	״	۹۰	۶۱
लाल मोहे जिन मारो पचकारि		९०	६१
میں تو نا کھیلوں واسے ہوری	״	۹۱	۶۲
मैं तो ना खेलूं वासे होरी		९१	६२
ہولی آئی دیکھو بہار سے	״	۹۲	۶۳
होरी आई है खोब बहार से		९२	६३

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
آج سکھی جھولت کنج بہاری	/	۱۰۴	۷۶
आज सखी झुलत कुंज वेहारी		१०५	७६
تو برس بدلیا واہو دیس	"	۱۰۴	۷۷
तुव रस पवरी आवा दे स॥		१०५	७७
کاری کاری گھٹا سوہانی آئے	"	۱۰۵	۷۸
करिरखघता सुहावनी आइ॥		१०६	७८
سری رادھا برکھبہان دلاری	جنم بدھائی رادہ کا جی	۱۰۶	۷۹
श्री राधा वरष भानु दुलारी॥	जनम वधार	१०६	७९
جنم بدھائی رادہ کا - پیاری	श्री कृष्ण जी की	۱۰۷	۸۰
जन्म वधाइ राधीका प्यारी॥	राधा॥	१०७	८०
بدھائی برکھبہان کو دیجے	"	۱۰۸	۸۱
वधाइ वृषभानको दीजे॥		११०	
آری سکھی جیا دہرت مورو دہیر	بتیاگ لیلا سلیان	۱۰۹	۸۲
[illegible] रवी जी याना व र य मोरी धीर"		१११	
من سے موہنہ بسار و پیاری	वे नेम [illegible]	۱۱۰	۸۳
मन से मोहन वीसरे प्यारे		११२	
اری سکھی برج مین ادہو جی آئی	"	۱۱۱	۸۴
आरे सखी व्रज में उधो जी अये		११३	
ہمیشہ یاد آتا ہر گھڑی گوکل و بندرابن	"	۱۱۲	۸۵
हमेशा याद आता हर घडी गोकुल वृन्दावन		११४	
آری سکھی سندہ بسرائی شام	"	۱۱۳	۸۶

آری من کوئی نہیں اپنا متیا		″	″	٩٨
अरे मन कोई नही अपनी मी			१२७	
آری من کون کہوری اپنا		″	١٣٢	٩٩
अरे मन को न कहो री अपना			१२८	
آری من تو کیون ہوت گنوارا		″	١٣٣	١٠٠
अरे मन तु कौ हो नागवारा	॥०		१२९	
آری من اب ایسی کہنی کروری		″	١٣٤	١٠١
अर मन अब ओ सी रे बे ति करो			१३०	
پربہو جی مین پتیت ایک بہاری		بہگتی پیا تنہا	١٣٤	١٠٢
प्र भू जी मै प तित एक भा री॥			१३१	
ناتہہ جی اب کی بیرہ تارو		″	١٣٥	١٠٣
नाथजी अब की बेर मे। हे तारा			१३२	
بہاری جی اب پت راکھو موری		″	١٣٦	١٠٤
बे हारी जी अ ब पत राख बो मो री			१३३	
گردہر دور کر دکہ مورا		″	١٣٧	١٠٥
गिरधर दुर करो दु रव मोरा			१३४	
پربہو جی جب جانو پرتیا ہی		″	١٣٨	١٠٦
प भू जी ज ब जा नू प्र तताई			१३५	
توہی پیا پیا ایک سب گہٹ گہٹ مین		″	″	١٠٧
तु हे पी प्या प्या एक सब घट मे			१३६	
اجی پیا موری اور نیا رد		″	١٣٩	١٠٨
अजी पीया मोरी औ रनि होन			१३७	
درسن دسے او دینا تہہ		″	١٤٠	١٠٩

प्यारे पी म्हा वे डापार क गा द्द		१३८	
درسن دسے اوے دینا تھے	"	"	۱۱۰
र पाहे वा दी नाना थ		१३९	
ہیا مین لبی موری ساری صورت	"	۱۴۱	۱۱۱
ही पाम वसी मोरी सा मरी सूर्त		१४०	
کہری ایہا ہیا سی ابیاروزنام	"	۱۴۲	۱۱۲
धरी पल ही पा ते बिसा ले नराब		१४१	
ایوا گر دہاری بلہاری توری جاوں نا	"	۱۴۳	۱۱۳
अजी गिरधारी व हारी लो ते जाऊं म		१४२	
گوبند گوبند ہری مرارے	تا ا سے	۱۴۴	۱۱۴
गोवी दं गा वी द हरे मुरार ।।		१४३	
اجی موری پت راکھو گردہاری	"	۱۴۵	۱۱۵
अजी मोरी पत्ति रारवो गिरधारी		१४४	
اجی میرے ہیا مین لبو بنواری	"	۱۴۶	۱۱۶
राजी मेते ही पा मे व पोवनवारी		१४५	
بہاری ہین تو آئی لو شرن تہاری ہو	"	۱۴۷	۱۱۷
बिहारी मैना आइली सरन तिहारी हो		१४६	
کیسو مورت ساری صورت	"	۱۴۸	۱۱۸
केशो मुर्त सा मरी सूर्त		१४७	
اچرا پسار مانگو یہہ ہی بر پاوں	"	۱۴۹	۱۱۹
अचरा पसार मांगू ये ही वा पाऊं		१४८	
ناتھ جی ہکتی کرون نج توری	"	۱۴۹	۱۲۰
नाथ जी भक्ती ता करूं निज तोरी		१५०	

لبد اختتام یہہ چند بھجن ہندولی تصنیف کی حسب فرمایش

अरी बलै।। रीजला हू ठद रव मला		२२	
اجی دیکھو ملو یج ماری	″	۲۲	۱۷
अजीद रबो बला हुगदनारी ।।=।।		२३	
سندو لالیکو نبو بجرنگ	″	۲۴	۱۸
हिंडोलानी का बनो गपचरंग ।।=।।			
گوبند باسدیو رام کرسن بنسی ہر شام سندر ین بندوبار ہو کر دہ	ناما بلی تنگوان ۹ ہزار نام	۲۵	۱۹
गोबिन्द बासुदेव कृष्ण वंसी	जरा।। नामबलैल्या कान	२६	
اسی دیودرگا ہے سکتی بھوانی	ناما بلی دیبی جی ۲۸ ہزار نام	۲۸	۲۰
तूही देव दुगा देवा की मवानी	।। नाजाबलीद बी जी	२७	
کیسری جابیر بجرنگ	استت ہنوان جی	۳۲	۲۱
केसरी महाबीर बजरंग ।।	अस्तुति हनुमान जी	३२	۲۲





کرپا سی سری ناتھہ نرنجن نرنکار جوت سروپ کی یہ یادگار پراپتینا
داسان داس مہتاب رای بن چنی لعل المتخلص مہتاب کایست
سری باسپت کہتری ساکن قصبہ سرونج ضلع مالوہ حال خوشباش
فرخندہ بنیاد حیدرآباد در سمت ۱۹۴۷ موافق سنہ ۱۳۰۸ ہجری مین
پرکاس پایا - ناظرین سے معروضہ ہے کہ نیک نظر سے ملاحظہ فرماکر
بہول چوک داس پر عتاب نفرماوین - گر قبول افتد زہی عز و شرف





گنپت گنیس بنا آو پرتھم
نایک سب منگل سب کاری
جھوید ہان پوجا کردن تمری
پرتھم جو دہادی تحسین تم کو
کارج سدہ ندا کو ہوجیئے
موو ک میوہ اور مٹھائی
واس مہتاب تمہا ہو میوک

سکل کارج منگل شب ارتھم
بھگون بناسن سب نرسُرتم
منگل دیو بھگون ہر و برتھم
اور نا ہیروی را کہی ڈر ستم
دہاسے سب دیوت کری برہم
بھوگ لگا وین دہاوین ترتم
بیت ہرودی او سب برتھم



गणपति गणेशविमला श्रीप्रथम ॥ सकल कारज मंगल शुभ-
सर्व
अरथम ॥ गण नायक मंगल शुभकारी ॥ विघ्न विनाशन सब
नर सुरलम ॥ बहुविधान पूजा करौं तुम्हरी मंगल देव विघ्न हरो॥

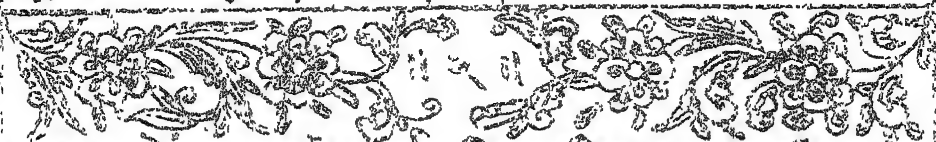
हरतुम ॥ अधम जो ध्यावे नहिं तुमको और नाहि दया राखै दुर तुम ॥ कारज सिद्धि भक्तों होई धाम सब देवल करे बरतुम॥ मोदक मेवा और मिठाई भोग लगावें धावें नरतुम ॥ दास संभू ताब तुम्हारो सेवक विपति हरो रे औ सब बरतुम ॥

پرتھم گنیش منا آؤبھائی

بھکھن بناسن کشٹ نوارن
ہرکارج سب منگل مور یا
اشٹ سدہ ہ نوندکی دا تا
سندر سونڈ براجت ٹیکو
رتن جرت کو مکٹ براجے
کٹھلا کنٹھ بازو بند بچ بند
رشٹ لسٹ چتربھوجی مورت
جروا کی عماری موسا

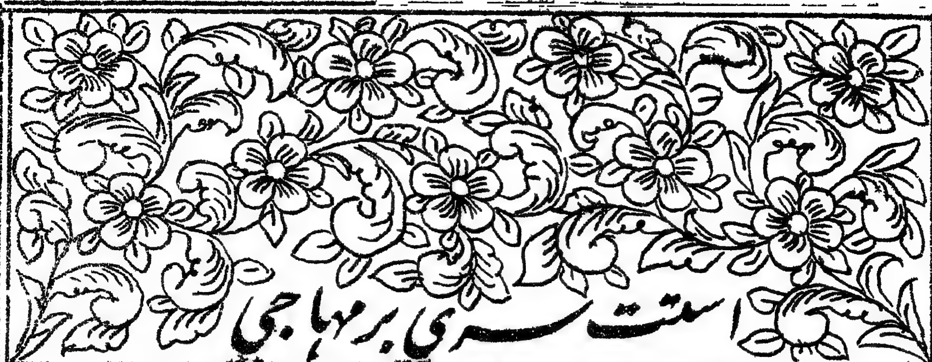
بید پوران ستتے ـــ گائی
ریت شدان ـــ سہوائی
سیوا کروجیت ـــ لالی
کنڈل چھب آو ہکائی
شنین بال ـــ سوہائی
سوبھا کہت نہ آئے
لم بودہر سکھ داۓ
چپل سواری پاۓ

قند مول پکوان - میٹھا یئے | مودک مصری کھاییئے
نام ونایک سدہ سب کاج | تا سینے بھگھن دور اسیئے
آد دیو سب دیو بردانا | ہیا مہاب - سمایئے



प्रथम गणेश मनाओ भाई ॥ विघन विनाशन कष्ट निवारण
वेद पुराणतीन गाई ॥ हरि कारज शुभ मंगल सुरियारी नि
सरा होय आई ॥ अष्टसिद्धि नौनिधि के दाता सेवा करों चि
तलाई ॥ सुंदर सूंडि विराजत टीको कुंडल छबि अधिका
ई ॥ रतन जडित को मुकट विराजे मुतियन माल सुहाई
कठला कंठ बाजूबंद भुज बंद शोभा कहत न आई ॥ हृष्ट-
पुष्ट चतुर भुजि सूरजि लम्बोदर सुखदाई ॥ जडाव कि-
अम्बारी मूसा चपल सवारी पाई ॥ कंद मूल पक्वान मिठाई
मोदक मिसरी खवाई ॥ नाम विनायक सूध सब कारज
तासे विघन दुराई ॥ आदिदेव सब देवों बरदाता गणपाल
नाम बडाई ॥ भक्ती गणपति सब बरदायक हियमाहि लाव





استت سری برمہاجی

پرہٹ بہیئے پرتھم برمہہ نامی ۔ ناب کنول نارایں سوامے
برکہان بہت وہان مین بیتی ۔ تب ہی سنی سرگ کی بانیے
گیان اینک پرکہٹی من ماہین ۔ ستی رچی برم سر گیانیے
روبی چندر آکاس پرتھمی ۔ اپت کیئی پون اور پانیے
مہادیو تینتیس کوٹ دیو ۔ اندر آو منس سب پرانیے
پربت ندی برچھہ کیلاسا ۔ رکھی منی جوگی تب وانیے
تین لکہہ چوراسی جونے ۔ کام کرود موہ مد گامے
اتپت برمہا پالن بشنو ۔ مارن کارن مہیش بنانیے
داس مہتاب مایا پربل ہری ۔ سب لیلا یک اس جلمے

अस्तुतिश्री ब्रह्माजो

प्रघटभयेप्रथमब्रह्मनाभी॥ नाभकंवलनाराय॥ स्वा
मी॥ बर्षबहुतध्यान : बीते तबही सुनीस्वर्गकीबा
नी॥

ज्ञान अनेक प्रघटे मन माहीं सृष्टी स्त्री ब्रह्म स्कर ज्ञानी ॥

रबि चंदर आकाश पृथ्वी उतपति किये पवन और पानी ॥

महादेव तेंतीस कोटि देवा इंद्र आदि मनुष्य सब प्रानी ॥

पहाड नदि वृक्ष चौरासी रिषी मुनी जोगी तपी दानी ॥

तीनि लक्ष चौरासी योनी कामी क्रोधी मोह मद गामी ॥

उत्पति ब्रह्मा पालन विष्णू मारन कारन महेश बिनानी ॥

रामदास तब माया प्रबल हरि सब लीला एक अंतर जामी



سری رگھناتھ اجدھیا آئیے
پرگھٹی چیت سدہ نومی کو
جگت آنند کہت ناآوت
آنند بہت اودھ پوری بہاری

کوشلیا جسرت سکھ پائیے
دیون سبھی پھول بر کہائیے
گھر گھر باجنتر بجائیے
دیس دیس کی نرتی وہائیے

کوشلیا حیرت آنندارت	موتی ہیرا لال لٹایئے
دیتی بہت ابوسن نانا	من مانی بستر پہرایئے
بپر دیو سب دیت اسیسا	چرن جیب کوشلیا جایئے
راون کو مہا کرن میہ راون	سنت ونٹ سب ٹیکی کہائیے
کرپا کرو مہتاب داس پی	بھگت دیو اگھ کل من بھایئے

जन्मबधाई ।भजामहाराज

श्रीरघुनाथ अयोध्या आये कौसिल्या दसर थपाये॥
अधरे नैन सुरीनोमी को देवसबै फूल बरसाये
मंगल आनंद कहत न आवत सुरकिन्नर बाजे बजाये
आनंद बहुत अवधपुरभारी देसदेसके नृपती आये
कौसिल्या दसरथ आनंद भये। लानिंमोतीहीरा लाल लुटाये
दीन्हे बहुत अभूषन नाना नमान स्तरपाहराये
बिप्रदेव सबदेत असीसा चिरंजीव कौसिल्या जाये
रावण कुंभकरण महिरावण सुनत दुष्ट सब परकीरवाये
कृपाकरो माहिताबदास पै भक्तिदेवा रघुकुल मनभाये



ایضاً

۵

بدہائی آودہ پوری کی پتی کو	سری کوسلیا جی کو
دیو لوک باجن بہو باجین	آنند دیو مینے کو
برہم چاری جوگی سنیاسی	پرم انند چتی کو
دیت اسیس بپر سب آیئے	پایئے سب پہل جی کو
برگہ کوٹ برہما کی اگہو بہر	چرن جیب رہو نیکو
لایئے اجدہا بایسے بداوا	بستر ابوسن ٹیکو
نندناری آنندات مہلت	گاوت منگل تیکو
گن گاوین تیری رگہو نایک	دیتو بر یہہ ہی متی کو
داس مہتاب مانگت رگہو نندن	بہگت اور گتی کو

बधाई अवधपुरी पती को	श्रीकौ[illegible] जी को
दे[illegible] लोकबाजे बहुबाजे	[illegible] नंद देवमुनी को
ब्रह्मचारी जोगी सन्यासी	प्रमानंद जैती को
देत असीस बिप्र सब आये	पाये सब फल जी को
[illegible]र्षकोटि [illegible] [illegible]बर	चरण जीव रहो नी को

लाये ग्रयोध्यावासीबधावा बस्त्र ग्रभूषणारी को
नरनारी ग्रानंदित ग्रातकुल गावत मंगल नीको
गुण गावें नर रघुनायक देवो वर येही मती को
दासमाहि ताब मांगत रघुनन्दन भक्ती ग्रौर गती को

॥ गुरूचरित्र महिमा ॥

گرچرت مہمان

منوا گرو کی چرن من وی ری
گرو بر مہا گرو بس ردر گرو
گر دیوا دیون کی —— دیوا
جو گرو کرپا کریں تیرے پر
جو گرہ چاہیں سو ہی کر ہیں
گرو تا ریں بکنٹھ بٹھا دین
گرو بھجن سے بھگت مکت لی
گرو گرو کر گتیار ت کرلے
گرکے بن کوی نہیں ہتیرا

بید کہت سن لیے ری
سب تج بھج گن لیے ری
دہن من تن ان دی ری
ردہ سدہ دہن لی ری
بھگتی پن ہن —— لیے ری
گرو کے نام رات دن لیے ری
اَدوگن چھور ستوگن لیے ری
مایا موہ تج گرتن دیے ری
بارم بار نام من لیے ری

سکرت جان یہی من ماہین	بہگت بہجن گن لے ری
داس مہتاب گرو چرنا مرت	گھری گھری پل چین لیے ری

मनलांगुरुकेचरणमनदेरे बेदकहतसुनेले रे
गुरुब्रह्मागुरुविष्णुरुद्रगुरु संबतोजग भजिले रे
गुरुदेवादेवनकेदे बा धनमनतनअर्पनदे रे
जोगुरुकृपाकरेंतेरप र रिद्धिसिद्धिधनले रे
जोगुरुचाहेंसोईकरहैं भक्तिपुनिपुनिले रे
गुरुतारें व ठपठा वें गुरुकेनामरातिदिनलेरे
गुरु जनसभ कमु क्तले औगुणछोडसबगुणलेरे
गुरुगुरुक रक्नेतारथकरले मायामोहतजिगुरुतनदेरे
गुरुकेबिनकोईनहिंतेरा बारम्बार ले रे
सकृतजानयही मन माहीं भक्तिभजनगुनले रे
दासमहताब गुरुचरणामृत घडिघडिपलछिणलेरे





بھگت ریت ہری پریت جنائی	کیٹے جنجال دہرو ــــ کی
بھجن کرو گھری گھری پل چھن چھن	مجبرالیت چھرو ــــ کی
جو نر مکھ بھگت گر چرن	بھٹکت پیا سیے ــــ ہو کی
داس مہتاب بھجو سری گروگرو	ناتو رہو گے ــــ شوکی

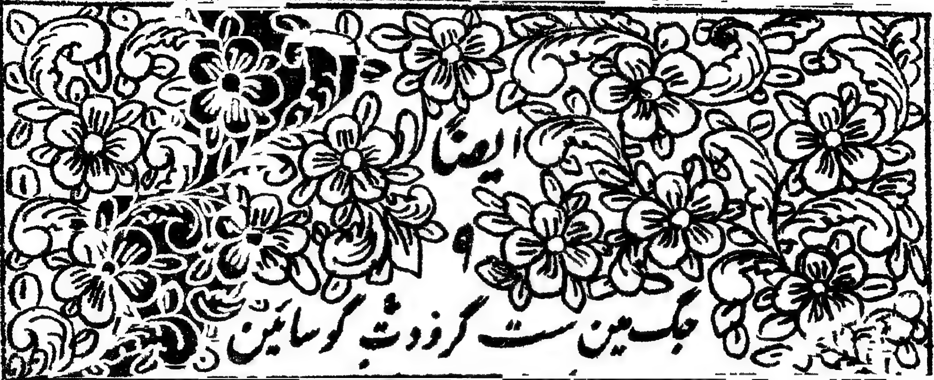
साधो भाई बलिहारी श्रीगुरुकी भकरी तहरिमी त जनाई। कटे जंजाल धु को ॥ भजन करो घडि घडि पल क्षिण क्षि ना ः जरा लेतम रोके ॥ ज नर बिमुख भाक्त गुरु - चरनन ॥ [illegible] आरे भूक्ते द माहे ताब भजो श्रीगुरु गुरु नाते रहोगे सूके ॥



کہی گوسا وہین بھاگ بڑائیے

اسٹ سدّہ نو ندّہ مال کہا	تین لوگ ـــــ ٹھکرائیے
ہیا مین بست ہین جنکے رام سیتا	انکو کچھو نہ ـــــ سوہائیے
جن گہر سادہ چرن جب آیئے	بھاگی دوت جم ـــــ کہائیے
پاپ پہار ہوگئی رائیے	پہر گئی سادہ دہوہائیے
سادہین کے درسن کیے مہمان	بید پوران مین ـــــ گائیے
داس مہتاب کرو نت سنگت	بنت بنت بن ـــــ جائیے

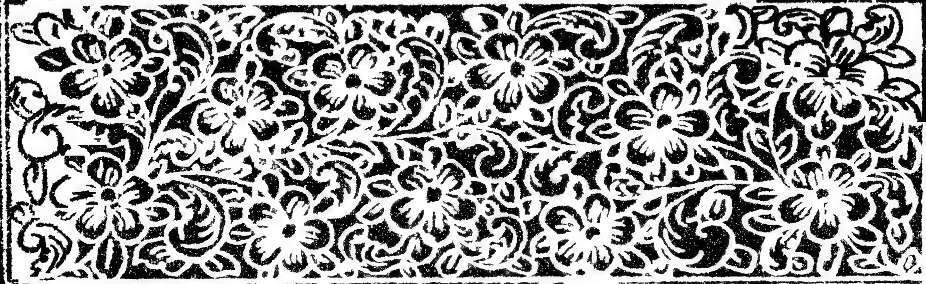
कहेका साधन भाग बड़ाई॥ अष्ट सि द्ध नौ नि द्ध
माल कह्रा तीन लोक ठकुराई॥ हियामें बसतेहैं जिन
के राम सिया उनको कहु कहाइ॥ जिनघर साध चर
ण जब आये भागे दूत जम खाई॥ पाप पहाड़ होगये
जौं राई फीरगई साध दुहाई॥ साधन की दरशन की
महिमा बेद पुराणमें गाई॥ दासमहिताब करो नि
त संगत बनत बनीत बा न जाई॥



جگ مین ست گرو دت گوسائین

ان سونیا بهگیی هري دیکهي
برمهار ور بسن دیون دیو
کهشٹ کر نیشٹ تین مکهه بنایک
گور انگ رودراچ ابوکهن
سنکهه چکر کجکول برا
ووکر بهگتن کي رچا هت
تهور تهور گادي مندر بهو
سمرت دهان هوت پرکاسا
نام لیت دشٹا برم چا ریسے
واس مهتاب چرن گرو هتیا بلی

پرگهٹي آپ ایک تن ماهین
ایک برمهه هین دوسرا ناهین
دیکهه روپ چکرت هو جائین
سو بهاکون کهي جگ سائین
دیکهه ترسول دشٹ مرجائین
چهون گیو سوهان مکهه تائین
تین لوگ یا کے پرچها هین
جهان تهان مهان سب ٹهاهین
هوودت سدّه بهگن سب جاهین
کام کرودهه موهه ڈر جائین



जगमें सतगुरु सन्त गुशांई ॥ अन सुदया भक्ती हारे देखे प्रघटे आप एक तन माहीं ॥ ब्रह्मा रुद्र विष्णु देवन देव एक ब्रह्म है दूसर नाहीं ॥ भास्कर नेत्र ते नमुख आप कहे स्वरूप चष्टि तहां जाहीं ॥ गोर अंग रुद्र रास आभूषण शोभा कौन कहे जग साईं ॥ शंख चक्र गदा कोलु बिराजत है बन्नि मूल दुष्ट सुर पाहीं ॥ शंकर भक्तन के रक्षा हित चित बैगाऊ स्थान सुख ताहीं । ठौर ठौर गादी बहु मंदिर तीनि लोक जाकी पर छाहीं ॥ सुमिरत [illegible] परकाशा जहां तहां महिमा सब ठाहीं ॥ ना [illegible] कुल सन्ता ब्रह्म चारी होत सुध बिघन सब जाहीं ॥ दास महि ताब चरण गुरु हिय ले काम क्रोध मोह दूर जाहीं ॥



ایک انکھہ تین لکھہ بانی		بر مہہ ایک وتا گرگیانی

برمہا رودر بسن کر اچھا
اتری رشیے ان سوئیا ماتا
کھٹ کریک ترسول براجت
رڈہ راچ ابوسن ناما
پالن مارن اتپت تارن
تین لوک پار پل پر کرما
گرچت بانی ست گرو کی
نام لیت گرو دت گوشا تین
تین دیو کو یک برمہ چاری
گور آنگھہ کھٹ تیر کنول ہی
ست گرو ایک دت سرایسا
داس مہتاب بھگت گرومن کیے

یک اوتار لیئے سب جانیے
ان بروان پوان کیئے سوامی
سنکھہ چکر کھٹ پر کر آنیے
جٹا مکٹ سوبھا کو بانیے
سب آوہین وت شر ربانیے
کھٹ کھٹ کیے سب انتریامی
سنت سو پہل من اچھا پانیے
نامی ہوت سبھی نرکا سے
برمہا بسن مہیش بنانیے
سو بہا کھٹ جٹا کھڑ رانیے
تین لوک آکاس بکھانیے
بھگن ہرت بہل دین من پایئے

ब्रह्मएकदत्तागुरुज्ञानी एकअंगतीनिमुखबानी
ब्रह्मारुद्रविष्णुकरइच्छा एकऔतारलियेसबजानी
अत्रिऋषीअनुसुइयामाता उनबरदानःरणकियेस्वामी
घरकरएकत्रिसूलि [illegible] तशंखच [illegible] करआनी ॥

रू राक्षस्त्रभूषण न ना जरा कुरसोभाको जानी॥

पालनमा नउलपनिता न सब आधीन सुर ज्ञा नी॥

तीन लोक लपलपक्रमा टघरके सब अंत जामी

गुरुचरि भबानीसत रुके [illegible]

नामलत रुद्र शांई नामी तसभीनरकामी॥

तीनि वकाएक अ नवारा वेष भ सबिनानी॥

गोरा अंग घट न के [illegible] कहत जिह्वाथ रानो

सतगुरू एकदत्त रसातीनलोक आका खानो॥

दास महिताब भक्ति गुरु मन बिघ्न हरता [illegible] मन

॥अस्तुति श्रीनरसिंह जी महाराज॥

श्रीनरसिंह जगतके स्वामी घट घटके सब अंतर जामी

भक्त हेत औतार धर मच्छ कच्छ बाराह बिना नी



سری نرسنگ جگت کی سوامیے	گھٹ گھٹ کے سب انترجامیے
بھگت ہیت اوتار دہری سب	مچھ کچھ باراہ — بنانیے

پرسرام بلرام کرسن دج — سریرام نرسنگ گرگامیے
ہیواوتار بھگت کی کارن — بھگت بھلاو پریت اُرآنیے
گرب کیو ہرناکس جگت مین — کاہے کرو وموہے مدگاسکے
واس بھلاو کو تراس دیکھا — نکسی بیار کھم ہرجاسیے
اسرمار سب تاپ نوارو — استت گرت دیو سرگیانیے
تم آسا پورت سب جگ کے — ہم اچھا پورو تم سوامیے
واس مہتاب کی اور نہارو — بھگت بچھل کرناکرنامیے

परसराम बलराम कृष्णाद्विज श्रीराम नरसिंह गरुड गामी
लियो औतार भक्तके कारन भक्ति प्रह्लाद प्रीति उर आनी
गर्भ कियो हिरनाकश जगमें कामीक्रोधी मोह अज्ञानी
त्रास प्रल्हाद को भारी दिखाओ निकसे फाड खंभहर जा मी
असुर मारि सब ताप निवारो अस्तुति करे देवसकर ज्ञानी
तुम आसा पूरत सब जगकी मम इच्छा पुरोगे मरवा मी
त्रास महिलाबके ओर निहारो भक्तिवत्सल करुणाकरनामि





استت مہا دیوجی مہاراج

۱۴

بھولا سنکر ناتھ مہا دیو
رات دیوس تمرو گن گایون
ہون نیت تپین کو ساے
تم ہی برہما تم ہی بسنو
بھجن کرو تم تم بھولا کے
سب کو ری کیلاس براجین
واس مہتاب کرو سب سیوا

سب دیون کے دیو سداشیو
بھگت دان یک موکو دیو
سرناگت چرنن کی لیے او
تمرو کوئی نہ جانت بھیو
چار پدارت سب بے لیو
کرپا کرین جیسی برسے میو
چرن امبج نج سب کیا سیو

॥ अस्तुति महादेव जी महाराज ॥

भोलाशंकर नाथ महादेव   सब देवन के देव सदाशिव

रातिदिवस म्हारो गुण गाऊं   भक्तिदान एक मोको देवो

हूंपतितपावनको स्वामी शर गंगतचरनन ... ो
तुमहीब्रह्मा तुमहीं व ... तुमरो कोई न जान ... भे ... व
भजन ... रावमनमभोलाके ... चारप ... रथसीअसले ... बो
शिवगौरीके लासबिराजें ... ...पाकर जैसे बरसे भ
... सम हिताबकेरा ... सेवा चरणांबुजनिजसीबके सेवो



شب سنکر پیتے کیلا سا

گلا بہبوت جٹا سر اوپر
ڈرو ڈمرو بلجے گلی منڈمال
وہ توکھایے دہتورہ اوڑہے کہال
ترسول براجت تین نین
بیر بھدر گنیس کارتک
واس مہتاب کہو ہم بھولا

سرن کی سب کیا
گوری اور سنگی ــــ ہاسا
نت ہویے بہانگ پہر پیاسا
سر گنگا جی کا ــــ باسا
سب کوان کا بھروسا
سب پورت وہ ہی آسا




शिवशंक पतीकेला स   अंगभभूत जटासिर ऊपर
सुबरनके सबके —— सा   करडमरू बाजे गरे मुंड माल
गौरी अर्धंगी पा — — स   वोह्ते खाय धतूरा और आंटे
खारू नितपीवे भांगकी प्यासा॥ त्रिसूल बिराजन तीनि नैना सिर
गंगाजीका बासा॥ बीरभद्र गनेश कार्तिक सबको इनका
भरोसा॥ दास महिताब कहो बम भोलासभ पूरन बोह्।
आसा॥



استت بالاجی مہاراج

۱۴

بالاجی تم سبھلے راجی ناتھ

ششیا چل پربت استانا — سب دیوت ہیں ساتھ
وین بندہ وئین کی مہایک — کیجہہ موہ ــــ سناتھ
جو آیو تیرے سرناگت — تاریے بہت ــ آناتھ

تمری بنا کوئی نہین دیے
کرپا کرو اپنی بہگتن پر —
مین پتیت ایک مہا اپرادہی
کرپا سندہ تم دین دیالا —
تم ہی سب کی پورت آسا
پورو تم آس ایک بارا
داس مہتاب کہری پل پل

تہاستا اور — ا تہہ
ودس پرس کر — ا تہہ
موہ او بچارو — نا تہہ
کرجور لوا زون — ماتہہ
لاج رکہو گہہ — ہاتہہ
بہجن کرون ون — راتہہ
تمری ہی گن — گا تہہ

। अस्तुतिबालाजीमहाराज ।।

।।१४।।

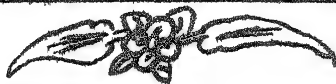
बालाजीतुमभलेविराजेनाथ ।।शेशाचलपर्वतअ
स्थाना ।।सबदेवतहैंसाथ ।।दीनबंधुदीननके स
हायककीजेमोहिंसनाथ ।। जोआयोतुमसरणी
गत तारे बहुत अनाथ ।। तुम्हरेबिनाकोइ नहिंदी से
पितासुता औरमाता ।।कृपाकरोअपनेभक्तनपर
दूजोपरसको ध्याय ।।मैंपतितएकमहापतितमोहिं
उधारोनाथ ।।कृपासिंधुतुमदीनदयाला कर जोड
न बाकेमन ।।तुमहीसबकीपूरतआसा काज

रखो गहि हाथ ॥ पूरो मम आसा एक बारा भजन करूं दिन रात ॥ दास महि ताब घडी घडी पल पल तुम्हरेही गुण गाता ॥

استت ہری ونیبی مہارانی جی

۱۵

جگدمبی اہی — ماتا —	تم تین لوک سُر — داتا
تم برہما بشن — کہا او	سب سنکہہی گن — گاتا
او بہوانی — رانی	تو ہ جوبہ بہی — بہرماتا
تو آو جوت ما یا — ہی	توہی در کا کنج — ماتا
جو نام نہ لیو سبے — تیرو	دہ بہر چرارسبے — باتا
تو بیج مایا — بستاری	اور الکہی اینی — ہاتا
برہما دک بہید نا پا وین	بہر کون کرے کہچو — باتا
تو بہا سُر ہتھی — بیجے	تیرو گن سب کو — بہاتا
تو دوست دلن امبا سبے	کر کرپا اپنی — ماتا
برداس تیرو نا پا وبے	ہو تیری سری کی یاد آتا
یک داس جہتاب تمہارو	تم رات دیوس گن گاتا



अस्तुतिश्रीमहारानीजी ॥

जगदम्बे अम्बे माता ॥ तुम तीनि लोक सुर दाता

तुम ब्रह्मा बिस्नु कहाओ शिवशंकर ही गुण गाता ॥

तू आदि भवानी रानी तोहि जो लभजे भरमा ता ॥

तू आदि जोति माया है तू ही दुर्गा निजमा ता ॥

जो नाम न लेवे तेरो वुह फिर चौरासी पा ता ॥

तू निज माया बिस्तारी और राखी अपने हा ता ॥

ब्रह्मादिक भेद न पावें फिरि कौन करे कछु बा ता ॥

तू भैंसासुर मथनी है तेरा ही गुण सब को भा ता ॥

तू दुष्ट दलन अम्बा है कर कृपा अपनी मा ता ॥

बखदास तेरो ना पावे हौ तेरी सरी कौ दा ता ॥

एक दास महिलान तिहारो निज राति दिवस गुण गाता

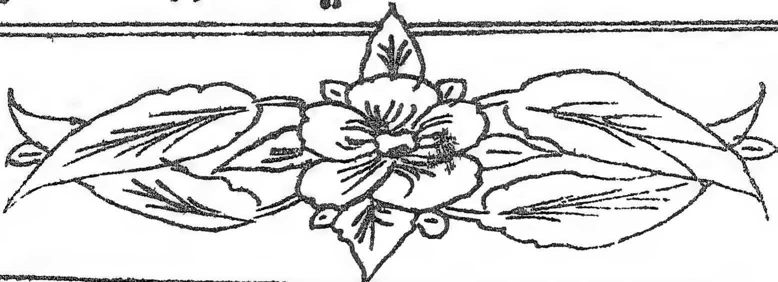
ايضاً

۱۴

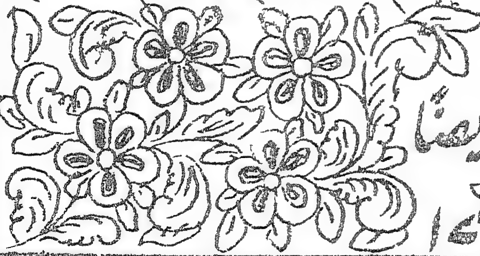
درگی تو ہی آد — بھوانی
دہان کرین برہما بشنو سب
ہیکلتن بہت لیت اوتارا
سبت لوک آکاس تباہ

کرپا کرو سری مہارانی
جب لگ سنین نہ بانی —
بھیا شر — بار گرانی
سب مین جوت سمانی

جب جب گست دیو تن آیو
بہي میک اور ـــ پاني۔
جنبي تو جگ مایا جیے۔
چواوڈا ہبون ہین ـــ راني
دیکھیت شبه سنگارہي
اورن کوگیا ـــ جاني۔
تومایا ہین جگ لپٹا ہو ـــ
چرن چکي ہین ـــ ماني۔
رات دیوس تیرو گن گاوي
داکي بده ـــ سباني
تیري چرن سیوا ناکوئي
آدجوت جگ راني
داس مہتاب دین تیرو ہي
دینن کي رکھه ـــ باني



दुर्गे तूं है आद भवा —— नी	कृपाकर श्री महारा —— नी
ध्यान करें ब्रह्मा विष्णु सब	जब कंग सकै न बा —— नी
भक्त न होत लेत औतारा	भैंसासुर मार गिरा —— नी
सप्त लोक आकाश पताला	सबमें जो. तैं समा —— नी
जब जब कष्ट देवतन आयो	भई सब और पा —— नी
जग जननी तू जग माया है	चौदह भुवन [illegible] —— नी
दैत्य शुंभ निशुंभ संघारे	औरन को क्या जा —— नी
तू माया में जंगल फिरा नो	जो चक्री में मा —— नी
रात्रि दिवस तेरो गुन गावे	वाकी बुद्धि सया —— नी
तेरे चरण सिवा नाको ई	आ. द जोति जगरा —— नी
दास महिताब दीन तेरो है	दीनन की रख बा —— नी



ایضاً ۱۸



اسمیہ بند اچل مہارانی	تو ہی جلت —— بھوانی
برمھا لین رودر سب تم ہی	گپت پرگٹ ہیت سمانی
بھگت ہیت اوتار دھری سب	دشمن ما —— گرانی

گرب کیو یک رگت بیرنی — تا کی مت بہوت رانی
یی کارن کالی بپ دہارو — چھن مین گرب بہولانی
کرپا کرو اپنے بہگتن پر — رکھہ واسن کی بانی
پورو داس مہتاب کی آسا — دین جان دیا آنی

अंबेबिं[illegible] चलमहारानी — तूहे जगत[illegible] नी
ब्रह्माविष्णुरुद्रसबतुमहीं — घरघर जो[illegible]त समा नी
भक्तहेतऔतारधरेसब — दैतनमा रगि[illegible] नी
गर्भकि [illegible] रक्तबीरने — ताकीम त[illegible] नी
तें कारणकालीबपुधारो — छिनमेंगर्भ[illegible] नी
कृपाकरोअपनेभ[illegible]नपर — रखवासनकीबा नी
पूरोदास महिताब की[illegible]सा — दीनजानदयाआनी



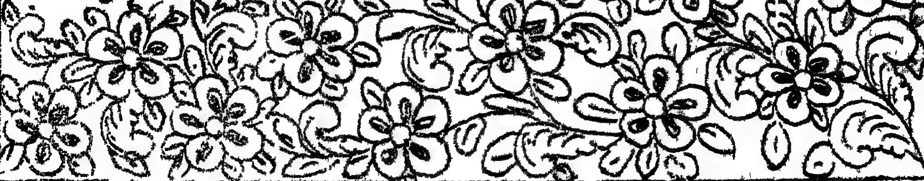
مہیا توری سانوری صورت باری

جھاڑو سوپ سر مکٹ براجت / پیلا پیتمبر ——— دہاری
سر ہانڈی سوہت ات نیکی / گھوڑا گدہا ——— سواری
مال پوا من بھاوت میٹھا / ڈال چنے کی پیاری
جگ جننی بھگتن کی سہایک / سب جگ کی رکھواری
رچھا کرنی کشٹ نوارن / تیری چرن بلہاری
بھگت مہاب سیتلا ماتا / توہ گن گاوت بھاری




मैया तोरी सांवरी सूरत बारी

झाडू सूप सिर मुकुट बिराजत / पीला पीतांबर धा——री
सिर हांडी सोहत अति नीकी / घोडा गधा सवा——री
मालपुआ मन भावत मीठा / डाल चने की प्या——री
जग जननी भक्तन की सहाय / एक सब जग की रखवारी
रक्षा करनी कष्ट निवारन / तेरे चरण बलिहा——री
भक्त माहि ताब सीतला माता / तो गुण गावत भा——री





سوہنیا تو تر لوکی کی ___ رانی | آؤ سکت ___ مہارانی
لیپئے اوتار بھگت نی کارن | چھن مین کسٹ ___ ہرانی
کوئے ایسا کوئے جگد ما | گوئے گھر آؤ ___ بھوانی
جو انکھین چنڈ کا ___ کالی | کوئی آنندی ___ جانی
کوئے تلجا بھنگ لاج بکھانی | اسٹ بھوجے من ___ آنی
کوئے رانی سیتلا بھاکی | ساتون ناؤ ___ بکھانی
ہنو و ہری بھسا شر منتھنی | تو ہی سیتا ___ کہلانی
تو ہی ایسوری بھی دن رینا | ولیکے بدہ ___ سیانی
پنگلا ہر سدی کو نی دیبے | کوئی آؤ جوت کرن ___ مانی
کوئی گوری سا بتری جانی | کو آؤ مہا پچھی ___ جانی
درگا بندہ باسنی ___ امبکا | اسرن مار ___ گرانی
چتر بھوجی بھدر کالی موہنی | جسم کی فندہ ___ توڑانی
ہیم و نتی وزو نتی سندری | کوروون پانڈہ ___ لرانی
چورانتی سار وا پتیا مری | چوا آو ڈا بھوین ___ سوہانی

بگلا مکھی جوگ مایا ـــــ تو
جگ بندنی مہاکالیے ـــ تو
مہا مایا مریئے مرتو ـــــ تو
مین آکچھی امبیلی ـــــ پورنا
کام آکچھی بسال آکچھے
کوئے جنتی جگ مایا جائی
بھگت مہاتب تیرو جس گاوے

کھٹ کھٹ جوت سہاـــ بیئے
مرناکس کرب بھوا ـــ بیئے
پون میگ اور ـــــ پا بیئے
مدرہ کی پت ـــــ بیئے
کاسی کا پتی ـــــ بیئے
نانا ناون ـــــ بیئے
ومین کی رکھ ـــــ بیئے

मैयातू निकोकीकारा नी आदिशक्ति महारा ——— नी
लिये औतार भक्त के कारण छिनमें कष्ट हरा ——— नी
कोई अम्बा कोई जगदम्बा कोई कहै आदिभवा ——— नी
ज्वालामुखी चंडिका काली कोइ आनंदीजा ——— नी
कोई तुलजा हिंगलाज बखाने अष्टभुजी मनआ ——— नी
कोई बराही सीतला आकै सातों नाउं बखा ——— नी
मझो धरी भसासुर मथ नी तुही सीता कहिला ——— नी
तुही ईश्वरी भजे दिन रैना बाकी बुद्धि मया ——— नी
कमाला हरसिद्धी कोइ देवी कोई आदि जोति करमा नी

कोई गौरी सावित्री जा ने कोउ महालक्ष्मी जा —— नी
दुर्गा बिंधबासिनी अम्बका असुरन मारि गिरा —— नी
चतुरभुजी भद्रकाली आह्नी जमके फंद तुड़ा —— नी
हेमवंती द्रौपदी सुंदरी कौरो पांडु लड़ा —— नी
चूड़ामणी सारदा पीताम्बरी चौदह भुवन सुहा —— नी
बगुलामुखी जोगमाया तू घटघट जोति समा —— नी
जग ारिनी महाकाली तू हिरनाकुस गर्भ भुला —— नी
महा ाया मरी और तू तू पवन मेघ औरधा —— नी
मीनाक्षी अकबेकी पूरनामद राकीपरा —— नी
कामाक्षी बिसालाक्षी कासी कांची मा —— नी
कोई जननी जगमाया जाने नाना नाउं धरा —— नी
े सुभा हे ताब तेरो जस गावे दीननकी रखबा —— नी



استت سری چتر گوپت سوامی مہاراج

کیسی جھانکی آنو کی پیاری   دیکھی چیتر گوپت بلہاری
وانکھہ بانکھہ سوئین ٹھکرائین   پیرین ابوسن ــــ بہاری
کہا بر نو چھب کہت نہ آوی   کنڈل کی چھب ــــ نیاری
کیسریا باگا ست ٹیکو ــــ   مکٹ چراؤ ــــ بہاری
ہیم برن بیستا مر سوبھہ   مئین مال ــــ سنواری
بار بار درسن دیو سوامی   بھگتن کی رکھ ــــ باری
بھگت جان کرپا کرو موپر   کاٹو موہ مدد ــــ بیری
دین جان آسا کر دپوری   پئین کو ادہ ــــ گاری
اور نہ کچھو چاہت ہر تم سی   جانت بیر ــــ بہاری
جونت بھی کرسے تم پوجا   گیو لوگ آدہ ــــ کاری
داس مہتاب یہی چاہت ہی   نت گن گایون ــــ تہاری

अस्तुतिश्रीचित्रगुप्तस्वामीमहाराज

केसीझांकी अनोखी प्यारी॥ देखी चित्रगुप्त बलिहारी॥
दायें बायें सोहैं ठकुरायन पहिरे अभूषन भा री॥
कहा बनों छबि कहत न आवे कुंडल की छबि न्या री॥
केसरिया बागा अतिनीको मुकट जड़ाऊ भा री
हेमबरन पीता[illegible]र सोहे मुतियन माल संवा री
बारबार दर्शन दयो स्वामी भक्त नेक रखवा री
भक्त जानि [illegible]पा करो मोपर काटो मोह[illegible] री
दे[illegible] न जान आसा करो पूरी पा[illegible] अ[illegible]धेक री
[illegible]रन कछू चा[illegible] तबर तुमसे जान[illegible] पारह[illegible] री
जो नित भजे करे [illegible] म पूजा गऊ लोक अ[illegible]का री
दास महिताब यही चाहत है नित गुन गावु ति हा री



چترگوپت مہاراج پیاری | مین سرنا گت سدا تہاری

چواگوا دا بھوبن ترلوک مین کیرت
ایک بار پوجا کرے بیے تری
جو پریت کرو ہاوے تم کو
ہون پتیت شٹین مین مکیا
تم بن کوئی نہ دسیکھے موکو
داس مہتاب کی لاج تمہی کو

سب بھگتن کے تم رکھواری
ترت لگاؤ وا بیے کناری
بھگت جان دکھیے کرو بیاری
کرپا کرو بھگتن کی پیاری
سرناگت ہون سرن تمہاری
تم سوامی ہم ناتھ دولاری

त्रिभुवन महाराज पियारे मैं शरनागत सदा तिहारे
चौदह भुवन [illegible] रत सब भक्तन के तुम रखवारे
एक बार पूजा के र ऱ्हरी तुरत लगा बाहि कना
जो प्रीति करि ध्यावे तुम को भक्त जानि ... प्यारे
हूं पतित पनित तन मां खिया कृपा क भक्तन के ... रे
तुम बिन को नहीं रखै मोको सरनागत शरण तुम्हारे
दास महिताब ... लाज तुम्ही को तुम स्वामी ... प्रभु
प्यारे ॥

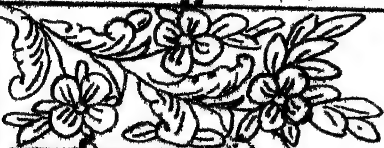


ایضاً

۲۲

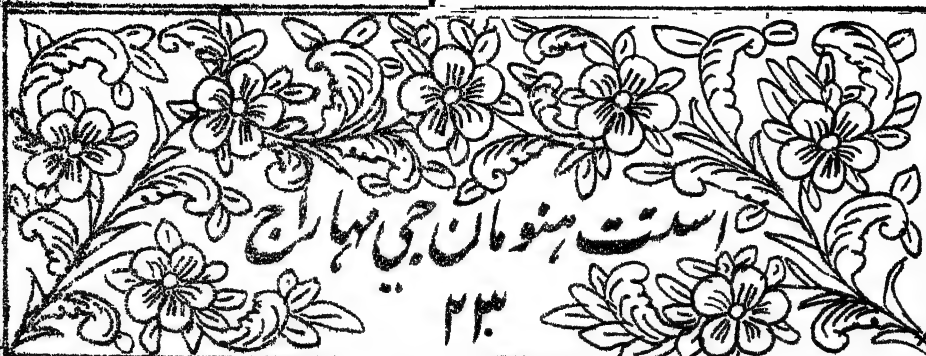
تم دیوان شِشٹ کے سوامی
چار برن پرگٹ کیے برہما
چنتا سہت تپسیا کینے
پرگٹی چتر گوپت برہما ہت سے
داس مہتاب کی اور نہارو

پاپ پن کے انتر جامی
پاپ پن کوئی نا جانے
پرگھٹی کایا سے تب سوامی
چیتی سبھی موہ مد کا بے
پتین کے سوامی کو سوامی




तुमदीवानसृ ष्ट · स्वामी पाप : नके अंतर जा मी
चारबरन प्रघट किये ब्रह्मा पाप पु नकोई ना जा नि
चिंतासहित तपस्या कीन्ही प्रघटे कायासे तब स्वा मी
प्र ? ट चित्रगुप्त ब्रह्म हितसे चेते संभी मोह मद का मी
[illegible] हे ताज की ओर नि : रो पाते तनके स्वामी के स्वामी





انجنی پوتر پون ست وایک مہا بیر بجرنگ بلی ہی
پتا بشمبر سب جگ جانی مات انجنی تا بے جنی ہی
ہوت جنم دیکھی پری سورج گرہن کیی کچھو میوا کنی ہی
مات پتا بس کہی پیا پری تین لوک یک یہ ہی منی ہی
قند مول پھل کہاؤ دد لاری رام سیا یک تیرا دھنی ہی
مہا بیر تسا نہین کو ادجت دیکھو ات تو ہی بلی ہی
سو جو جن مرجات سمند کی کووگیی چھن یک ناگیی ہی
گرب ٹور راون مہ راون یک پل ماہین لنگا جری ہی
دو ناگر پربت کو لایے رام کاج جون چھپا کلی ہی
ہتیا مین بست ہین جنکے رام سیا وہ ہی سب کی بکت منی ہی
پریت بہی انجنی کمارسی یہ جگ مین وا ہو بیکے بنی ہیے
کرپا کرو مہتاب داس پی تو چرنن کی بھگت ملی ہی
پورو مم آسا سر ناگت بھگت مگت یہ دواؤ بھلی ہی

॥ अंजनीके हनूमानजी महाराज ॥

अंजनिपुत्र पवनसुत दायक ...र बजरंगबली है
पिता बिसम्भर सब ... के मात अंजनी नाम जनी है
होत जन्म दिशीपडे ... रज ग्रहण किये ... है
... ता पिता बसके हे पियारे तीनि लोक एक येही मनी है
कंद ... ल फल खाओ ... रामसिया एक तेराधनी है
महाबीर ... मसानाहं कोऊ जितदेखो उततूही बली है
... जाजन ... समुद्रकी कूदगये छिनएकनागिनी है
गर्भतोड राव ... महि राव ... एक ... लंका ... है
... ना गिरि परबत ले आ ... रामकाज जो चम्पाकली है
हियामें बसते ... जिनके रामसिया बोही सबके मुकुटमनी है
प्रीति भई ... जनी ... से यह जगमें बाहूकी बनी है
कृपा ... महिताब ... पतो चरनन की भक्ति मिली है
पूरो मम आसा ... भक्तमुक्त यह दोउ भली है



تم ہنومان رام ہو۔ پایک تم سے بنتی موری ہو
جنم ہوت لکھہ جو جن کو دی ربی سیلئے مکھہ ماہین ہو
پتا پون اور مات انجنی کہوت پوران پکاری ہو
تمہی داس ہو رام سیا کے تم دیوان جگت سب جانی
کدلی بن ایک بن ہی سندر تہان پتشا توری ہو
آگیا پاے ہیرات لچھمن کی سمند کو ڈہین ماہین ہو
لنکا چرا سیتا سدہ لاے بلم کری نہین تہوری ہو
ہنومان ایک بیر تمہی ہو رام داس ہین داس تمہی ہو
دوناگر لاے یون دونا رام لچھمن کی کاج سنواری ہو
مہ راون مار چہن ماہین راج مکرا دیج وبہنی ہو
گرب توڑ پل مین راون کو بہت پوتر چہن مارے ہو
دین جان سہر ناگت راکہو پہنچ سکے کر پا لو ہو
داس مین ایک داس کہا اون تیرا بہروسا بہاری ہو

واس مہتاب ، اور نہارو کرپا کرو کچھو ہوری ہو
بہگت دیو تم چرن کنول کی پورو آسا موری ہو

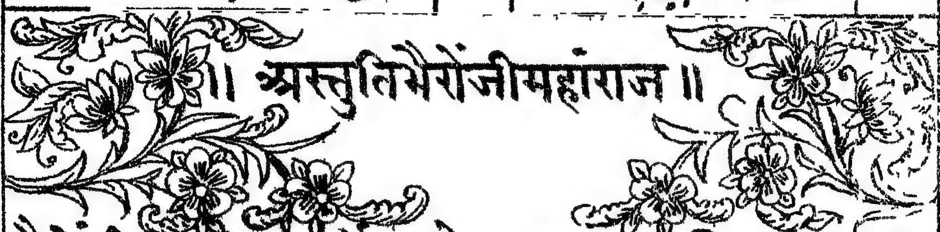
तुमहरु मान पायके हू मसोबेनतीमोरी हो
जन्महार करवचो जनकु देरबिलोय दुखमाही हो
पिताप ... अंजनी कहिवत पुराण पुकारी हो
तुह्मीदास होराम सियाके तुमदीवान जगन सबजाने
... बन एक बन है सुंदर तहां तपश्यातोरी हो
आज्ञापाय ... लक्षमणकी समुद्र कूदे छिनमाही हो
लंका जाय सिया सुधि लाये बिल मकरी नहिं थोडी हो
हनूमान एकबार तुह्मी होरामदासमे दासतुह्मी हो
... गिरि लाये ज्यों दोना ... लक्षणके काज संवारि हो
महिरावण मारो क्षिण माहीं राजम ... धुजदीन्हें हो
गर्भ ता ... पलमें रावण के बहुत पुत्र छिन मारे हो
ई नजा ... नेशरणागत राखो पंच मुखी किरपालु हो
... सनमें एक दासक ... ऊ तेरा भरोसा भारी हो

दासमाहितावकी ओरनिहारो ऽपाकरो ऽछुयोरी हो
भक्तिदेयोतुम चरण क ऽलकोपूरो ऽ।सामेरी ह



کال کهت تر کال کهت کوئي — ٹیک کهت سنساري
کاسي کي کوتوال کهت کوئي — جي جي نا تجه پوکاريے
لامي لامي چهاتر سول براجت — گلي منڈمال سنواري
باگهمبر پیتامر سوهت — الک الک کرتاريے
چندن سندور لیپ کي مالا — برا پکوان پیاري
بکرا بهت ناریل بینکو — صرا پان متواريے
کرت دهان بیک پک دهارت — بهگت جان دکه یاريے
جونئیا دوبت مج دهارا — کهج لگا آؤ کناري

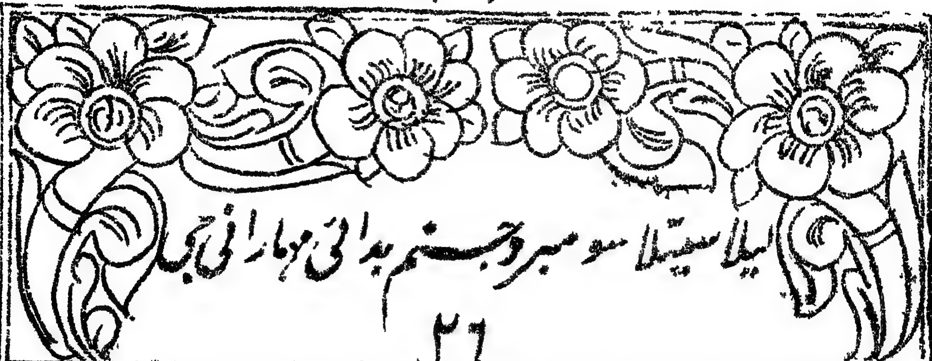
دُکھ ہی کرت نردہارے		جو ہت چیت سی دہاوی تم کو	
بھگتن کے رکھوارے		داس مہتاب کی چیا دور کرو	



॥ अस्तुतिभेरोंजीमहाराज ॥

भेरोंजीतुमजगम्ब हेदुलारे कालकहत त्रिकालकहत कोइ बटुक क .नसंसा काशीकेकुतवालकहतकोई ्ड़ जैनाथ : कार॥ लाम्बे २ जय त्रिसूल ि राजत गले : ुमालसवा ॥ बा म्बरपीताम्बर सोहत अलख २ दरशाे ॥ च नासंदूर : सको माला बर ए .बनापेये बकराभेंट नारियल नीकोसुरापानमतवारे ॥ क .नअन बेग पग धारत भक्ति जानिसुखियारे ॥ जोनैया डूबत मझधारा खींचि लगा ओ किनारे ॥ जो है तो बलंभाय तुमको दुखसे करत निधारे ॥ दासमाइनाथ कोदुखका निताभक्तन .रखवारे ॥





گر بھ بہت راون من آیو — سو سم کو پرتھے پرجایو
پرمہا بید گہانت بسنو — کہا جب تو سب کے من بایو
باوند سب دیو جہان تہان — ایک سیو سنکرست من لایو
رشی منی جو چہے کندرا — اب انہیں سے وند منگایو
رنگت گہرا بھر رشی منی سب — کہو کال انچہ بہسم تم آیو
سنت بچن کپت ات بہاری — وبس جنگ راجہ کی پچہایو
کار بھوم اودیج پاسے — چیا سند یہہ سٹایو
جو کہیکا آیو من ماہیں — تب انکا سے دور ودایو
واس مہتاب گرو لکہ چنتا — رچیتا رچی رام وہی پایو

लीलासीतासुयम्बरव जन्म बधाई महारानी जी॥

गर्भ अद्भुत रावण मन आयो मारतम को पृथ्वी परजा [illegible]॥

न्न्प्रावेद बखानतबि रनू कहाजानो सबैके मनभा यो
रि मारेड सबदेव जहांतहां एक श्वो शंकरसे मन लायो
ऋषी मुनीजो क्षुप कंदारा अब उनहींसे दंडु मंगा यो
रक्त घडा भरिदिये मुनी सब कहो कालनिस्वै तुम आयो
सुनत बचन कंपित अतिभारी देस जनक राजाके [illegible]ये
गाडि भूमि आयोनि ज पाछे जियासंदेह मिटा ओ
जो रख रुका आयो मनमाहो तब लंकासे दूरदुरा यो
रा समाहि. नाव करो लरवा चितार चनार चीरामबुहीपाथ



ایضاً

۲۷



جنم لیو سیتا جنک دولاری
نومی تتی سدہ ابی پرگاسا
آنند جنک ہیایہ سمابت
آنسا بہو کت نا آوت
دیو لوگ با جنتر بجاوین
دن دن چندر کلاسی باڑہی

آنند بہیو دیو تن بہاری
پرگئے ماس بیساکہ کماری
دیوت کینچن بھر بھر تھاری
آنند مگن سب ہی نر ناری
ناچت ابسر دوی دی ناری
پانچ برس کی بھی پیاری

دہنش دہرو سیو سنکر بہاری	لیو اٹھائے پہول سم بارہی
اچرج دیکھ پرن کیو راجا	چاپ چڑہای برو یا یہ کنواری
واس متاب یہی نیشچے ہی	برین سیتا پیارا رام بہاری

जन्म लियो सिया जनक दुलारी आनंद भयो देवतन भारी
नौमी तिथी सुद्धि रवी प्रकाश प्रघट मास बैसाख कुमारी
आनंद जनक हियान समावत देवत कंचन भर भर थारी
उत्साह भयो कहत ना आवत आनंद मगन सभी नरनारी
देवलोक बाजंभ बजावें नाचत अपसरा देदे ता—री
दिनी दिन चंद्रकलासी बाढे पांच बर्ष की भई पिया—री
धनुष धरो शिवशंकर ना भारी लियो उठाय फूल सम -
भारी॥ अचरज देख प्रण कियो राजा चांप चढाय बरो
यह कुंवारी॥ दास महिताब यही निश्चै ह्वै बरें सिया प्या-
रा राम बिहारी॥

॥२८॥

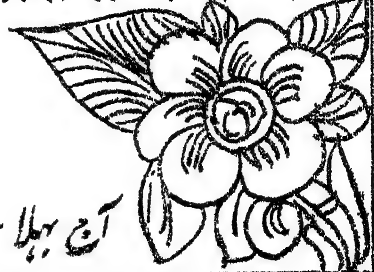
आज भला शुभ घरी शुभ दिन आयो॥ नौमी सुदी बैशाख
मास को जानुकी नाम धरायो॥ प्रघटी जग जननी जग

माया मगन मद ने गायो जनक भाग को करे बड़ाई ॥

देव लोक सब आयो ॥ दर्शपर्श को सिया जानकी बाजा



ایضاً



۲۸

آج بہلا سب گھری سب دن آیو

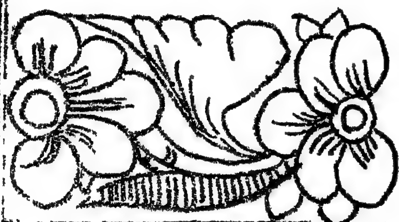
تو بھی سدہ بتیا کہ باس کو — جا کے نام —— دہرایو
پر گٹی جگ جنی جنک ما یا — منگل سب نے —— گایو
جنک بھاگ کو کری برائی — دیو لوگ سب دھایو
درس پرس لی سیا جانکی — باجا سرن —— بجایو
منگل گات سبھی نر ناری — پربھو یہ دن دیکھرا —— یو
راجہ جنک مگن انند بھی — نگر بدھا دا —— لایو
منگل مکھی آنند بھی لی لی — جا کو جو کچھو —— بہایو
واس مہتاب نہ بسرو رام سیا — رتن امولک —— پایو

सुरन बजायो ॥ मंगल गाल सभी नरनारी अभुयह

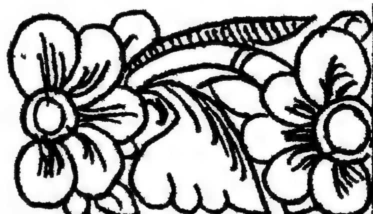
रिषि रिखरायो ॥ राजा जनक मंगन आनंद भये -

नगर बधा बालायो ॥ मंगल मुरखी आनंद भये केके

जाको जोकुछ भायो ॥ रास महितावन ना बेसरो - राम सियारल असो लकपायो ॥ जनक भागको कहे बडाई लियो औतार लक्षिमी आई ॥ प्रगट भई श्री जगत भवानी श्रीजानिकी सिया क ाइ ॥ आनं नंद भयो जग माहीं जनक रायके उरन समाई ॥ जैजै शब्द गाये त्रिलोकी गंधर्व आयके गान सुनाई ॥ देव लोक बाजन बहु बाजें आय अपसरा नृतदिखाई ॥ भयेउधार जनक बहु दीन्हों बरनकरूं कछु कह



ایضاً
۴۶



جنک بہاگ کو کہے بڑائی
یوں لوتار لچھے آئی
پرگھٹ بہی سری جگت بھوانی
سری جانکی سیتا کہائے
منگل گات بجات نگر سب
دیت جنک رانی کو بدہائی
پرم آنند بھو جگ ماہیں
جنک رائی کی ار نہ سمائی
جی جی سبد گیو ترلوکی
گندہرب آئی گی کان سنائی
دیو لوک باجن بہو باجیں
آئے ابسرا ندت دکہائی

جس دن آئی تو خیالات سب ہو وشبو
ششٹ مکھی نیا چنی سبہ ستی
بہیا انند دیو تن گنت بہو
بہیر دیکھ آکاس وسا تن
واس مہتاب ہیا دیو تیا جی

برن کرون کچھ کبت نذالی
تینجن دی دی کسی بہ امی
بنجے رام راون چھ آئے
دیو بچن سن چلی کماہی
نا تو جگ ہو وے کی ہنسائی

तन आई ॥ मंगल मुखी जानकी जेते कंचन दं ...
बिराई ॥ महां आनंद दव तन कीन्हों कि जयनाथ -
रावण छै आई ॥ भारदो रव आकाश दसानन देखत न
न मुनि पक्षी रवाई ॥ राम माहि लाव हि पवनों सिधा
नीनाती जग होवेगी हंसाई ॥



बधाई जनक एय कोहीने जन्म कियो जग दम्ब जा
तुकी दर्शसि याकेकीजे ॥ चढविमान देव सब आये
जोड़े खत सोरीझे ॥ आनंद भये त्रिलोकीमें भारी दिख



ایضاً
۳۰



پرہاسے جنگ راے کو دتیجے

جنم لیو جگدیجہ جانکی — واس سیا کے — دیجے
پربمان دیو سب — آئے — جو دیکھت سو — سیجے
آنند ہو ترکے مین بھاری — دیکھ روپ اس — پیجے
یہی اودہار جنک اور رانی — جو چاہو سو —— لیجے
راون سنی پر گھٹی جانکے — دو واڑ ہاتن کو — بیجے
واس ہتاب رام اور سیا کو — ہتیا مین اپنے — بیجے

रूप रस पीजे ॥ भये उधार जनक और सती जो चा
हौं सो कीजे ॥ रावण सुनी प्रघटी जानकी दोऊ हाथन
मुख मीजे ॥ राक्षमहिनाजराम और सियाको हियमे-



دیبئے پوجن جنک کماری
رتن امول ایہو سن نانا
جہنڈ جہنڈ سکیون کے بہیتر
پہونچی تہان جہان مندامیکا
چمپا چمیلی گلاب سیوتی
مدن مان موتیا کیوڑہ
گل طرہ لالہ نافرمان
جہان تہان گل چاندنی پہولی
کنول وادودی دونا مروا

سب سکیان مل چلے دولاری
لہنگا چیر سرنگ زرتاری
جون کیج ہنس چال سواری
پہول رہی نانا — پہلواری
جوہی جاہے مولسری نیاری
مہک رہی گل شبو بہاری
ہتور تہور دیکہو گل کارے
دیکہہ چاندنی رات پوکاری
گل لالہ پہیپہر گلنا ری

اُت سے اُگھو بر لیے پھول
اُت سے آئی کنور نویلے
اوٹھی اوُمنگ پریم بس دوُ اُ
پریم بیبس پوچھت سکھین سے
پرگھٹی گانٹھ پریم کی ہیا مین
دہوپ دیپ نو بید آرتی
جو تم ساچی امبکا ماتا
واس مہتاب سری درگائی

بسوامتر کی پوجا کارے
بہت سبہی ڈولا ڈیک باری
لاگو ہی تیر کلیجے بہاری
یہ ہین کون نگر کی پیاری
اگھیرات وہ مندر سدہاری
کر پوجا ڈوُ اوُ ہات پساری
برین موہ اگھیرے نواری
من مانو پہل دیُو سیاری

देवीपूजन जनककुमारी सबसखियां मिलिबोलिदुलारी ·
रत्न अमोल अभूषन नाना लहिंगा चीर सुरंग जरतारी ॥
झुंड झुंड सखियों के भीतर जो गजहंस चाल न तवा [illegible] री ॥
पहुंची तहां जहां मंदिर अम्बिका फूलि रही नाना फुलवारी ॥
चंपा चंबेली गुलाब सेवती जूही जाही मोलासरी न्यारी ॥
मदन बान मोतिया के ब[illegible] री ॥
गुलतुर्रा लाला नाफर्मा ठौर २ देखा गुलका [illegible] री ॥
जहां तहां गुल चांदिनी फूली दारव चांदिनी रात प्रकारी ॥

कंवलदाहदीसे नामवा गुल लाला पेंचागुलना ——— री॥

उतसे रघुबर आये फूलहित बिश्वामित्रके पूजाका ——— री॥

उतसे आई कुंवरि जनकली भेंट भई दोउ एकबा ——— री॥

ऊठीउमंग प्रेमबस दोऊ लागो है तीर कलेजेमा ——— री॥

प्रेमबिबस पूंछत सखियन सों ये हैं कौन नगरके प्यारी॥

मथटी गांठ प्रेमकी हियमें रघुबर उत ग्रेहमें सिधारी

धूपदीप नैवेद्य आरती करि पूजा दोउ हाथपसा ——— री॥

जो तुम सांची अम्बिका मानो बरें मोहिं रघुबर बनवारी॥

दासमाहि ताव श्रीदुर्गाने मनमानो फल दियो सियारी॥



ایضاً

۳۲

سکھی بیس پونچت جنگ دولاری

جڑا بیٹھے پرتھی سیکے ۔ راجا		دیکھو کیہون نہ ——— اٹھاریا

تمری پتا جی نے رچو ہی سوئمبر — آئیے نرپ سب بھاری
کاسی نریس راون سی راجا — متہرا کے شب ـــ کاری
کاسمیر گجرات چندیری — پراگ راج کی ـــ باری
بلخ بخارا اور ـــ کلکتہا — ہستنا پور ـــ ریواری
ملیوار بس سنیو ـــ کنچے — للچہا پورسے ـــ گرناری
مارڑ وار کوچہ بوندیے سب — جن مین خوسی تہاری
کہان تو برن کرون سب نامان — راجا رنگ ـــ ہزاری
کیسی کیسی بہوپ براچھا کرو — ہوین نہین سکہی بہکاری
یہ ہی رام جس رت ست ینکو — ہی نابا بس ـــ پیاری
چاپ چری نہ چری دہوا کی — ان سنگ لگن ـــ ہماری
واس مہتاب چرن جیب جوری — ہوت سران ـــ بلہاری

सखीहंस पूंछत जनक दुलारी ॥ जू ड आये श्रीके राजा
देखो कौन अयारी ॥ तुम्हरे पिता जूने रचोहै सुयम्बर
आये नृप सब भारी ॥ काशीनरस रावण से राजा मथुराके
शुभकारी ॥ कास्मीर गुजरात चंदेरी आगराज के बारी ॥
बलख बुखारा और कलकत्ता हस्थनापूरी [illegible] री ॥

मलेवार विछ्छू २ युकंचीलक्षि नापुरी गिरना ——— री ॥
माडवार कोटा बूंदी सबजिनमें खुशी तिहा ——— री ॥
कहांलो बरनकरों सबनामा राजारंकहजा ——— री ॥
केसे २ भूप बरइ क्षा करलोनहिं २ सखीभिखारी ॥
येही राम दसरथ सुतनी कोभई कन्या बसप्यारी ॥
चांप चढे नचढे धनुबांकी इनसंग लगनहमा ——— री ॥
दासमहिताब चिरंजीव जोडी होत सदा बलिहारी ॥



آري سکھي يہ کواؤ راج دولاري
سو بجا کہت نہ آوے انکي
ہیر ومن مٹو ہوان عالیے
بھاري دہنگ شیو سنکر کو

جو دکھ سنگ پد ہاريے
شور چند رپگ دہاري
کنول نین ——— متواري
پرن پتا کا ——— ہماري

کنٹہن ڈہنک کوملکر رگہبر	اور آوستا ـــــ باري
چاپ چرہي نہ چرہي بر رہون اُپي	نا تو رہون گي ـــ کنواري
انترجامي جان من ستیا کے	توڑک ٹوک ـــــ کرواري
بہنجي چاپ جنک پت راکہي	جي جي سبہي پوکاري
انند بہیو نگر یک باریے	نرہتي نگر سد ہاریے
انند اُر فسا وست ستیا کي	تاري دیت سب نیاریے
واس مہتاب یہ ہي سکرت ہي	ہتیا مین یسواب پیاري

अरीसखीयको ऊराज दुलारे॥ जोरिषिसंगपधारे॥
शोभा कहतन आवे इनकी सूर चंद्र पगधा ——— रे॥
मेरामन मोह्योइन आली कंवल नैन मतवा ——— रे॥
भारी धनुष श्योशंकर कोपरनपिता कोहमा ——— रे॥
कठिनधनुष कोमलकर रघुबर और अवस्था बारे॥
चापचढे नचढे बरहौं ईन नाते रहूंगी कुंवा ——— रे॥
अंतरयामी जा नसिया मनकीरघुकेर करडा ——— रे॥
भंजि चाप जनक प त राखो जं जं स भी पुका ——— रे॥
आनंद भयो नगर गकवारी नृपती नगर सिधा ——— रे॥

आनन्द उरन समावत सिया के तारी देत सब न्यारे ॥
दास समहि ताब यश्री स्करव चाहत हिय मे बसो अब प्यारे ॥



انند آج جنک پور بہاری
اگہر سنگ لگن سیاجی کو
بھانت بھانت باجن سر باجین
باجت ہین مردہنگ جہانج دہپ
بہوسن بسترا بوسن نا نا
ویس ہی دیس ہوپ جڑائی
ریت رسم کل کے سب کینے
سہج برات اگہر شب کاریا
سو چھا برن سکون نہین اگہر

منگل گات نگر سب نر ناری
پرم اوتساہ ہوت سب کاری
گات بجات دیت سب تاری
نرتت اپسرا نیاری نیاری
رنگ برنگ سب کی زرتاری
پھول رہی مانو پھلواری
کنگن ہاتھ براجت پیاری
آیے دو آرچہ جنک دولاری
ویسی او چھا آج ــــ گیاری

دولہ رام دولہن سیا پیاری	ہووت بہا نور لکن بچپاری
دایج باج برن کرون کیا	دولہن دولہ سنگ سدہاری
اندر آو دیو جہان تاہین	ہوت سیا اگیہر بلہاری
رکہی منی پنڈت سب آئیے	جی جی کرت سیا بنواری
دیت اسیس چرن جیب جوری	ہروی لبو مم سیا بہاری
باس کرو مہتاب کی ہروی	یہ ہی مانگت بر رام سیاری

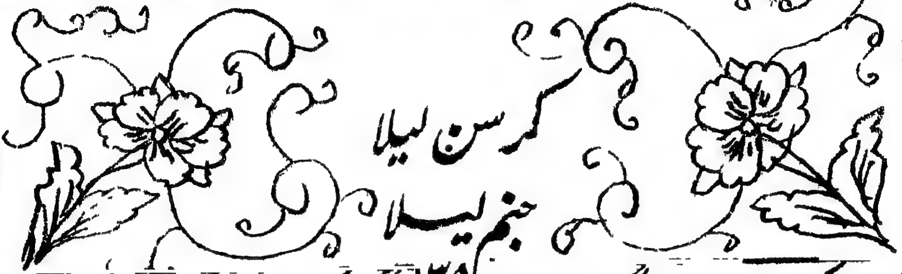
आनंद आज जनकपुर भारी॥ मंगल गात नगर नरनारी॥ [illegible] बर संग लगन सिया जीको परम उत्साह होत शुभकारी॥ भांति २ बाजेन सुर बाजें गात बजात दे[illegible]री॥ बाजत हैं मृदंग झांझ डुफ नृतत अपसरा न्यारी २॥ भूषण बस्त्र अभूषण नाना अंग २ सबके जरतारी॥ देसहि २ भूप जूड आये फूलि रही मानो फुलवारी॥ री[illegible]रसम कुल की सबकीन्ही कंगन हाथ बिराजत प्यारी॥ सजि बरात रघुबर शुभकारी आये द्वार चढि जनक दुलारी॥ शोभा बरन सकूं नहिं रघुबर वेसी उ पमा राजकुंवारी॥ दूल्हा राम दुलहिन सिया प्यारी होवत भाव रलगन बिचारी॥ दाय जमाय जब रस

करं के हातु लहिन दूल्हा सगा सिधारी॥ इंद्र आ दे देवजहां ताहीं होत सियार घुबर बलिहारी॥ रिषीमुनीपंडितसब आ वे जैजै करतसिया बनवारी॥ बास करे महे नाव के शिर दे॥ येही मांगत नवर रासी धारी॥



آج سکھی جنم لیو گردھاری	پرگٹی کرسن مرارے
اروہ ناچت روبے	بدھ وار شب [illegible] کارنے

जै देत - सीसा चंरंग जीव जोड़ी हृदय बसो म्मा सियाबिहारी ॥ बस करो महताब के हृदय यही मांगत बर राम सीयरी ॥



آج سکھی جنم لیئو - گردھاری
آر دہ نسا نچہتر روہنی
بہادوں بدہ اشٹمے سوئی
دیو کتہر باجتہ بجاوین
باجت تال مردہنگ مجیری
لکھی لکھی نہین کچھو گنتی
بانٹ موتے مالک ہیرا
نند بھوین آنندات بہاری
دیو بدہائی نند - ہر کو
منگل گات بجات نگر سب
داس ہتاب سبہی تن من کو

پر گیٹی کرسن مرار ری
بدہ وار سب - کاری
رت بسنت پگ دہاری
سرن بہہ ہی - بہاری
ناچت الپرا - تیاری
نند دیت بہہ - نباری
جا چک بہا تہہ - بہکاری
چہب نند کہن چلو - پیاری
لی لی بلیان - گردہاری
ہس ہس دیں دیا - تاری
آرین کر دیک - باری

कृष्ण जन्म लीला ॥२५॥

जनम बधाई लीला।

आज सखी जन्म लियो गिरधारी॥ प्रघटे कृष्ण मुरारी॥ अर्धी
निसा नक्षत्र रोहिनी बुद्धवार शुभकारी॥ भादौं सुद्ध अष्टमी
सो है ऋतु बसंत पग धारी॥ देव किन्नर बाजे बजावें सुख
भीर भई भारी॥ बाजे तत्र मृदंग मंजिरे नाचत अप्सरा न्यारी॥
ल क्षा लक्ष नहीं कछु गीनती नंद देत भर थारी॥ बाटत मो
ति मानिक हीरा जाचक मात भिकारी। नंद भुवन आनंद प्रानी
त्रिभारी छबि नीर रवे बल्लो अपारी॥ देखो बधाई नंद महर को
लेले बलैयां गिरधारी। मंगल गान बजा गानगार सब सखि दे नारी
दास अहिनाब सभी लन मन के दुपराकरो रखवारी॥



پوت سپوت جسوده جايو

گاي بجاي ديو سب تاري

بهو سن بسن سبهي سكهه ساجو
نگل گاي اور پهين سب ناري
لي لي مٹكي دودہ دهي كے
وال بال دعو كيچ - مچائي
هر جسودگو دیے - نهاري
ند جسو متي اُر نہ سماوت
اهو هيرا كا هو - موُ تن
پڑن جيب نير وست راني
واس مهتاب اور سب سيوك

پهر و چهير سنگ زر ناري
آنند بهو برج پكسے - باري
نند گهره آئيي - ناري
لي درسن پرسن - بنواري
ناچين لي لي بٹيان - گردباري
كرين نچهاور - پهر پهر - تهاري
كيني نهال جگت كي بهكاري
لور برسن جيو كنور كهنائي
كرين آرتي كرسن مراري

॥९६॥

[illegible]बधाई नंद महरी॥ पूत स[illegible]जायो॥
[illegible] हिमो सब नारी॥ भूषण वसन स[illegible]
[illegible] चीर सुरंग [illegible]गी॥ [illegible] गाय उठीं सब नारी प्रा[illegible]
भयो [illegible]री॥ [illegible] दूध दही की [illegible]
री॥ ग्वाल बाल दधि की [illegible] मचाई [illegible] नारी
॥ महर जसोदा [illegible] लिए ढाढी नाचे ले बधैया [illegible]॥ नंद जसो
मती [illegible] करे [illegible] भर थारी॥ [illegible] हीरा

कीन्हें निहाल जेगतके भिकारी ॥ चिरंजीव तेरो सुत रानी कि र बधैइयो कुंवर कन्हाई ॥ दास महील और सब सेवक कर प्यारी कृष्ण मुरारी ॥ कृष्ण मुरारी

ایضاً.

۳۷

بدہائي نند مہر کو دیجي

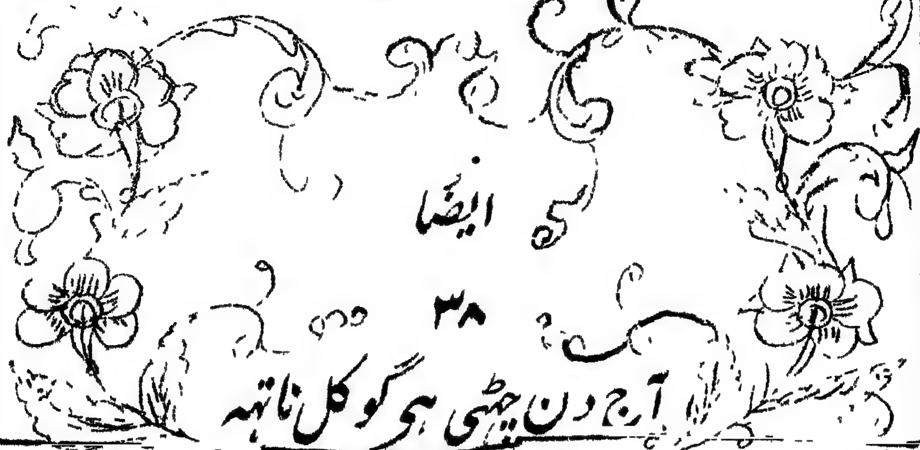
جنمو پوت جسومتي را ني
بہي اُدہار نند اور جسومت
چلو چلو گرہ نندلال کي
بستر دیوسن نند لال کو
دي اُو بدہائي نند مہر کو
گات بجات سبہي انند ہنت

سب ہي نچہاور – لیجي
جو چاہو سو – لیجي
درس پرس رس پیجي
دُودہ دہي سب – دیجي
آنند منگل —— کیجي
مہتاب دیکہہ سکہہ – لیجي

॥३७॥

बधाई नंद महरको दीजो ॥ जन्मो पूत जसोमति रानी सबही निछावर कीजे ॥ भये उधार नंद और जसोमति जो चाहो सो लीजो ॥ चलो ... दरशन कीजो ॥ बसन भूषण नंदलाल को दूध दही ... दीजे ॥ देखो षधाई

नंद महर को आनंद मंगल कीजे॥ गाल बजाल लक्ष्मीप्रसानं
द हिल मिलाव देखि सुख लीजे॥



ایضا

۳۸

آج دن چھٹی ہے گوکل ناتھ

ملیّا گر سی بھوبن لپایو	سب — ہی منگل گات
بستر ابوسن نا نا نا نا	پیرائی برج — ناتھ
گودی لی جسومت گروہر کو	پوجی دیو — سناتھ
بھانت بھانت پکوان - متھائی	پنوار و سپ — کھات
لکپی لکپچہ نچھاور — کیتی	پہراون سج — سات
بلہاری مہتاب شام کی	چرنن را کھو — ناتھ



आज दिन छठी है गोकुलनाथ मनोहर गीर सेभूप नाचिआये।
सब सखी मंगल गावत। वस्त्र आभूषन नाना नाना पहिराये।
...नाथ। औ ... जस मती ... को पूजी देव मनाया॥

मांगत बकसाल नित्याई पनवारी तबरवाल॥ आशा आहि नियाथकीं

नहीं पड़ो रतन जड़ित जवान॥ अलिहद्दीन हलाय शाम की बरनन नधे

माय॥



ايضاً

۳۹

آج دن سالگره کو آیو

تک سک لون سنگار جبو متي
سري گرد هر — کرو ایو
تیج نشین سبي چوک پورایو
سب سکهي منگل گایو
دییت گگا ٹهه باجن سر باجي
پپ سرن — بر کهایو
گهبي گگا ٹهه هر وي اگیا
جي جي سید — سنایو
تا تا تهوئي سن بستر سبهي کو
نند مهر — پیرایو
منگل مکهي آئیک جب چکي
من ما نو سب — پایو
بها نت بهانت کي مخین پیاري
ریچ جو جاکي — کهاؤ
کور برس جیو کنور کهتا ئي
شن مهتاب — لبایو

॥३६॥

आज दिन सालगिरह को आयो॥ सरव सिरव ले [illegible] ज [illegible]

श्रीगिरधरकरवायो। गजमुनि पल सोचो कपुरादि सब सखी मंगा
ल गायो। दे न माठि श्राञेन सुरवओं पुरुष सुरनवधायो॥ सूल
वाँति हृदय प्रवाना जौ नै शब्द सुनायो॥ ना ना सुन नब सब का-
समीको नवे महर पहिरायो॥ मंगल सुखी अनेक जाचक की म-
न मानो सब पायो॥ भांति २ के व्यंजन प्यारे रुचि जो जाके भा
यो॥ केरबंप जियो कुंवर कन्हाई मनम ।लाव लुभायो॥



ایضاً

٤٠



سکھی رہی بیج مین یو تنا آئی
کپٹ روپ مایا بستا رہی
تکھ سکھ توں سنگار آبوسن
چلی چلی گرہ نند بھو ین مین
کو اوؤ کہی یہہ کھلا — رانی
آورسبت مہر تیہاری
پلنا دہنگ للنا کی — آئی

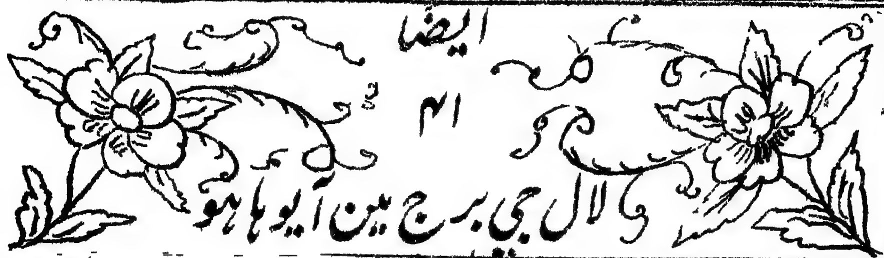
یہہ چہتین بہر — لا ئی
کہات کرن کو — ائی
جیسر شہر یک سن ہے — سائی
کوئی نہ کہی کت — سائی
کوئی نہ یوتن — سائی
پونچہت کہان کنائی
استہن مکہہ مین — نائی

جاني کرسن مرار کپت کو — گهه استن بکینه — پتهاني
اناٹ انگ کٹوا سب چاري — مانو چندن مانی — جراني
کهوٹي مهنا پاپ کي جبٹر ني — وهام شام بنج — پاني
واس مهتاب مهاپتي کو — چرن ديو — بهگتاني

॥१५०॥

सखीरी ब्रजमें पुतना आई॥ बेष छ…लिपन भरिलाई॥ कप
ट रूपम…या बिस्तारी घातकरनको धाई॥ न बलरखलो श्रृं
गार…प्रभुवन चीरसुरंग मन भाई॥ चली इ…महनंद भुपनमों
…कहेकि…त जाई॥ कोकहे यहु कमलारानी कोई देखत
न जाई॥ अबर स… …नमा…रीबैगारी… …कहाकन्हाई॥
प…ना॥ देगलललना केप्र …प्रस्थन… …रवमें जाई॥ जानीकृष्ण
मुरा…रेकपटके गहि…चन बैकुंठ पठाई॥ अंग…
जा… मा मोचनदंन माहि जरा… ॥ …पटी महा पा…
…डन धामश्याम नीज पाई॥ दास महीनाथ मांहा…
को च नन …पाम…गताई॥

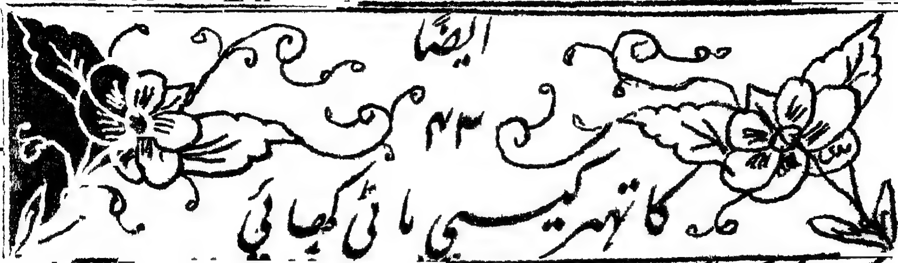




دور کہین جن جاو پیاری	نہین پٹہیارو ـــ کاہو
تین لوک کو ٹہاکر جو ہی	سور چندر اور ـــ راہو
سبت لوک آکاس پتالا	بہجن کرت سب ـــ تاہو
بزمہاوک مایا مین موہی	سری کرسن ـــ بلداؤ
تایی وراوت ہاہو ہیا	پرگہٹ کیئے سب واہو
سرناگت مہتاب تمہارو	کام نہ راکہت ـــ کاہو

॥८१॥

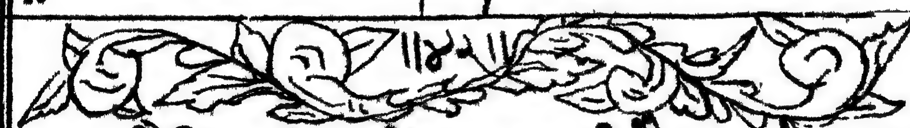
लालजूब्रजमें आयोहूकाहू ।। दूरि खेलनजनि जाउप्यारे नांहि पठिये रोकहू ।। तीने लोककोठाकरजो है सुरचंद्रऔर राहू ।। सब लोक आकास पताला भंजन करतताहू ।। ब्रह्मादिक माया मोमोहे श्रीकृष्ण बलदाऊ ।। तायेंडरावत हाऊमो या अपट किये सबवाहू ।। सरनागत महिताबतुम्हारो- काम नराखन काहू ।।



ایضا ۴۳

کاتھر کیسی ماٹی کھائی

کہا کمی تو لکھہ گو دھن - گھر | تو موہ لاج - لجائی
اوات پانت برج لوگ بدھو سب | ہنست ہین موہ - سنائی
لی سائی بر تہا او ٹھہ دہاوت | جھوتی سیکہ - سکائی
دیکھت کیون نہ مکہہ کھول نہ میّا | ہین مائی کہان - کہائی
تین لوک دیکھی مکہ - مائین | سور چندر سب - پائی
چکرت بھی مکہہ بول نا آوت | پورن برم - کہنائی
سب کوتک بیوہار سکل سب | پن پن نند - سنائی
داس مہتاب کرسن کانا کو | رات دیوس کن - گائی



।।४३।।

कहर कैसि माटी खाई।। कहा कमी नौ लख गोधनघ
रतु मोहि लाजलजा। ।।जासपांति- रजलोग बधूसब-
हंसत है मोहि [illegible]।।लै माटी बरथा उठि [illegible] वन झूठी
सीखसिखा ।। खन [illegible] मुख खोल [illegible]। मै माटी
कहां खाई।। [illegible] लोक बीखी मुख माही सूर चंद्रस

माई।।च[illegible]नमयी मुखबोलनाप्रावत पूरनब्रह्म कन्ह
ई।।सबकौतिकक्यो[illegible]र स[illegible]सब पुनिनंद[illegible]नारा
दासम्हैताब[illegible]शा[illegible]कन्हैं को रातीदिवसर[illegible]।।



جاگیہ گوپال کرسن بہگٹن کی پیاری

ربی کو پرکاس بہو چندرما اوداس ہو — گوال بال آئی کی سب ٹہاری ہین
سونی کی جہاری جمنا جی کو پانی — لونگ کی دتون لال منجن کرو پاری
مئوک میوہ بسال ماکہن اور مصری — کہا ٹہیہ کر پاندہان جگ کی او چیاری
بیر بہی بہت اج نند جو کی باری — گیٹوین کی بچہرو سب تیرت ہین پیاری
واس ہی مہتاب اور گوپ گوال ساری — ورسن کی اچہا مین گات کن تیاری



[illegible]।।गिपेगोपाल[illegible]शाम[illegible]नंदप्यारे।।रविकोप्रकाश
भयोचंद्रमा उद्दासभयो[illegible]बालप्रयकेसबठाढेहैं द्वारे।।
सोनेकीझारीजमूनाजीको पानी लौंगकीदतौनलाल
मंजनकरोबारे।।मे[illegible]कमावाविसालमाखनप्रौ

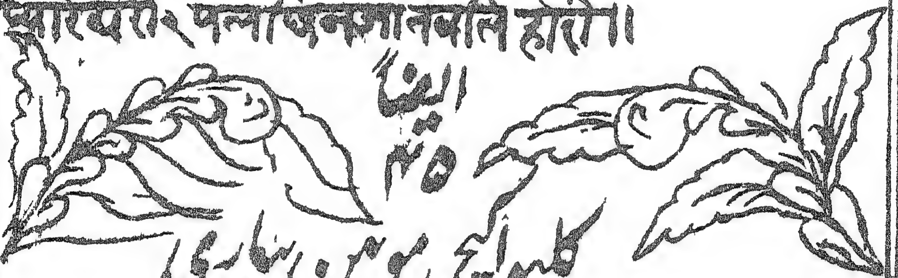
र मिसिरी खाइये कृपानिधान जगके उजियारे।। और
माई बहुत प्राज नंदजु केबारे।। गौअन के बछरा सब
टेरत है प्यारे।। दास है महिताबअग्रौर गोप ग्वाल सारे।।
दर्शनकी इच्छामें गातलगा निहारे।।

ایضا

۴۴

سیحت نین اونچی گر و ہاری | جی جی سبہی کرت نر ناری
تاکہن رو ٹی و ہیچی رہی نینا | بہوک لگی لت مو کو بہاری
بہی بارات و یدیی کلیوا | گوال بال سب دیوت تاری
شتی کی تہار بیر کار ہت سیی | کہات داو اور کرسن مراری
دو او بہیا اور گوال بال سب | بچہرہ ہست چلی — بنواری
سب بچہرہ بن مانین بگہری | کہلت آپ قدم کی واری
داس مہتاب جتیا سو بیاری | گہری گہری پل چہن جات بلہاری

मौंजतनौनछगिरधारी जै जौ समेकालनरला री ।
मारवनरोठी रेरीमौ या भूख लगी ग्रनिमो केमारी॥
भरे बारग्वलि देदे कले बाळबाल बाल लव देवनलारी।।
सोनकी पारा प्रकार बहुलसे रवान राजूपौर कृष्ण।
मुरारी।। दोऊ म या ग्रौरबाल बालू लबब छुराल
हित चलै बलवारी।। सबबधु रालकनमा।। बिरखे रायेरवे
ललग्राप करलनकी जा रीरा रालमहिलाबहियाबसो।
प्यारेबरी२ पलछिनमानबलि होरो।।



بال ٻوڪ ڳوان ـــ سڀاڻي | تحن سب هين نياري
بار سڀي جاڳواب ــ ساٿي | گوال بال سب ـ تياري
ماکين روٽي دوده دهي سب | کيا اڏ کان ـ دولاري
لي ڇيڙه بن ماهن ـ سد هارد | آاڏ بيڪ ـ سڪاري
دور کيلن جن جاڏ ـ لالہ | هين کا هو ـ ڇيپا ريڇي
ماسن هتيلب چرن گهہ اکيو | جاکيپ دو ست جسم ماريڇي

॥४५॥

कोल बांकी जे मोहन प्यारो। ... मो गाप कै बाल ...

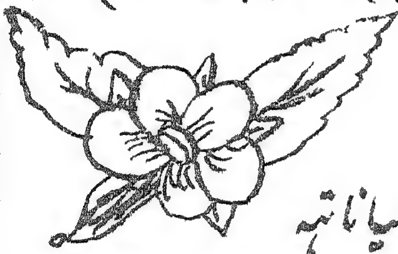
बारौं जन सबै हैं प्यारो बार न ई जागे प्राण छांडे ...

बाल सब ठाढे माखन रोटी रूपट ही सब ... ग्वाल ...

दुलारो सेब घर राखन माहि लिपा रे ...

हा खेलन जीन जाप्यो लाल नाहिं ...

लमा हित ... ग्रहि रख्यो ... जस ... :





ايضاً

۴۶

بیار و کبھی و نیا نا تہہ

... آنوکی — کہری برا اور — بیا ہتہ

... ات خیکو — سبھی پدارت — سا تہہ

... ساری اللہ کی — بیری جومن — بہا تہہ

... سکھن — لیوت بلا تو — با تہہ

... چرن کی بی — رات دیوس گن گا تہہ

... سیاں کی آسا — کرجر نوا ون — با تہہ

॥४६॥

ब्याहु किजै दीनानाथ॥ रचठमिठ सब प्रकार प्रेनोस
र्लैंहौ भरा ज्यौं मालत। मोहन भोगावनो त्यतिनी कोस
मी पवारभ लाथा क्रन्यापा नतु पारिद लाय चीबीरीजो
मनमात॥ पनबोरो दीजै मंजन खेले बत हाते हाथ॥
रात्री गति चरन नकी लीजे रातिदिवस ह्यु खागात॥
प्रेम बासमहि ताबक प्रासा कजो जनपा अमंप॥

ایضاً



۴۷

کیسی پیاری جہانکی نندلال کی
کاری کماری کان بری چتر سجان واسی لاگی میری پران جن کیسی
نکسی جان واسی موئی یک پیاری
نند کی کشوری چت لی گیو کر چوری پیا پیاسی ڈال کی ہنگوری کیسی
واکی برا جوری مت ہو گیی بوری وہ تو میرا سہ داری ہی—
بادلاگی موہ کرسن گوپال کی
اری وہ تو کنج کو بہاری بھج کی سب گوپکا بوری کر داری کو ٹھی ہری
ہری مادی کو ٹہی چہرہ دیکھی لٹاری واکی لیلا اپدم پار ہی—
اری مین تو دہونڈ دہونڈ ہاری ہی نا ملی بہاری کیتا چہپا لی کاری کاری

کیسی نیٹ اندہاری بجلی چمکی نیاری ایسی جنیی سی دہرکار ہی

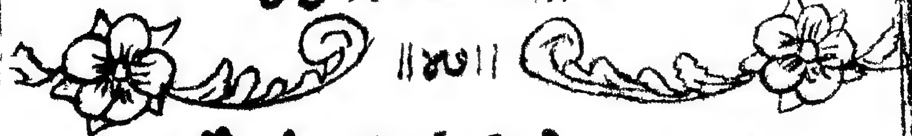
بہرون پیا کل کتنی کال کی

آری سب تجہہ لوگ لاج اپنی پیا کی کاج کہا کریہ یہہ سماج کہر سی جاییہ
ہین یہنچ ایسی کہٹ پٹ سی ہن کاہی —
آری وہ تو کاری کامہی [illegible] تو سب جگ کو پرمایو واسی کون گون
سکیہ پایو نند جسودا کو جایو اپنی مطلب کو وہ یاری ہی —

واکی بہاری سب چال کی

آری میری بیر کلیجی او ہٹی پیرن کاسی کولا کو تیر نین سی ٹپکی نیر
جیا تا وہری دہیر کاسی کہون اپنی پیر لاگی اندہلا سو بند سرکاری —
آری ہتہات واس چہور مت چرن کی آس وہ ہی بہگت نواس
پوری ہیہ سب کی آس سب جگہہ واہو کو پرکاس دیکہو پیا کی
انکہہ تو پیرہ ماد ہیہ

سدہ ہولوست گردہرلال کی



॥٨٥॥

॥कैसीप्यारी [illegible] की नंदलाल की॥

कारे

[illegible] कन [illegible] [illegible] नि [illegible] मेरे प्रानबीन [illegible]

नील [illegible] सेश्यान सेमी [illegible] कप्यारे [illegible] नंद [illegible]

री ची लेप्या कर चोरी का सीडा लके ठगोरी कैसी
बरा जारी बोरिबो सरदार है ॥
॥ याद लागी मोहे कृ गोपाल ॥
ग्यारीया लोकुं को बेहारी ब्रजकांस गोपांका री
केदारी को मेरे ब्रह्म की प्यारी को चेहीदेरव प्यटारी वा
की
रवाल ग्रप है ग्यरी नामीलेबेहा
री घटा कारिकारी कैसी नापटग्र थीयारि बीजली
चमके न्यारि जीने सेवी क्कारहे ॥
॥ फीरुं याकुल की नैकालकी ॥
ग्यारि नजी यलो कलाजब्र पनपीयाके
करा घर से जाई यकहां भाज ऐसे रव
से फनो का ी कामरं लो सब जो
को भर भाया बासे कोन नसुरवपाया न पसो
क कोजा अपने मत लब को वाह पा रहे ॥
॥ लहारी सब चा ॥
गासीको लागो र

पनिपारवा । अथ [illegible] दसरकार [illegible] प्रेम [illegible] नानदास [illegible]

ज [illegible] है [illegible] हैसनकी [illegible]

स [illegible] अरवलोवेज

पारे ॥ ॥सुघमुलोम [illegible] ॥

گلیون مین گنج بن کی کوئی سامرا کھڑا
دیکھوری سکھی دیکھو یہہ کسواسطی- اڑا
چیرا ملیسی ٹھگا جیری کا ہی - جگمگا
ہین پور- پورچھیلی پڑا ہا ٹھہ مین کڑا
باکی دہرن انوکی کنڈل ہین کان مین
یہج بند چڑا اور گلی متین کاست لڑا
مرلی آدہر مدہر ہی ذرا چل کے دیکھلو
تیشورسروپ ترچھی نگاہون سے من لڑا
سج دہج ادا ہی پیاری کی کیا ہین کیا مجہے
مہتاب نظر ملتی ہے دل صاف لے اڑا

गलीयामे [illegible] बनकेकोर सांवरा [illegible] ॥

। ।देखो री सखी देखो [illegible] किस [illegible] ॥

चोरा मुकुर नरोपठका जरीका है जेगमगा

[illegible] बांके थरन [illegible]

मोर [illegible] लकू उलझै कान मे भुज बंद जेडाऊ [illegible]

लौ सुत मन क [illegible] डा ॥ [illegible] रस मधुर है जरा

चेलके [illegible] ला ॥ न ठ वर सरु प नी छीनी गाहौं से मन

लडा ॥ सजद जग्यदाने की प्यारे थी यल कीय मु

[illegible] जर नी हो [illegible] फल ले जडा ॥



چتون سانوری کی لاگی چوٹ کٹاری ہے
؟ ل
ہنسیا بین او تہت پیر جیا نا دہرت ہے
کہری کہری پل پل ات ات چتوت
واس مہتاب پیا دہوندہ ہو سہاری ہے

پریم پیا لبس بہی پیر انگ بہاری ہے
لٹک مٹک کی چہب ایک نیاری ہے
پیبیا کرون رہی بیر کہاں دلکا کاری ہے
کلیجی لگو ہے تیرین ہیا پیاری ہے
واکی تو اتو پ روپ بلکا وہ بہاری ہے



चीन वनस वं [illegible] प्रेम पी या न

सभईपीरअंगभारीहै।।मोर मुकटमकरा
कुंतकुंडललटकमटककिछबीएकन्यारी
है।।डीयामेंउठतपीर जीयानाधरतधीर
केसाकरूंरीबीरध्यावलगाकारिहै।।घडी
घडीपलपलईतउलबीतवलतकलेजेलगोहै
नीरबीनपीयाप्यारीहै।।दासम[redacted]पी
याढुंढढूंढहारीरे।।वाकेतोअनुपरूपबांके
वो[redacted]है।।४९।। ایضا



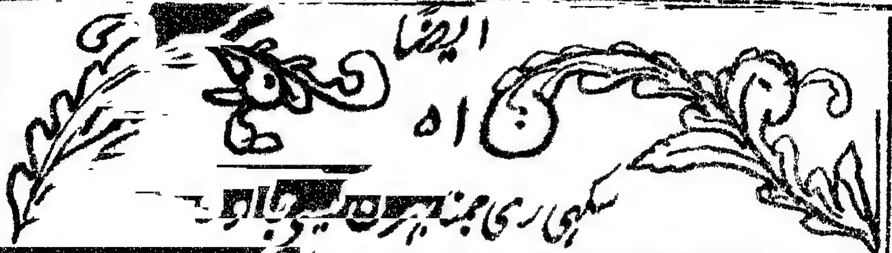
٥٠

مین تو جنا بہرن نا جاؤن ری

کیسی کرون تہاری ہٹ کا تا	پنیا بہرن کیسی لاؤن ری
چہرت ہین گہگری بہورت ہین	اب نا بہرن کو آؤن ری
ای ری مہتاب لاج کی ماری	رین دین گن گائیون ری

।।५१।।

मैतोजमनाभरननजाउंरी।।कैसीकरूं [illegible] ।।प
नीयाभरकैसीलाउंरी।।छेरतहै धगरीफोरतहैं।।अबनाभर
नकोअउंरी।।मेरीमहीताबलाजकीमारी।।रैनदीनसगुनगाउं

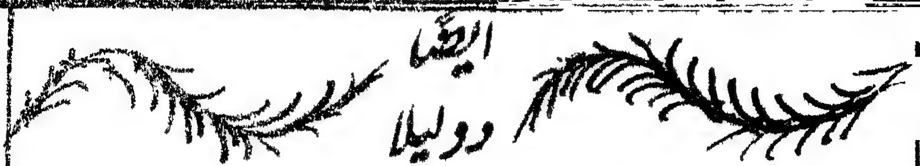


تمہاری ہین نند لالہ ڈگر ـ بین
گہگر ہی پہورت بٹیان مرورت
کہا کروں کیا کرون سجنی
بیرن نند ساس دکہہ وائی
چہوڑ گیں جا تی دروہن
داس مہتاب ہٹیلی ـ کانا

کیسی کی نکسن ـ پاؤن
پنیا بہر کیسی ـ آؤن
کہا کو بیہ سنا ؤن
کو بد کنہتہ ـ منا اون
پنیا بہہ پہر ـ آاون
کیسی کر ـ سمجا اون

॥ [illegible] कैसे जाऊं॥

थाडे नंदलाल डगर मे॥ कैसे कैसी कसन पाऊं॥ [illegible]
री [illegible] मरोरत॥ पनीया भर कैसी प्राऊं॥ काहाक
[illegible]॥ काहे को पीर [illegible] नाऊं॥ [illegible]
[illegible] दुखदाई॥ [illegible] कैसे मनाऊं॥ छोड़ा गैल जा
दो मा [illegible] ना॥ पनीया भर फर [illegible]॥ [illegible]
ठकान [illegible] जाऊं॥ ५८॥ ५८॥ ५८॥



ایضاً
دولیلا

آجی کوئی لیئو دہی شو او کانا

سنت کان گوالن سب روکی	ای جی ہمین پھر برسانی جانا
روک ٹوک کیون کنج گلن مین	نت روز ہمین یہسان آنا
دہی دودہ سب گوالنان	جوبن رس دی — جبانا
واسن مہتاب مہاسکرت ہی	سوپھل ہووت من — بانا

॥५६॥





॥दूधलीला॥

॥अजीकोइलेओदहीमीरोकान॥

सुनत कान ग्वालन सब रोकी। अजी हमे फीर बरसाने जाना॥ रोक टोक कैं कुंज गलीन मे। नीत रोज हमे इह आना॥ दही दुध रब छीन लीया सब ग्वालन॥ जोबन रस लव जजाना या। लमहेताब माहा सुकृत नहीं। सुफल होत मनमाना॥७॥



باسری لیلا

سکہی ری یہ بانسریا دی ہماری	...

[redacted]

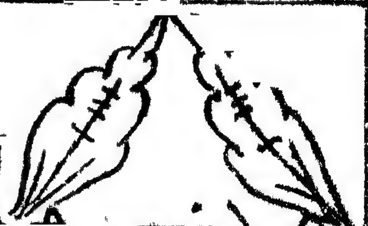
تین گرام چهه راگ راگنے
هري بانس کي موري مرليا
تري کام نه آوي پياري
نرت کرون کاهي سي رادها
شرنه بر مهاموهت جاسي
منسي تري بهس بي کهائي
کهت ايک جمنا کي بهتر
کاهي کو راڑ کرت هو هم سي
ها تهه جور مهو بنتي کرت هون
ديکهي بهت مجل اٹ کا — نا
راسن هتاب ملين سب سکيان

تر لوکي سي — نياري
اور کلا هو — تيري
اونهک مول سبي بهاري
رادها کنور — کنوري
کيا کرون ري — گوري
وه هي ليئے تم — چوري
هم ديکهي — منواري
بهت جات مج — دهاري
کاهي کهجاوت — پياري
ديو بانسري — موري
لائي برکهه بهان دولاري
دبي تمنسي — گردهاري



॥५३॥

बांसर ठेला



सखीरीबांसरीदेयोहमारी।।बीनी [redacted] हारी
अधीः प्राणसप्यारीमोको।।त्रैलोकीहै न्यारा।।
तीनग्राम छ रागरागनी।।औरकलाबहुतेरी।।हरैबा

सकीमोरीब… रीया॥ग्रब … मारी॥लु…
मनग्रवेप्या ॥राधा… ॥…
…राधा॥केसाक… रीगोरी॥स … नासे
…होलीयो… मचारी॥बंसी…ारी मैं सम्रेख ॥
…॥क…ना…भीलर॥म
…नजालमझबा ॥…॥…क
…रवीजावतप्यारी॥हालजाउबहु…॥
…हुबा… रीमोरी॥दरवबहुलबीम…॥लाई
ब्रखभान…गरी॥दासम…लाव मी…सबसवी
…॥६४॥ ६४॥ ६४॥

ایضا

۵۴

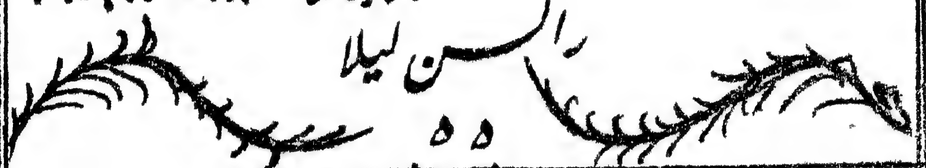
آری ناوان توکیا جانی یہی سے بانسری بن مین
ستاری تان موہن کی لگی یک آگ اس تن مین
چلو ری سب چلو سکھیان وہ دیکھیں سانوری مورت
بنا دیکھی وہ ہنوا ری نہین ہے چین نینین مین
کہلاہی چاند تو ہم کا مسدد یک رین اندھیاری

بولا وے بانسری بیرن لگی ہے جان موہن مین
برہ باقی وہ چل وورین نہین کچھ ہوش تن من کا
آئی چھین یک چھن رہی ہین مست جوبن مین
لسی پیئے اتہہ کا نہ یور چھین لی پالیو ن مین اپنی
کوئی کرکے سنگھا سا او لشاوہ گھبرا دیکھی در چہن مین
کوئی ساس کوئی گوری آڈھنگ سی چالین موہن
ہین سب باورے بن مین کسن کا ناکی باتن مین
سری یداد ہا کنور کا نا کرین سب راس لیلا مل
رہی جوری چرن جیب یہہ بسی مہتاب کی منین

॥५४॥

[illegible] तावनकुन्याजातेदत्तोहे [illegible] रीबननमा।
सनावेनानमो। [illegible] लतमा। [illegible]
गसनचेलोलरणी। [illegible]
सेरहे - वन [illegible] ननननमा। [illegible] चाद
पुनमकासत [illegible] पकरैनठाजिया। रीाबुलावेना [illegible] रवै
[illegible] गहिै नजमोहनमोाव्रहमातीबोह- [illegible]
दिहीवाहकहोशातनमनकाानग्रईचै- पकछीनसी।

न[illegible]द मस्तजोबनमो [illegible] नीनेहातकाजेबस्पहै न
[illegible] वले[illegible] नो कोईकरकेसीगी उलटावहमुक
डादेखदरपंमाको सावककोईगोरीउमंगसेज
मीलेगंमो, ना [illegible]ईसबबावरी [illegible] शानकान्हांके
[illegible]ननमो श्रीराधा [illegible] वरकान्हाकरे[illegible]नरासकी
[illegible]मीला रे जोडीचीरंजीवय [illegible]वसिमहेताब के
[illegible]हे ॥ ६४॥ ॥५॥



آج سکھی راس رچو گردہار ری	نر تنت کر رسن ـ مراری
چلو چلو بندرابن جی ہین ـ	چھب دیکھین ـ بنواری
بندرابن یک بن ہی سندر	تہان برا جین ـ بہاری
جل آکاس او جل سب نرمل	سرد رین رین ـ اجیاری
شبھی آدہر مدہر شر یا چھی	رت بسنت پک دہاری
ایچلات سب راگ راگنی	پی پی نام برج ـ ناری
چر بیان دلو سب ـ آئی	مایا نج تن ـ دہاری
دیولوگ باجن شر باجین	بہیر شدن ہی بہاری

نبي سن سوبهت سب هوگهئين | كهي كهه بهان دولاري
پريت بهت بهوسن سب امير | پهيري چپه جرت تاري
شده بده نهين رهي تن ماهين | گلي بهوسن يك داري
جوجا كارج اتكي ناري | نبي سن كي سيد هاري
رود پهيوت چهوروست گهرمين | پهت جيوت ترت دهاري
پهونچي جاهي نكت كانـ كي | پوچهت كسل بهبهاري
كهه كارج آئن بن ماهين | رات سپيے بن بهاري
سنت بچن نكهه بيسدهو ئي | مرچيت بهين سب تاري
تب بولي يك سكهي سياني | بهلونيا وهي همراري
سانچي پريت ديكهه گوپن كي | راس كيوـ گردهاري
بهين هولاس راس كي بهتيه | وبي دبي گاات سب تاري
پرم آنند بهو بن ماهين | پوري آس يك باري
رلوهاكرسن جنگل جوري پر | مهتاب واسـ بلهاري

॥५५॥

॥रासलीला॥

[illegible] री

[illegible] चलोबृंदाबनजैहोछेनबिहरेंबनवारी॥- दाव

सबएा नंदबीराजैबेड़ाराजेकृष्ण -

सळजलसबनीरमलसर॥ रैनउजीयारी॥बंसीअधर
मधुर॥ रबाजे॥रिनबसंतपगधारी॥उपजावनसवर॥
गर गनी॥ळेलेनामभ्रजनारी॥चे॥बिमान॥ बसव
अयो॥ मानाजत॥ धारी॥ सकोट॥जालकुंर॥
जैं॥भीर॥ रनभईभारी॥बनसोसुनीमोहीत सब
गह्रा॥सखीबृखभान॥ ळारी॥प्रीतसहानमुखल
र बअंबर ।प॥रिचीरजरनारी॥ध्य॥बुधानऊंहो
ननम ओ॥गले॥पनपगधरी ।जोजा कारजअठकाना
सीाटंकसीसुंदै॥सी॥ारी॥॥ धांसवनछेरोसुलधर
॥पतीजबल नधारी॥पहुंचीजारतीकअकान्हा
कोपुंछकुरोळकेहारी॥केहाकारजअईंनमाही
रानसपवनधारी॥तुनचेतनरवेरा॥छुबी॥मु
झनभईसबनारी॥नवबोलीयकसखी॥सपाला॥
भलोन्यावहे॥ रारी॥सांचाप्रीतदेखगोपनका॥
रास॥नयोगी धारी॥भईउलासरासकेभीलधा
देदेगालसबनारी॥परमाअनंदअसाबनमाही॥पु
रीअसयकबारी॥राधा॥ ॥ ॥

[illegible]ारी। ७॥ ॥ ७ ॥

مان لیلا




۵ ۶

بس جاوری سکہی کیون رار کرو

ایسی ایسی چالین نہ بہاوی مٹوکو — بنتی کرو یا پاون پرو

دوری دوری آوت موہ نہ بہاوت — کیون بار بار مم پاون گرو

سمجہائی ات ایک نہ مانی — اب ایسی باتین لپیٹ دہرو

کہو جایی جہان رین گنوائی — چوری کہا کیون موسی ملا

موہن کو د کہہ اب نہ سہونگی — کاج کہا کیون دو آر ار و

واس مہتاب کہت کر جوری — مان تجو پیاری اب نہ رو

॥ दो ॥

॥मा[illegible]॥




॥ बसजाओरी र सखी क्यों रार करो ॥

ऐसी ऐसी चालें न भावे [illegible] को॥ बीनती करो या पांव परो

दोरी दौर अवन मो[illegible]॥ क्यौं बार बार मम पांव गीरो

समझाइ अन यक न मानी॥ अब ऐसी बा[illegible] लपेट धरो

[illegible]॥ क्यैं मोसे बरो॥

[illegible] रखो॥

ایضا

۵۷

مان تج چل پیاری تو ہ پیا بلاوی ری
سن رادہا تو بری ہیلی دیا نہین من مانین
سندر شام سجان لال کیون جیا جلاوی ری
پیا کل ہین کنجن بین کا نا بیند نہ آوی ری
کہت کوئی سب کہہ بہات دولاری آن ملاوی ری
او تہت بیٹہت کل نہ پڑت بے یات اُت جیتوت ری
تو کہشو رمانت نہین پیاری کیون اوُنی رلاوی ری
وہ ٹہاکر تیہون لوک کی مالک تو یک ناری ری
بہاگ برائی جان سج کیون کہیں کہلاوی ری
کنور کسوری مان تجو ری سری رادہا بلہاری
داس مہتاب جگل جوری پر چنور دہولاری ری

उडतकैठनकाळनपडतहैईनउनकीनबतरी।।तुक
ठेरमाननहीं प्यारीक्यैंउनेरखळाबेरी।।बैहठाकुरनिहु
रोककेमाळकतुपकआरीरी।।भागबडाईजानसम
संक्यैंसेलरखीळाबेरी।।कुंवरकीशोरीमाननजोरी
श्रीराधावल्लीहारी।।दासमहैताबजुगलकेओहीपर
चेंवरढुळाबेरी।। ॥ ॥ ॥ ॥ ॥



ایضا

۵۸



پیاری جی مان نہ کیجی اب سبی

سکھی بیکہ کیشو تم کارن
تم ربی بنا مشق کو کل نا پرت ہی
تین لوک کو بی نہین توسم
واس مہتاب کی ہتیا لیو جو ربی

بنتی کرت ہون کب سبی
پریت برائی جب سبی
رچنا رچی ہی تب سبی
یہہ بر مانگت رب سبی

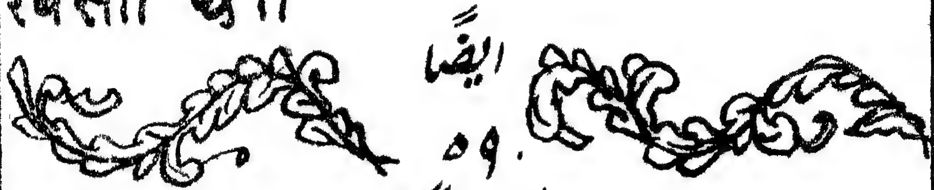
॥५८॥

॥ प्यारीजीमाननकीजेअबसे॥

।।बीनतीकरनहुंकबसे

रहेतीना मोकाकछलनकतन है। मीलनउ ईजेबसे
तीनलोककोइन हीतुमसा मारसवारसीहै नबसे
दासमहेताबके ीयाबसाजोडी।।यह्व मांगन
रबसे।। ५९ ।।

ایضاً



٥٩.

بتیان اب نا کرو نگی پیا تم سی

جاؤ جاؤ جہان رین گنوا ئی	را ٹر کرت کیون ہم سی
ایسی چترا ئی نہرا ئی کہان سیکی	لاج نہین کو کرم سی
آ ری مہتاب پیا سی کیئو	اُٹھا ؤ نہ جات مرہم سی

।।-९।।

।। बती॒ ।।अबना॒ रूंगीपाया॒ मसे।।

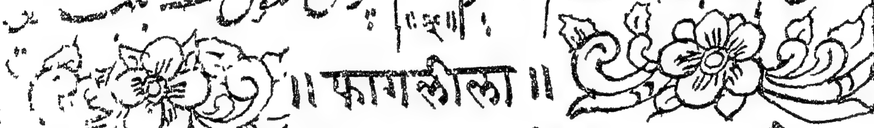
जावोजावोज्या ॱरैनगंवाई।।राडक तंक्येहमसे।।
रासीच्येलराईनीठुराईकांहांसीकी।।लाजनहीकोर
रमसे।।आरेमहेताब ीयासेकहीबो।।धावनःजात
मरहामसे।। ६०।। ایضا

٦٠.

جاؤ جاؤ جہان رین گنوائی | سنت ظالم مرا ری

من جو اچانک آئی کھیلن کو
[illegible] نگ وارے انگیا جن پھاڑو
انگیا ہماری [illegible] ورپے
[illegible] گال [illegible] ملت مکھ او پر
کیا کر [illegible] کہاگت سجنی
[illegible] پرت [illegible] پنسیان
ہم ہاری جیتی تم [illegible] کانا
دامن [illegible] شام شاما [illegible]

نہیں کوئی سکھیاں [illegible]
[illegible]
[illegible] موہت [illegible]
نہیں مارت [illegible]
نہیں [illegible] مارت [illegible]
[illegible]
[illegible]
چرن کنول [illegible]



॥ फागलीला ॥

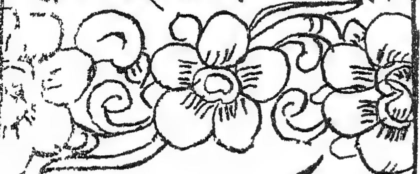
[illegible] मोरी पगरा रखो गिरधारी ॥ [illegible] ॥
मैं तो [illegible] आई खेलन को ॥ नहीं [illegible] री
[illegible] आंगिया जोनफाड़ [illegible] री ॥
आंगिया फाड़ी बईया मरोड़ी ॥ तुम हो नीपट अनारी ॥
अबीर गुलाल मलत मुख ऊपर ॥ [illegible] री ॥
[illegible] कहा गत सजनी ॥ नहीं छोड़त [illegible]
हा हा करत पड़त हूँ पैंया ॥ राधा [illegible] री ॥
हम हारि जीत तुम कान्हा ॥ अब मोहि [illegible] री ॥
[illegible] श्यामा पर ॥ चरन कमल बलिहारी ॥

[illegible] جن بار و پچکاری — بھیج گیٔے تن ساری
[illegible] پرس پر بلہل — جاؤں تیری بلہاری
[illegible] آئی کنور کسوری — اُت سی نول دولاری
[illegible] ایک بار سب سکھیان — پکری کنج بہاری
[illegible] مکٹ اور مرلی پتامبر — پہراتی منج ساری
[illegible] بہال ابوسن امبر — نکھ بیسر یک بہاریا
[illegible] نین دی او یک سندر — متین مانگ سنواری
[illegible] بے تاری تخاوت ناری — کیسے بنی ہو مراری
[illegible] گلال اور قمقمہ رنگ کی — نارت سب برج ناری
[illegible] کر چکاو اون کی — ممن برکھہ بہان ولاری
[illegible] سب [illegible] اوہایا — بلہاری گردہاری

॥६१॥

लालमोहे [illegible] री॥ [illegible] री॥
खेलो [illegible] री॥ [illegible] री॥
ईतसे आई कुंवरी [illegible] री॥ [illegible] री॥
धाई एकबार सब सखियां॥ पकडे कुंजबिहा री॥
छीनमुकट और मुरलीपीतांबर॥ पहरा[illegible] री॥
बिंदीभाल आभुषण अम्बर॥ नखबेसर यक भा री॥
काजलनैनोंदियोएकसुंदर॥ मुतीयनमांगसंवारी॥

लारिनचावतनारि ॥ कैसबनेहोमुरा — रि ॥
और गुलाल और कुमकुमे रंगके ॥ मारतसबब्रजनारि ॥
कसर चुकावारीनकी ॥ मैब्रखभानदुला — रि ॥
समहेताबअरीराधापर ॥ बलिहारीगिरधा — री ॥





قصا ۵۲

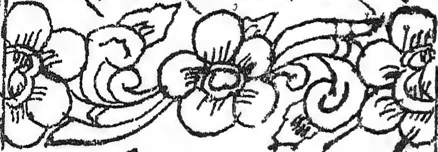
مین تو اب نا کہلون گی ایسے ہوری
کہا کت کینی — موری
ابیر گلال ملو چہین — پر —
اپنی سی کر — چہوری
بہر پچکاری گچن پر — ماری
بیچ بیگئے تن — ساری
اب کی بار چہیڑ وست موہن
گاری دین ہون جہک جہورریا
رنگ مین بہری متوالی بنی ہون
اور بہی ہون — بوری
پہگوالونگی جانی نہ دو ونگے
کر بولا کہہ سرہ جوری
بلہاری مہتاب سر ہی ہری
چرن جیب رہو جو ری

॥६२॥

मैतोअबनाखेलुंयासेहोरी ॥ कहा...मोरी ॥
भरी...पर ॥ अपनीसीकरछोडी
भरी...पर मारि ॥ भी...रि ॥
अबके...॥ गारीदेहुं मैकझोरि ॥
रंगमेभरीमतवालीबनीहुं ॥ और...री ॥

फ...गवालेऊंगीजानदेऊंगीकरोलाखबरजोरि ॥

बल्हरीमहे ताबश्रीहरी ॥ चिरंजीवरहो जो री ॥





ایضاً ۶۳

رنگ کہیلو دلدار سی
رنگ دار و پچکار سی
پہگوا لیوا و س پار سی
کان ملی سب نار سی
ناچین ہے گلے مل پیار سی
تن من وارین لاڈ سی
توڑو موہ سنسار سی

ہوری آئی دیکہو بہار سی
ابیر گلال کی بہر بہر مٹھی
بہر پچکاری مکہہ پر مار و
اوڑت گلال لال بہی بادر
سب سکیان جب ہوری گائین
رادہا کرشن جگل جوڑے پر
داس مہتاب ہری گن گایو

॥६३॥

होरी आई देखो बहारसे ॥ रंगखेलो दिल्दार से ॥
अबीरगुलालकी भरभर मुट्ठी ॥ रंग डारो पिचकार से ॥
भरपिचकारी मुखपर मारी ॥ फगवा लेयो उसपार से ॥
उडत गुलाल लाल भये बादर ॥ कान्हा मिले सब नार से ॥
सब सखियां जु रहोरी गाईं ॥ नाचें गले मिल प्यार से ॥
राधाकृष्ण जुगल जोडीपर ॥ तनमनवारें लाड से ॥
दासमहिताब हरी गुनगावो ॥ तोडो मोह संसार से ॥



ایضاً ۶۴



ایسی کہیلاڑی سے نا کہیلون ہو کہ گاری دیت ہے لاکہن مین

گاری کی گاری ٹونا کو — ٹونا ۔ پران لیت ہے یا تن مین
بہیان پکڑو مورا مکہہ پیرت ہے ۔ بہر پچکاری ہاتہن مین
ملت گلال کچن کے — اوپر ۔ سدہ نا رہت ہے یا تن مین
کہا چہب برنون نندلال کی ۔ دمکی دامنی وا تن مین
داس مہتاب کنج گلین مین ۔ بہکوا لیت ہے اتن — مین ॥६४॥

ऐसे खिलाड़ी से नाखेलु ॥ मोहगारी देतहै लाखन में ॥
गारी की गारी टोना काटोना ॥ प्रानलेतहै वा तन में ॥
बहिंयापकड़ मोरामुखमीड़तहै भरपिचकारी हाथनमें
मलत गुलाल कुन्चनके ऊपर ॥ सुध नारहतहैयातनमें
कहा छबिबरनों नंद लालकी ॥ दमके दामिनी दांतनमें ॥
दासमहिताबकुंजगलियनमें ॥ भवबालेतहैरातनमें ॥




ایضاً ۶۵

لالہ مین توکیسی کہیلونگی ہوری ۔ رنگ دارت سر اجوری
بہیان مروڑی گالی — دینی ۔ تم ہو نٹے — کہیلاڑی
ہاتھ وار انگیا موری پہاڑی ۔ گلال مارت پہر — چہوڑی
نینن مین مارت — پچکاری ۔ تم ہو نیٹ — اناڑی
بہر بہر گاگہر رنگ کی دارت ۔ انگیا ان بیچ گئے — ساری

رنگ گلال کی تقمیہ مارت — کانا کرسن — مراری

داس مہتاب دیکھ چھب نرکت ॥٦٥॥ گردھر کے — بلہاری

लालामैंतोकेसेखेलोंगीहोरी ॥ रंगडारत बरजोरी ॥

बैयामरोरीगारीदीनी ॥ तुमहोनयेखीला ——— ड़ी ॥

हालडारअंगीयामोरीफारी ॥ गुलालमारतभरझोरी ॥

[illegible] मारत पीचकारी ॥ तूमहोनीपटअना ——— री ॥

भरंभरघागररंगकीडारत ॥ अंगियाभीजगईसारी ॥

रंगगुलालकेकुंकुमामारत ॥ कानाकृष्णमुरा ——— री ॥

दासमैहताबदेखछबनिरखत ॥ गीरीधरकेबलहारी ॥




ایضاً ٦٦

آج نند لال سنگ کھیلونگی ہوری — لوک لاج سب چھور ہی

کیسر رنگ کی بھر بھر گاگر — گلال لیہوں بھر بھر جھوری

آپ ہی پکرین گردھر — سکو — کوئی سانول کوئی گوری

مرلی مکٹ پیتامبر چھینو — پیر اویچ ——— ساری

نندہی بہال دی اونکے پیر — متین مانگ سے سجوری

بھگوڈ لی او چا دینہ دیے او — سب متوالی ——— شوری

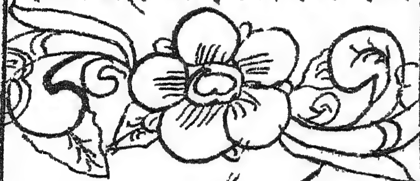
چھبیرن کی لی اوکھسر سب — وادن کیسو ٹھگور نیا

آو گہر تی سنگت کیہوں کانا — جاوون تیریا - بلہاری

داس مہتاب جان کے گردھر — سکہیان مہتور - چوری

॥६६॥

आजनंदलालसेंरवेलोंगीहोरी॥लोकलाजसबछोरी॥
केसररंगकीभरभरघागर॥गुलालकेंकुंभरझो री॥
अबोसखीपकडेंगीरीधरको॥कोईसांवलकोईगोरी॥
मुरलीमुकटपीतांबरछीनो॥पेरावोनिजसा री॥
बींदीभालदेवोनखबेसर॥मूतीयनमांगसजो री॥
फगवालेवोजाननदेवो॥सबमतवालीबनो री॥
चीरहारएकीलेवोकसरसब॥वादीनकेसोठगो री॥
आवोरवेडसुकूचतकेवकाना॥जाऊंतेरेबलहा री॥
दासमहताबजानगयेगीरीधर॥सखीयांमतोरच्योरी॥

ایضاً ٦٧

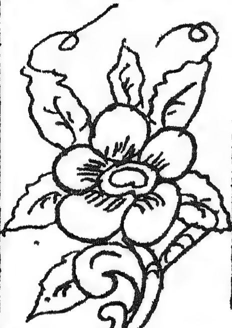
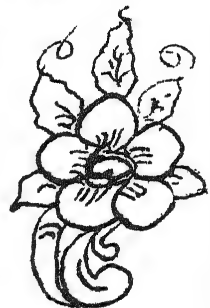
آج موری ساہری پی بنیاں آج وری — مین تو نا کہیلونگی بہور کیا
پہر چکاری کہہ پیار ت — کینی میری مت بوریا
ہات وار انگیاں موری پیاری — لاج کی ماریے مروں ری
ملت گلال کپول لال سینے — نینن ابیر بھرو ری
واس مہتاب گرسن کا نا سے — ہاری کہت کر جوری




॥६७॥

आजमोरीसांवरेनेवेयामरोरी॥मेंतानारवकुंगीहारी॥
भरपीचकारीमूरवपरमारत॥कीनीमेरीमतवो री॥

हातडार अंगीयामोरीभारी ॥ लाजकीमारीमरूं री ॥
मलनगुलालकपोललालभये ॥ नैननअबीरभरो री ॥
दासमहेताबकृष्णकानासे ॥ हारीकहतकरजो री ॥

ایضاً

٦٨

مین تو ناہین کھیلون واسی ہوری

ہاتہہ وار اجرا مورا پہاڑا — اور کینی برا ـــ جوری
ملت گلال گچین کے اوپر — کیا گردن ری گوری

نہین مانت بنوار ری

تک تک مکہہ مارت پچکاری — اور میری بیّان ـ مروری
ایسی لالہ سے نا کھیلون مین — نلین ابیر ـــ بہروری

دہیر کیسکے دہرون ری

ات اوت آیی گوال سب گہرگی — کروینی موہ ـــ بوری
لی لیا مٹکی رنگ کی ڈارت — اپنی سے کر چہوڑ ری

مرون مین لاج کے ماری

ہاتہہ جوڑ بنتی بہو گنیے — ایک سنی نا مور ری
ملت گلال کپولن کے اوپر — ایسے کہلاڑی سسی ـ ہاری

کہاگت کینی ہماری

چهیل چهبیلی کنور — راو کا | کاناں نول — کشوریا
داس مهتاب شام سیا پر | بار بار — بلہاریا
ور سن دی او گرو هاری




॥मैतो नाहीखेलूं थासेहो री॥

ह्मनकार अन्धेरा मोरा काडा॥ औरकीनीबरजो —— री॥
मलत गुलाल डूं चनके उपर॥ कैसा करूं री गो —— री॥
॥नहीमानतबनवा —— री॥
लक लक भूरख मारत पी चकारी॥ औरमेरी बैंया मरोरी॥
औसेलालासे नाखेलूं मैं॥ नैनन अबीर भरो —— री॥
॥थीर्कै से केभरोरी॥
इतउत आय ग्वालसब घेरे॥ करदीनी मोहे बो —— री॥
लेले मटकी रंगकी डारत॥ अपनीसी करछो —— री॥
॥मरूं मैं लाजकी मारी॥
हात जोड बिनती बहू कीनी॥ येक सूनीनामो —— री॥
मलत गुलाल कपोलके उपर॥ औसेरिबलारिसेहारी॥
॥कानात कीनी हामारी॥
छैल छबेली कूंबर राधीका॥ कानानवलकी शो री॥
दासमहताबशामशामापर॥ बारबार बलहा —— री॥
॥हसंसन्दे बोगीरधारी॥

٧٩

آج پیا بلم رہی کنجن ـــ مین

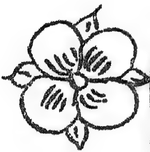
ساری رین موہ تلپت بیتی — نیند نہیں نینن ـــ مین
جاؤ سکھی سے لیو پیا کی — ڈھونڈو کہیں کنج بن مین
گوکل سب بندرابن ڈھونڈی — ڈھونڈ پھرے ما دھوبن مین
داس مہتاب سری رادہا کو — چین نہیں ہی من ـــ مین

॥ ६९ ॥

॥ आजपीया ॥

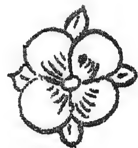
सारीरैनमोहे तलपतबीती ॥ नींदनहीं ॥
जावोसखीसू धलेवोपीयावी ॥ धूंडो कहीं कुंजबनमें ॥
दाबनधूंडी ॥ धूंडफीरीमाध ॥
दासमहेताबश्रीराधाको ॥ चैननहींहै मन ——— मे ॥

हिंडोलालीला



ہندولا لیلا

ہندولا جھولت گردہر راج



چندراولی اسا کہا ـ للتا — رادہا جھولاوت ـ آج
سکھیا بر نوخیب نندلال کی — کیسو رچے ـ سماج
رتن جڑت گونبو ہنڈولا — [illegible] ـــ ساج
داس مہتاب جھولات سکیاں — [illegible] سری رادہا برج ـ راج

॥७०॥

॥ हींडे [illegible]गीरधरराज ॥

चंद्र[illegible]बीसाखा ललता॥राधाझूला- तव्राज॥
काह्नबरनू [illegible]लकी॥कैसारचौ.समाज॥
रतनजतकाबनोहैहींडोला॥मूतियनक[illegible]॥
दासम[illegible]लावतसखीयां॥श्रीराधाब्रजराज॥

ايضاً

ہنڈولا مین کیسے جہولونگی — نہین چہارت بنواری
سنگ کی لبکہی سب جات ہندرابن — چلوجی چلو گردہاری
قدم کی ڈاری ہے وہی ہنڈولا — پہول رہی پہلواری
رم جہم رم جہم برست مہیا — کوکت کوئل نیاری
واور مور پپیا بولت — جہولت پیا پیاری
کبہی جہولاوت شام نویلی — کبہی بر کہے بہان دولاری
واسں مہتاب نہ کہے جہب — بار بار بلہاری

॥७१॥

हींडोलनामेकैसेंझूलोगी॥नहीछाडतबनवारी॥
संग[illegible]सखीसबजातबिंद्राबन॥चेलोजीचेलोगिरधारी॥
कदमकीडारीपरोहेहींडोला॥फूलरहीफूलवारी॥

रूमझूमरूमझूमबरसतमेहा॥कूकतकोयलन्यारी॥

दादरमोरपपैयाबोलत॥झूलतपी ग [illegible] री॥
कभीझुलावतशामनवेली॥कभीव्रखभानदुला री॥
दासमहताबनीररवछेब ايضًا ٧٢ दोउ॥बारबारबलहारी॥

دیکھو ری ہنڈولا آج بندرابن
چلو ری چلو جب نرکھی پیاری | شام سندر سب پورن گن
جھولت کان جھوا ارت پیاری | جہانکی آنسو کی لیو درسن
منگل گات بجات سکھی سب | رنگ رنگیلی بھندر جوبن
داس مہتاب شام پیاری | کرو نچھاور تن من دہن
॥٧٢॥

देखोपरीहिंडोलाआजब्रीदाबन

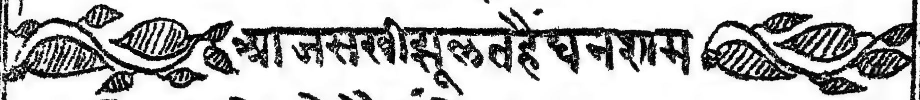
चलोरीचलोबनीरखपीयाकी॥शामसुंदरसबपूरणग ण॥
झूलतक [illegible] री॥झांकी [illegible] कीलवोदरश ग
मंगलगातबज्यार सखीसब॥रंग गलीभरजो न॥
दासमहताबशामप्यारीपर॥करोनीछावर तनमन धन॥

ايضًا ٧٣

آج سکھی جھولت مین گھنشام
اگر چندن کو نبوصی ہنڈولا | پھولن کو سب کام

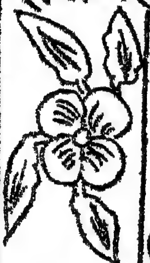
ہل مل جھولت پیا پیاری — جھوکا دیوت — سا م
ویت اسیس جگل جوری کو — برج کی سندر — با م
داس مہتاب کرسن رادھا کو — رٹت رہو نج — نا م

॥७३॥



आजसखीझूलतहैंघनशाम

अगरचंदनको बनोहैहींडोला॥फूलनकोसबकाम॥
होलमीलझूलतपियाप्यारी॥झोकादेवतश[illegible]म॥
देत असीसजूगलजोरीको॥ब्रजकोसुंदरबा[illegible]म॥
दासमहताबकृष्णराधा को॥रटतरहोनि[illegible]है॥





ایضاً

آج پیا کو جھولاوت پیاری جی

چلو ری چلو برسانی جے نین — جھولت کنج بہاریا جی
رتن امول کو بنو ہی ہنڈولا — داری لگین جڑتا ری جی
نہنی نہنی بندیان مہیا برست — پھول چلت چوپوا ری جی
امواکی ڈار کو یلیا بولت — کھٹک رہی کھلوا ری جی
نہنی نہنی جھوکا دیت سکھی سب — ہنس ہنس دیت تاری جی
داس مہتاب جگل جوری کو — نرکھ نرکھ بلہیاری جی

॥७४॥

आजपीयाकौझुलावतप्यारीजी
चलोरी चलोबरसानेजोतहै॥झूलतकुंजअटारीजी॥

रतनअ[illegible]बनोहैहींडोला॥डोरीलगीजरतारीजी
न्हीनन्हीनेबूंदीयामेहाबरसत॥पौनचलतचहूंओरी जी॥
अंबुवाकीडारकोयलीयाबोलत॥म्हेक रहीफूलवारीजी
भीनेभीनेझोकादेतसखीसब॥हसहसदेदेतारी जी॥
दासमहताबजूगलजोरीको॥नीरखनीरखबलहारीजी



۷۵

آج سکھی جھولت کنج بہاری

رتن سنجگت ہنڈولا سوہے	سنگ برکھبہان دولاری
شام گھٹا رادہا بجلی سی	سب سکھیان پھلواری
بوندن بوندن میہا برست	پون چلت جھنکاری
جھوٹی چھوٹی جھوکا دیت بساکھا	جھولت مدن مراری
کبھی رادہا کبھی سام جھولاوت	ہل مل پیا پیاری
چیدپوان دیو سب آیے	ہیر سمن بھی بہاری
داس مہتاب سام شاما پر	ہوت سدان بلہاری

॥७५॥

आजसखीझूलतकुंजबीहारी

रतनसंजुगतहींडोलासोहै॥संगबृखभानदुला री॥
शामघटाराधाबीजलीसी॥सबसखीयांफूलवा री॥
बूंदनबूंदनमेहाबरसत॥पोनचलतहितका री॥

…धमल्हारगातब्रजबोतां॥ चंद्रावल ललता —— री॥
छोटे छोटे झोकादेतबीसारवा॥ झूलतमदनमुर —— री॥
कभीराधाकभीशामझूलावत॥ हीलमीलपीयाप्या री॥
…डावीमानेदवसब आये॥ भीरसूरनभईभा —— री॥
…समहताबशामशाम्पर॥ होतसदाबलहा —— री॥

ایضاً



۷۶

ہنڈولی جہولت شام پیاری

سونا چکر گردا — براجت	سور سکٹ پر — باری
گل متین کی مال — براجت	کندل کی — چھب — نیاری
کہا بر نو چھب بانکی لالہ کی	ویسی ہی منول — وولاری
گوٹ رہی سبہی سوت پکہاوں	اوپیا کون — بچاریا
تال ار ونگ بجاوت بنیا	آت پیر بین — للتاریا
گاوت راگ بہار سکہی سب	ناچت وہی وہی — تاری
کوئی سکہی عطر ابیر ارگجا —	کوئی سکہی ہار سنگاری
کوئی میوہ پکوان میٹہائی	کوئی لیئے کر — جہاری
کوئی کہلاوت بیڑہ پان پانکی	کوئی چھیر لیئے ٹہاڑی
بل جاوت مہتاب شام پہ	اور برکہہ بہان — وولاری

॥७६॥

हींडोलास्मूलतशामप्यारी

शरवचक्रकरगदाबिराजत॥मोरमुकटपरवा री॥
गलमूतीयनकीमालबीराजेत॥कुंडुलकीछबन्यारी॥
काःवरणूछबबांके ललाकी॥वैसीहींमवलदुलारी॥
कोटरबीशसीहोत नीछावर॥उपमाकोनबीच्यारी॥
तालमीरधंगबजावतबीना॥अतपरबीनललतारी॥
गावतरागमल्हारसखीसब॥नाचेतदेदेता री॥
कोईसखीईतरअंबिर अरगजा॥कोईसखीहारसींगारी॥
कोईमेवापकवानमिठाई॥ कोईलीयंकरझा री॥
कोईखीलावतबीरयांपानकी॥कोईचवरलीयठारी॥
जुगजावतमोहुताबशामपर॥औरवृखभानदुलारी॥

ایضاً ۶۷

تو برسس بدلیا وامبو ویس
جہان پیا کو — پردیس

چمکت بجلی ڈہرکت چہتیان
پیا چہائی — پردیس

کاری کوک سناوت پاپیہے
ہم جو گن کو — بہیس

کبہا سوتن بیدن ہہری
واہ سنا او — سندیس

دامس مہتاب پیا کب آ دین
اوجل ہو گئے — کیس

॥७७॥

नृबरस बरसीया बाहुदेस॥ जहांपीयाकोपरदे — स॥
अमनकी डारीजलो धरकत छतीयां॥पीयाछायेपरदे — स॥
काहेकूकसूनावतपापी॥हंमजोगनकोभे — स॥
कूबजासवतनवैरणह्वामरी॥ वाहेसूनाबोसंदे — स॥
रामनमहताबपीयाकबआवें॥उजलहोगयेके — स॥

کاری کاری گھٹا سوہانی آئی ۸۴ رم جھم رم جھم مینہا برسائی
دادر مور پپیا — بولیں مورا کوک — سنائی
امواکی ڈاریے پڑی ہے ہنڈولا سب سکھیاں جہت آئی
اپنی ری اپنی پیا سنگ جھولیں راگ ملار — گائی
ہمری پیا پردیس میں چھائی برکھا رت نا — لوٹائی
کہو جا مہتاب پیا سے رادھے اتک دکھ — رائی

॥७८॥

कारीकारीघटासोंहानीआई॥ रूमझुमरुमझुममेहाबरसाई
दादरमोरपपीया बोलैं॥ मोराकूककसुना — ई
अमवाकीडारीपडाहैहींडोला॥सबसखीयां जुडआई
अपनेरेअपनेपीयासंगझूलें॥रागमलारगा — ई
हमरेपीयापरदेसमेछाये॥बरखारूतनसुहा — ई
जायकहोमहताबपीयासे॥राधाअधकदुख — ई

سرسرسر جنم برائی سری [illegible]

سری [illegible] برکھ [illegible] مان [illegible]
گئیو پاکیپ [illegible] سے آئیا
پہاوو [illegible] سدہ آشتہ [illegible]
برسن آئی مہر گھٹی سنا [illegible]
سبھی [illegible] شند بہہ سب [illegible]
[illegible] ملوچھیر [illegible] لا [illegible]
گئی رنگ الوس [illegible]
[illegible] بر ہنسکی سیدن گتھو [illegible]
[illegible] میان انتار و تمیو [illegible]
[illegible] سن [illegible]
[illegible] جا [illegible] سن [illegible]
[illegible] سن [illegible]
[illegible] شام [illegible]

٧٩ سب سکھین سنتاج کجہ [illegible]
سری [illegible] من پیارے
جنم لی اود برسانی کستوری
جی جی گوٹ سب جی نناوی
ماچت گاوت وہی دہی [illegible]
سرکنجن سترکنول رتناری
چہیر سرنگ [illegible] پرجتا ریجی
رہی سندر گئوشن بلہاری
شام [illegible] دتنو [illegible] وت واری
تریو کی [illegible] سبھہ سداری
[illegible] ہم [illegible] بلہاری
[illegible] کی [illegible] گاری
بھگت وان مانگت یک بہاری

[illegible] श्री रा[illegible]

श्रीराधा[illegible] [illegible]

[illegible] आई ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

सूरकींनरगंधारप अपसरा॥नाचतगावतदेदेता री॥
चंदरमुखीचंद्रमालाजे॥खंजननेत्रकंवलरसना री॥
गोरअंग आभूशणनाना॥चीरमरंगलनपरजरता री॥
शोभावरणसकेनहीकोऊ॥रवीचंद्रकोटनबलेहारी॥
सबसखीयाअवतारदेवसंउर॥शामकूंवरपरहोबलबरि॥
तीनबसकीयेकृष्णकान्हासे॥त्रैलोकीकेनाथमूरा री॥
रासबिलासहुलासबहूकीनो॥कीलाअग्रंमारन्या री॥
ब्रजआनंदबैकुंठसपननही॥यहसूखकीराधाअधिकारी॥
दासमहताबशामराकारी॥भगतदानमांगतयकभारी॥

۸۰

آنند برکھ بھان آنند ات
برج کی بدھو سب لائیں بدھاوا
گاوت ہی پیارا - بجک
بستر اینک آرہو سب ناتا
ویت اسیس رنگ سر ...
داس مہتاب بخش ورنگ

پہلی کرے ہر کھے ... والی
باربار کیرت - بلہاری
ناچت گاوت بجاوت تاری
تارے ناچت دیوت بجھر تاری
ویوت سہی گگر نرناری
لوٹ رسیس ... کشوری
بہگتی ست - گال نہ ایسا

॥८०॥

जन्मबधाईराधीकाप्यारी॥मघटेयहब्रखभानदुलारी॥
आनंदब्रखभान आनंदअत॥बारबारकीरतबलहारी॥
ब्रजकीबधूसबलायिबधावा॥नाचतगावतबजावततारी॥

काहूमोतीहीरामानक॥तातमातदेवतभरथा ॥
बस्त्र अनेक अभूषणनाना॥देवलसब [illegible] ॥
देत असीसदेवसुरकीनर॥केरवरर जीयोशाम [illegible]शारी
दासमहताबनीछा[illegible]रमा [illegible]गल॥भक्तिसहेलव[illegible]ना॥सार

ایضاً

بدھائی برکھہ بہان کو دیجی ۸۱

جنم لیئو سری کنور دادُکا کا — تن من اربن — دیجی
چندر مکھی چندا سبی اُتم — کامدیو مکھہ — سیجی
سندرتاتی تین لوک کی — سب جی نچھاور — کیجی
کیا برنجہب کنور — نویلی — جو دیکھی سو — ریجی
سہی اُو دہار برکھہ بہان کیرتی — جو چہاہو سو — لیجی
برکھتوں تن امول اموالک — سہاگ بہائے — کیجی
چلو چلو لی چلو — بدہاوا — دیکھہ دیکھہ سکھہ لیجی
دانس مہتاب رس سنبر یں دہا — ھی امرت رس پیجی

॥८१॥

ब[illegible]न[illegible]दीजे

जन्मलीयोश्रीकं[illegible]राधीका॥तन[illegible]नअरपन[illegible]जे॥
चंद्रमुखी[illegible]म॥कामदेव[illegible]रवमी [illegible]॥
सुंदरताईतीनलोक[illegible]॥सबहीनीछावर[illegible] ॥
काहबर्णछव[illegible]बरनवली॥जोदेर[illegible]सोरी जे॥

मथउधारब्रखभानकीरली॥ जोन्हाहे सोली —— जे॥

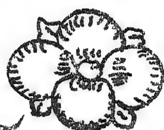
मथचेरतन ञामोल ञमोलक॥ [illegible] —— जे॥

चलोनचलोलेचलोबधावा॥ देखवेरव सूरवली —— जे॥

दासमहताबदरसश्रीराधा॥ है अमृत रसपी —— جے॥



بیتاک لیلا سکھیان



٨٣

آری سکھی پیا ناو ہت موروہیر

الیو سنی متھرا کو — سو ہیر	ات جاینگے — بیر
آئی اکرور سی — سندر اس	لاگو ... — تیر
گھڑی گھڑی پل پل چھن پت ...	پھر کس لاگو — سیر
کب جیو گی بن سدرسن —	کہا سنی بچھون ہیا پیر
کلسا بت سکت نین تا و ...	بکھرت ... بیلد — بیر
تڑپت ہوں کب کرو گی تمالی	الھیان چھوت — نیر
داس ... متیا ب ...	کب آو ین بل — بیر

॥८३॥

॥ अथबैनारालीलासखीयां॥

अरीसखीजीयानधन तमोगोधीर॥ ऐसीसुनीमथुराको मोहन॥भानजोगेवीर॥ आय अकुरसनीश्रीदावन कामो [illegible] भीर॥ परीसवी पलपल कलभा नरतहै॥ [illegible] नलागेशरीर॥ कैसीजीवोगीवीन मोहनके॥

काहांसे कहूंहीयापीर॥ करुनापरत मैं छीननादे बीछरत हलधरबीर॥ कहूं न कहूं कैसे आली॥ अरबीथा बहेवतनीर॥ दासमनहूंलाग्रमी देदुख के से॥ कब आवें बलबीर॥

ایقبا
۸۳





من سی موہ نہ پیاریو پیاری
تم بنا موکو کل نا پرت ہی
آری بدہ نا بچرت گردہاری
یہ جیون دکھ واسے ہم کو
پاپ تتی بچرن دکھ عالی
چھوٹت ہین ھم سی بواری
نکت کیون نہین پاپی جیورا
پہر صورت دیکہیرا او موہن
یہ ھی برانگت درسن دیگو

سب جگ کی اجیاری
بنا جل مین کنارری
نکسین نہ پران ہماری
آوی جو موت سکاری
جو یہہ جیئو سدہاری
اب کہو کون سماری
کیون ہووت دکھیاری
جب دی پیٹھ سدہاری
داس مہتاب یہ کاری

॥८३॥

मनसेमोहनेबीसारीयोप्यारे॥सबजगके उजीयारे॥ तुमबीनामोकोकलनापरतहे॥बीनाजलमीनकीनारे अरेबीधनाबीछरतगिरधारी॥नीकसेंना:प्रानह्मारे॥ यहजीवनदुखदाईहमको॥आवेजोमौतसका रे॥

पापमीटेबीछुरनदुखख्याली ॥ जोय: जीवसीधा रे ॥
छूटतहैं हमसेबनवारी ॥ अबकहोकोनसमा रे ॥
नीकिसत क्योंनहीपापीजीवरा ॥ केंहुहोवतदुखया रे ॥
फीरसूरतदीखराबोमोहन ॥ जैसेहेपीठसीधा रे ॥
यहीबरमांगतदरशनदेवो ॥ दासमहताबपुका रे ॥

ایضا



آری سکھی برج میں ودہو جی لی — سندیسا سری دہو کا لائی
چلو چلو سدہ ـــ ی اودیا کی — کہا ہوت ـ بور آئی
جبنا تیر ملیں سب سکھیان — اودہو جی نکٹ بولا ـ ئی
پوچھت کہم کسل کا نا ـ ے — کہوا اودہو من ـ بہ ائی
من اودہو جی پیت سنائی — لکھ لکہہ جوگ پٹھائی
لیجا او کبجا کو ـ دی و — جن اودہی ناچ ـ نچائی
ہم ابلا کیا جانے جوگ کو — دیو ـ جن من ـ اوبکائی
یک من ہمرو انکو سام سی — مانت نہین سمجہا ـ ئی
کہی او ملیں آئی گرودہر ـ کو — تپت بجھائی ـ بوجہائی
اودہو تپت مٹی تب من کی — مل جلیں نند کی ـ جائی
ساچی پریت دیکھ گوپن کی — اودہو جی بہت ـ لجائی
کہت تیمی مل ہیں گرودہر جو — پریم پریت گن گائی

داس مہتاب ملن کی آسا ॥ ۵۲ ॥ تا سے پران گہٹ سائی

अरीसखीब्रजमेउधोजीआये॥संदेसाश्रीमाधोकालाये
चलोचलोरधलेवापीयाकी॥काह्होतबबरा ये॥
जमनातीरमीलीसबसखियां॥उधोजीनीकटबुलाये॥
पूछलक्षेमकुशलकानाकि॥कहोउधोमनभा ये॥
सुनउधोजीपत्रसुनाये॥लीखलीखजोगपठा ये॥
ले जावोकूबजाकोदेवो॥जीनउन्हेनाचनचा ये॥
हम अबलाकाहजानेजोगको॥देवोजिनमनअधिकाये॥
येकमनहमरोअटकोशामसे॥माननहीसमझा ये॥
कहोवोमिलेंआयगिरधरको॥तपतनजायबूझा ये॥
उधोतपतमीठे तबमनकी॥मीलेहेनंदकेजाये॥सांची
प्रीतदेखगोपनकी॥उधोजीबहोतलजाये॥कहतनूम
मीलहेगीरधजू॥प्रेमप्रीतगुनगाये॥दासमहताब
मीलनकीआसा॥तासे ॥ आनघटमा ये॥

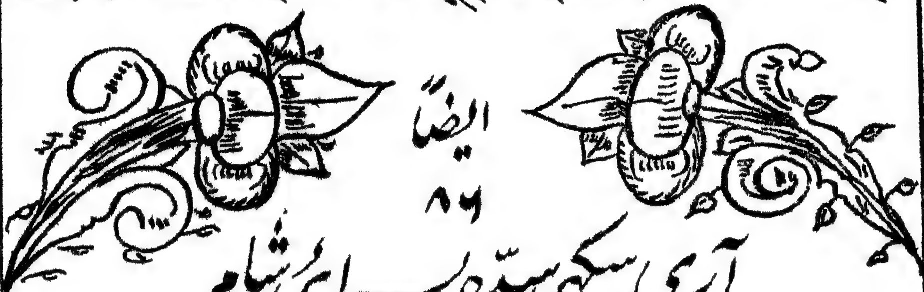
الصا

ہمیشہ یاد آتا ہر گھڑی گوکل وہ بندرابن
نہیں بہاتا ہی یہ ہمکو سوای مریا ونٹو
حقیقت برج کی جسوقت اودھو ہی ستی صحرا ئی

نہ خوش آتا ہے خواب خور نہ خوش آتا چمن گلشن
وہی صحبت وہی الفت گلے اور پیار سے ملنا
سدا ہی دل میں بستا ہے میری گلزار گوبردھن
نہیں جاتی ہے بھولی راس لیلا ایک گھڑی پل بھی
وہی گانا بجانا ناچنے کی ہے سدا ایک دھن
جدائی شاق ہے دل کو مگر وصلت ہے تیرے
گھڑی پل وہ ہی لحظہ اور سوق ساری دن
مزا الفت کا جو چاہو بجز تیت نہیں ملتا
اٹھا دو دوئی کا پردہ تو دیکھو صاف اپنی تن
اگر دو کچھ جدائی مہتاب دل کو دل سے نسبت ہے
کوئی دن ایسا ہوئیگا کہ خود ظاہر میں ہو درشن
॥۴۵॥

हमेशा यार आताहैहरघडी गोकुलवो:बींद्राब न॥
नहीभाताहै कूछ हमको सीवाय सैरमा धोब न॥
हकीकत ब्रजकी जी सब क्त उधोसेसूनी हम ने॥
नखूश आताहै खाबो खूरन: खूश आता चमन गुलशन॥
वोही सो:बत वोही उलफत गले और प्यारसे मीलना॥
सूदा मीदीलमे बस्ताहै मेरे गुरुजार गोबरध न॥
नही जाती है भूली रासलीला येक घडी पल भी॥
वोही गाना बजाना नाचनेकाहै सदा येक ध न॥

जुदाई शाक है शौल को मगर वस्ल से है वे: तर — है ॥
घड़ी पल पल यों ही है लख लखा: और शोक सारे दी — न ॥
मज़ा ढलफ: को जो चाहो बजूज़ फू: रक़तन हीं मीला — ॥
उठा दो दूई का परदा: तो देखो साफ़ आपने त — न ॥
करो — सबर आय म — शाल को शौल से नीसबत है ॥
कोई दीन ऐसा होवेगा के खूद जाहर में हो दरश — नू ॥



ایضاً

۸۶

آری سکھی سیدہ برائی شام

آو نکھی خبر نا — لینے
بس کر لینی موہن پیاری
کون جاپ کیری پی — کینو
یک جہری لبس کینے — کانا
پریت کری کیٹی نرونی سے
کیا کروں چین نہین جیا کو
ادوں سے ٹھہر اگئی گرو ہیر
داس عتاب کرو کچھو آپ

بسی گوبری — دھام
کبھا آٹھو — جام
تا یگے ہمین — گھنشام
جیون ہم کیا — کام
بہی جگت بد — نام
چھیری ہون بن — وام
سوتیلے بہیو تم گرام
ملین شام — بلرام

॥८६॥

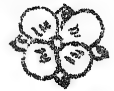
[illegible]सराथिशाम॥ आवनकहे बरमा [illegible] कुबरी धाम॥ बसकरलीनीमोहनप्यारे कुबजा आठोजाम॥ कोनजापकछुकरिनेकी [illegible] मोलघनश्याम॥ येकचेरीबसकीनीकाना॥ जीवनहम [illegible] ॥[illegible]लकरीकपटीनेरचेईसे॥ बहीजगतबदनाम [illegible] चैननहींजीयाको॥ छेरीहुंबीनदाम॥ जादीन [illegible] गीरधर॥ सूलीभयोममधाम॥ [illegible]समहतनाब करो कछुऐसा॥ मोले [illegible] श्याम बलराम॥

۸۶

سکھی ری کہا سے کہوں دکھ اپنا

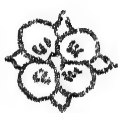
آپ تو جا ہی دور اکا بیٹھی
کیسی کٹھور بھی داس سے
جاوں سے موہ تجی ہماری
وہ بھی نام آدہا رجیون ہے
تم سے کیا رجھری ہمارے
لکھی للاٹ مٹی نہیں بدہ نا
بس من ہیں اب یہے لسبی
داس مہتاب چرن گرو کے

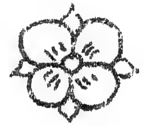
ہم کو لگا [illegible]
چاہت ہوں [illegible]
سکھ ہیات [illegible] سپنا
گھڑی گھڑی [illegible] اپنا
[illegible]
[illegible]
موہن موہن [illegible] سپنا
[illegible]



॥ सखीरी ... आपना ॥

आपतो जाय द्वारकाबैठे ॥ हमको ... ना ॥
कैसे ... यदासनसे ॥ चाहतहूं यहीलीख ना ॥
जादीनसेमोहनजेप्यारे ॥ ... ना ॥
वोहीनाम आधारजीवनहै ॥ घडीघडीपलपलरट ना ॥
ममकपारजोहरीआरी ॥ लीखलीखाहे जीत ना ॥
लीखीलकाटसीदिनहीनीधना ॥ जतनकरो कोईकीतन ॥
बसमनमेअवयहीबसत है ॥ मोहन मोहना जप ना ॥
... चरनगीरधर ... के ॥ हीयाम ... ॥





آئی پیا بن برہ کی ریتیان

ایسا کروں سکھی پیا تیت بسیے
دیکھت بین دو او دکھیان

عشق پیا بن چین نہیں من کو
نیر بہت دو او انکھیان

کوؤ پیرن نسکر لیت پیا کی
سب ہی لاگیں سر تیان

واسر بات بتا سب پیا کی عقل ہیں
کب کہین کچھ بتیان ॥८८॥

॥ आजीगीया मैहीलैन नहै मरतीगा ॥

कैसा करूं सखीजीया तरपतहै ॥ ... कतनेंहूं ... ॐ
कै लीयां ॥ बीनीरैन चैन नहीं मनको ॥ नीरवहूनदो
अखीयां ॥ कोई ... बस ... ॥ सखी ...

लाई सूरतीयां ॥ दासमहताब पीया कब मीलहे ॥ कबकरहे कछु बतीयां ॥

ایضاً



۸۹

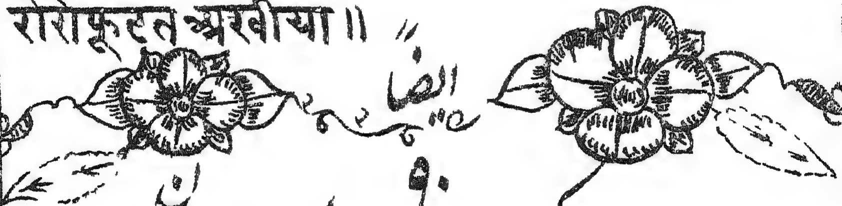
پیاری پیا کیسی کٹین ان رتیاں

جب سے گئے کبھی سدھ نا لینی — لکھ لکھ ہاری - پتیاں
گھڑی گھڑی پل چھن کل نا پرت ہی — یاد کروں تورے - بتیاں
لی لی سانس تڑپت ہوں لمبے — کر کر تورے - سورتیاں
کب آویں مہتاب پیا گھر — رو رو پھوٹت - انکھیاں

॥ प्यारे पीया कैसे कटे दीन रतीयां ॥

जबसे गये कभी सूध लीनी ॥ लीख लीख हारी पतीयां ॥ घडी घडी पल छीन कल ना परत है ॥ याद करू तोरी बतीयां ॥ लेले सास तरपत हूं लंबी ॥ कर कर तोरी सूरतीयां ॥ कब आवे महताब पीया घर ॥ रोरो फूटत अखीयां ॥

ایضاً



۹۰

اجی پیا کیسی بھولا ہمیں سوتنیاں

آویں کبھی رین چین نہیں جیا کو — بھر بھر آوت - چھتیاں

کیسا اب کروں کہا گت سجنی | کل نا پرت گئی - رتیان
پھولن پھول سیج بچھایے | تھکت تھکت نینن - انکھیان
او کہو مہتاب پیا سے | باری باری جاؤں کروں بتیان

۱۱ ایضاً

॥ आजी पीयाकि सीभूलाई सूरतीयां ॥

अधी बहीरैनचैन नहीं जीयाको ॥ भरभर अवत छतीयां कैसा अब करूं का: गत सजेनी ॥ कलनापरतगई र तीयां ॥ फूलन फूल सेजबीछाई ॥ तकतथकतभई अंखीयां ॥ अवो कहो म,, हताबपीयासे ॥ बारीबारि जाऊं करूं बतीयां ॥ ایضا

۹۱

چاندنی رات پیاری پیاری لاگی ری

کیا کروں ری سکھی کل نا پرت ہی | برہا ستاوتی موہ نیند جاگی ری
چن چن کلیان سیج بچھائی ری | پیا نہیں آئی مورو جیا دیتہ تاگی ری
ایسو کوئی جتن کرو میری سجنے | پیا دیکھ آوین مورو جیا دیکھیہ بیاگی ری
بار بار مہتاب پیا پیاری سے | اب نا بسار و جیا نرو دیتہ ہیاگی ری

۶۶

॥ चांदनीरातप्यारीप्यारिलागेरी ॥

केसाकरूंरीसरवी कलनापरतहै ॥ बीहसताबेमोहबीति रैन जागेरी ॥ चुनचुनकलियां सेजबीछाईरी ॥ पीयान हीआवे मोराजीयादेह त्यागेरी ॥ ऐसो कोई जतन करो

मैंरीसजनी ॥ पीयाडीगआवेंमोरेजीया सूखभागेरी ॥ बारबारमहताबपीआप्यारीसे ॥ आबनाबीसारो कांडो य होबामागेरी ॥

بارہ ماسی لیلا

۹۴

بہادون پہلا پاگ اشٹمی سو سب جنم لیٔے
برج چہورا سبے جہوم سکل بل منگل چار کیٔی
سنت خبر نندرا می مگن سبے آنند انسماتی
الکہی لیٔو وان پوربک ہمیت بہت دیٔی
بہادون پہلا پاک

۲ کنوار
کنوار ماس سنے گنیس رائی اتہہ جنم لیٔو
کہیان بان سب سدہ لبہرائی دسٹن منع کیٔو
آئی پوتنا آکا لکا سراسرن دکہہ دائی
کاگا سبے سی دیت بیکنٹہ دہام دیٔو
بہادون پہلا پاک

۳ کارتک
جمنا بہادون چلیں سب سکہیان الیہہ کاتک ماس
چیر ہرن اسب کیٔو کیٔو پوان کیٔے سب آس
گوبردہن نر انگری وٹہا او برج کو دیکہہ اداس
گرب ہرن اندر کو سنوا ورکہیٔو راس بلاس
بہادون پہلا پاک

۳ اگہن — اگہن ماس دو دو چرا اگر گوڈس کیئے ہا ای
گہاٹ باٹ میں روکٹ ٹوکٹ چل جمنا پانی
گنج گلن میں ہار نہیت دوما کہن گوین سیے
کہت گوپکا ... سنی تم نہیں کب دانی
پہادون پہلا پاک

۴ پوس — پوس ماس ... [illegible]
[illegible]
... پاس ... دور کہیو
... کوں ... کہت ...
پہادون پہلا پاک

۵ ماگہ — ماگہ میں رنگ بہم باگ اسرن مت کیو
نند نند لاون کی کارن اگر وہ بدا کیئے
جاہی کو بلیا گر کو مار دلی من جدہ کیئے
گئے ہس بہت سب بہرا تا ماری لیس پو خبر لیئے
پہادون پہلا پاک

۶ پہاگن — پہاگن نگ کہیا نگ کبی کینس آہی داسی
... دکہہ ... بہو نجا ... داسی
... ... بہت ... اتن سی پہاگن
بون پہیانت ... بندرابن آدبن ... پہاگ

بہادون پہلاپاک

۸ چیت

چیت ماس اُدھو جی آئی لکھہ سنیہے پاتی
لکھہ لکھہ جوگ پیٹ لئی ہم کہو بہاٹ نہ بہاتی
ہم ابلا کیا جانے جوگ کو دیو تجھا سو تیا
جن ہمری موہن بس کینی جوبن مد ماتی

بہادون پہلاپاک

۹ بیساکہ

لاگت ہے بیساک تپت بہیو انگ بھاری
جوگن بہیس کینی تم کارن دیکہو گردھاری
تپت مین بیاکل سب سکیان چین نہین منہین
آؤ تپت بجہاؤ گرو ہروا انل بہاری

بہادون پہلاپاک

۱۰ جیٹھہ

جیٹھہ ماس نار جے ائی مانگی ایک ناری
جہان نہین ہم محل اٹاری لی وہ ہی پیاری
جہان دیکہو تہان آپ براجت لاجت برہم چاری
ویسی ہے کرپا کرو برہین پر آؤ ایک باری

بہادون پہلاپاک

۱۱ - اساڑھ

اٹہا ماس جانسی دوار کات دکہہ ابجہ بہاری
داد رمور پپیہا بولت کویل ات نیاری
کاہی کوک سناوت بیرن ہم برہ مدماتی
جاہی کہو سندیس ہمارو موہن گردھاری

بہادون پہلاپاک

۱۲ سروان

ساون ماس ملن کے آسا سنو سکہی پیاری

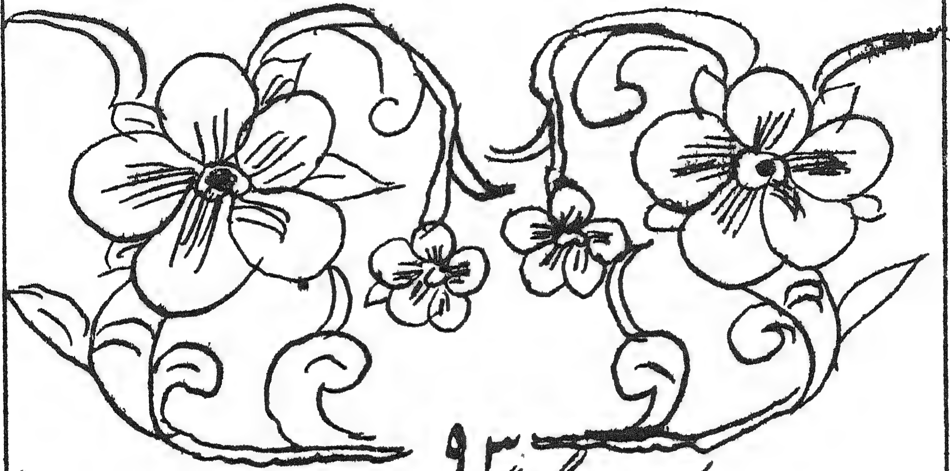
داران وار سندولی ڈارو آوین سنواری
جوہت لای گا لی چیت من سیے یہہ بارہ ماسی
داس خہاب پوریں آسا سو سن کر وہاری
بہادون پہلا پاک

॥१२॥

॥ बारामासीलीला ॥

भादोपहेलापाक अष्टमीमोहन जन्मलीये ॥ ब्रीज चौरासीभूमसकल मालमंगल आरकीये ॥ सूनत खबर नंदराय मगन भये आनंद उरन समाय ॥ लारवकीये गउदान पूरबक संपलब होतरीयो ॥ भादो भईपीक ॥ कुवार मास सुनीकंसरायनेमथुरा जन्मलीयो ॥ खानपान सब सूधबीसराई दुष्टनमतोकीयो ॥ आई पूतना अकाबकासुर असुरन दुखदाई ॥ कागासुरकेसीसेदेप तबैबैकुंठ धामरीयो ॥ भादोपेहलापाक ॥ जमना न्हावन चेलीसब सखीयां आयो कार्तमास ॥ चीरहरन रास बहुकीनो पूरण किये सबआस ॥ गोबरधन कर अंगुली उठायो ब्रीजको देख उदास ॥ गरबहरण ईद्रकोकीनो औरकीयोरासविलास ॥ भादोपेहलापाक ॥ अघनमास दद दूद चुराकर गोरसकीयेहानी ॥ घाट [illegible] ठोकहै जल जमुनापानी ॥ कुंज गलीनमे दानलेत दद मारवन गोपनसे ॥ कहत गोपिका आज सुने तुम नये भये दानी ॥ भादोपहला ॥ पूसमास सरदीभईभारी कंसको त्रासभयो ॥ कंबल फूल मंगवये नंदसो कालीधःसेकहो ॥ जमना धःसकालिको नाथानंद दुखदूरकियो ॥ लाखोंफूल पठवाये कंसको देखत धरनीपडो ॥ ॥ भादोपेहला ॥ माघमास रंगभूम बनाई अक्रूरजब साकीयो ॥

नंदसुतन लावनके कारण अक्रूरवीदाकीयो॥ जायकुबलीयाँगजको मारो मलनजु धःकीये कंस सहेत सबभ्राता मारे वसुदेवबखबलीयो॥ भादोपेहला॥ फागुन रंगकुबजा-संग खेले कंसराघरासी॥ यहदुख हमसे सहो न आवेतासेउदासी॥ सोलासहस्र आसपठ राणीतीनसे वेहाकीयो॥ कोनभांत वींद्राबन आवे झुरगले फांसि॥ भादोपेहला॥ चैतमास उधोजी आयेलीखभेजपाती॥ लीखलीख जोगधुल पेहरके पादत हैं छाती॥ हम अबला काह्याजाने जोगको देवकुबजासंवती जोनहमरे मोहन बसकीने जोबनमदमाती॥ भादोपेहला॥ लागतहीवैसाकतपतभई अंग अंगभारी॥ जोगन भेसकीने तुम कारण देखोगीरधारी॥ तडपतहैं व्याकुल सब सखीयां चैननहीं मनमें॥ आवोतम्र बुझावोगीरधर दावानलभारी॥ भादोपेला॥ जेठमास नारदजी आये मांगे येकनारी॥ जाहांनही हममहेल अटारी लेलोबोड़ीप्यारी॥ जाहांदेखो ताहां आपबीराजे तलाजत ब्रमचारी॥ वहसीकृपाकरो बिरहनपर आवोयेकबारी॥ भादोपेला॥ आशाढ मास जाबसेद्वारका दुखउपजो भारी॥ दादरमोरपपैया बोलत कोयल नन्यारी॥ काहेकूकसुनावतवैरणहमेंअह्यमदमाती॥ जायकहो संदेस हमारो मोहनगीरधारी॥ भादोपेला॥ सावनमासमीलनकी आसा सुनो सखीप्यारी॥ डारो डारहींडोले डारो आवेबनवारी॥ जोहीतलाये गाये चीतमनसेय :बारामासी॥ दासमेहताब पूरेहैं आसामोहनगीरधारी॥ भादोपेहलापाठ॥ ७॥ ॥



۹۳

موکو چھانڑ گئی گردہاری
کیا کروں ری سکھی پیاری

آساڑھ ماس بدرا گھن آئی — چمکت بجلی نیاری
کویل کوک سناوت بیرن — سوچ کروں من بھاری
موکو چھانڑ گئی گردہاری

ساون ماس ہنڈولا جھولیں — آون کہی گئی بہاری
جا بسی کبری سوتن گھر — کنس راہی کی چیری
موکو چھانڑ گئی گردہاری

بھادوں اندھاری کیسے نہیں سوتے — ٹھاگت کٹا کروں ری
برہا ستاوت نیند نہیں آوت — اٹھ اٹھ کہت پکاری
موکو چھانڑ گئے گردہاری

کنوار ماس گنگت آئے — پتر دیو سنج کاری
آئیو دسہرہ سبھی سکھ مانت — ہم سکھ کون بچاری

موکو چھانڑ گئے گردھاری

۵

کارتک سکھی اب آئی دیوالی   دیت دیا سب - ناری
ہم رہی دیواری کینجا گھر جالی   شام تھان گھر باری
موچھانڑ گئے گردھاری

۶

اگہن ماس سردی بھی بھاری   پیاکل سب - ناری
تھرتھر دیہہ کمپت تیے نیاری   گھر بدہ جانیے ہماری
موکو چھانڑ گئے گردھاری

۷

پوس ماس اُت پالا پرت ہے   پیر انگ تیہے - نیاری
بدہ مائی مکھ بات نہ آوت   بھیروں بدہ گئے ماری
موکو چھانڑ گئے گردھاری

۸

رت بسنت ماگھ کو مہینا   چین نہ جیا دہری - ری
امواموری ٹیسو پھولے   پھول رہے نانا پھلواری
موکو چھانڑ گئے گردھاری

۹

پھاگن ماس سب ہی رنگ کھیلیں   گھر گھر پیا - پیاری
ابیر گلال کون پر ڈاروں   آئی نہیں شام - مراری
موکو چھانڑ گئے گردھاری

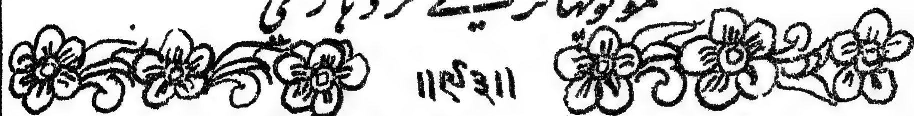
۱۰

چیت ماس چیت بیاکل ہے جے   گھام ہوت اَت بھاری
جیاجرت چھتیاں دہرکت ہیں   بجھانہ جات - بساری
موکو چھانڑ گئے گردھاری

۱۱

بیساکھ ماس جوگن بن بیٹھی   کیلی دہیر دہروں - ری
چین نہیں تلپت پل پل چھین   اپنی پیا کی - کاری
موکو چھانڑ گئے گردھاری

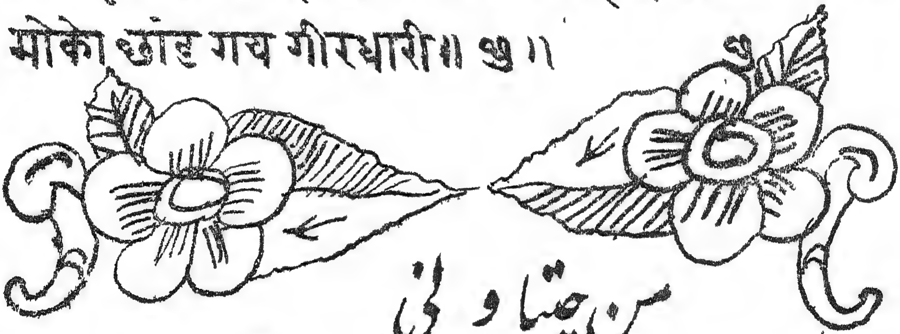
داس مہتاب جیٹھ کو مہینا آوین کنج — سہاری
تپت بجھی سیتل ہو جائی پکرین بہیاں پنہ — ہماری
مو کو چھانڑ گئے گردہاری



॥९३॥

मोको छांड गयेगीरधारि ॥ कैसा करूं री सखी प्या — रि ॥
आशाढ मास बदरा घन आई ॥ चमक त बीजली न्यो — रि ॥
कोयल कूक सुनावत बैरण ॥ सोच करूं मन भा — री ॥
मोको छांड गयेगीरधारी ॥ सरावन मास हींडोला झू — ले ॥
आवन कहे गये बिहारी ॥ जाय बसे कुबरी संग तन थ — र ॥
कैसराय की चेरी ॥ मोको छांड गयेगीर धा — री ॥
भादों अंधीय्रारी कछू नही सूजे ॥ कहा गत कैसा करूं — रि ॥
मेहा सतावत नींद नहि आवत ॥ उठ उठ कहत पुका — री ॥
मोको छांड गयेगीरधारि ॥ कुंवार मास कनागत आ — ये ॥
पातर देव नि :जकारी ॥ आयो दसेरा सभी सुख मान — ल ॥
हम सूख को न्यारी ॥ मोको छांड गये गीरधा — रि ॥
कारतक सखी अब आई दीवाली ॥ देत दीया सब ना — रि ॥
हमरी दिवारी कूबजा घर जागि ॥ श्याम तहां घरबा — री ॥
मोको छांड गये गीरधारी ॥ अघन मास सरदी भई भा — रि ॥
व्याकुल सब नरनारि ॥ थरथर देह कांपत है न्या — रि ॥
कहूं व धजाये समारि ॥ मोको छां[illegible]रधा — री ॥
पूस मास ईत पाला पडत है ॥ पीर अंग है न्या — री ॥
ब्रह्मा माती मुख बात न आवन ॥ फीरूं ब्रह्म कीमा — री ॥

मोको छांड गये गीरधारी ॥ रुत वसंत माघ को महीना ॥
नैनन जीया धेरी ॥ अमूवा मोरे के सुफूले ॥ फूलगई नाना फूलवारी ॥
मोको छांड गये गीरधारी ॥ फागन मास सबही रंग खेले ॥
घर घर पी थ प्यारी ॥ अबीर गुलाल कौन पर डारुं ॥
आये नही धनकुमारी ॥ मोको छांड गये गीरधारी ॥
चैत मास सीतल्या फूल सजनी ॥ घाम होत अत भारी ॥
जी था जरत छतीयां धरकत हैं ॥ बीज नान जात बीसारी ॥
मोको छांड गये गीरधारी ॥ वैसाख मास जोगन बनबैठी ॥
कैसे कै धीर धरुंरी ॥ चैन नही तलपत पलपल छिन ॥
अपने पीया के कारी ॥ मोको छांड गये गीरधारी ॥
दास मस्ताब जेठ को महीना ॥ आवे कुंजविहारी ॥
लपत धूसे सीतल हो छाती ॥ पकरें बाहें हमारी ॥
मोको छांड गये गीरधारी ॥ ७ ॥



من جیتا و لی

٩٤

منوا بھجن کرون دن راتی — کوئی نہیں تمرو سنگاتی
تات مات ست بندھو نا اپنا — کھات پیت کی ساتی
سو یا پراوت گنگا تر گئی — گات سا دیو بھاتی
سادھن کی من رام لسبت ہیں — سنگت کرو رنگ راتی
جو کچھ سبھی ہر نام نہ انکھیے — وہ کہہ پراؤ تاتی

سیوری اپنیا میران - بائی
رام نام کو ر اون لس بسرو
ایک لاکھ ست بند ہو گوا او
ایک بھیچن بات لوا او
منس دیہہ درلب جگ ماہین
اب کے بار جو ہو لی ہر کو
وا سے ڈرو ڈرو مت کا ہو
مایا کشیظہ ہر کی - پیاری
رنگ راگ اور کھیل تماشا
کام کرودہ موہ مد مچھر
جو ہر بھجی ہر ہی کو - پیارو
داس مہتاب چرن ہری مین لے

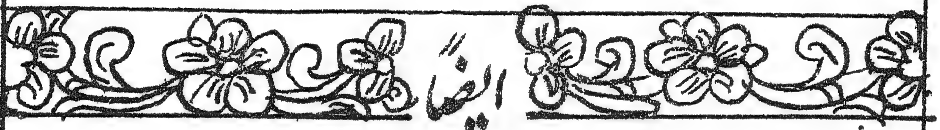
رات دیوس گن گا - یی
جن گھر دیا نہ - باقی
راج پات بہو - ناتی
پاوشیت - لی
بار بار نہین - آئی
جو ر اسی - پھر پائی
جوب کی گھٹ - بانٹی
مت بد شب کہو - جالی
ہر کہر ہی نیئے سیمئے - لائی
یہہ سب من کی - گھالی
مور کھہ ہو گم - ذالی
بھائی جسم کی چھا - لی

॥६४॥

॥मनचेतावनी॥

मनवाभजनकरोदीनराति॥कोईनहीतुमरोसंग। ती॥
तातमातसुतबंधुनाअपना॥रवातपीलकेसा ती॥
मुख्यापडावतगएकातीरगई॥गातसाधुबहुभा ती॥
साधनकेमनरामबसतहैं॥संगतकरोरंगरा ती॥
जोमुरवसेहारनामननीकसें॥वोहमुरवपडीयोमा ती॥
सोबरीआहीत्यामीराबाई॥रातदिवसगुणगा ती॥
रामनामकोरावनबीसरो॥जीनघरदीयानबा ती॥
येकलारवस्रुतबंधुगवांयो॥राजपारबहुना ती॥
येकबभीछेनमाछनवायो॥पायोसंपलहा ती॥
मनुशदेहदुरलभजेगमाही॥बारबारनहीआ ती॥

आनकीबार जोभूले हरको ॥ चौरासीफिर पा ती ॥
वासेडूरोड रोमतकौ हु ॥ जोसबके घर बा सी ॥
मायाकूरनीहारकीप्यारी ॥ मतबुदसबरबोजा ती ॥
रंगराग औररवेलतमाशा ॥ हारघड़ी नयेनयेला ती ॥
काम क्रोध मोह मद मछ्छर ॥ यह सब मनके घा ती ॥
जोहारभजोहारीकोप्यारो ॥ [illegible] सी ॥
दासमहेताब बेरणहारीमनके ॥ फाटे जमकी छा ती ॥



۹۵

آری من رادھا کسن کھوری

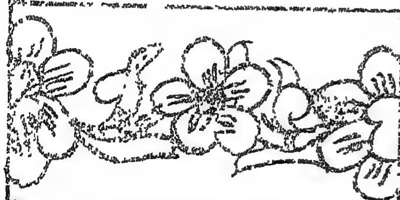
مات پتا ست بندھو کٹم سب — مایا کرو دہ تجو — ری
سکھ سمپت اور دنیا دولت — کوئی نہین منین — لجوری
یاد کرو وہ دن کی مورکھ — من ترنگ یہ سجوری
آٹھ پہر مایا کی ببتر — بیتی عمر ڈرو — ری
دو نوین کھوئی غفلت مین — اب تو بھجن کرو — ری
ناگرو سیوا بھگت دان کچھ ہو — بس اب ڈوب مرو ری
لکھ چوراسیے جنتو — جاہی — کرین کو نام — کھوری
یہ تن بہت کٹھن سی پایو — پاپ سے دو ربھور ہی
کہتا کبیر تن سنگت سادھو — سر چرنون سے لیے دھردری

داس مہتاب سرن چرنن کی   کرپا مجھ پر ہے کرو ہری

॥९८५॥

॥ अरेमनराधाकृष्णकहेरे ॥

मातपीतासुतबं[illegible]कोजो — रे ॥
सुखसंपत [illegible]नियारबलत ॥ कोईनहीमनबेकजो रे ॥
यारकरो बोह[illegible]सुरख [illegible]सजो — रे ॥
आठप[illegible]नर ॥ बीतीउमरडुबो — रे ॥
दोनो पनखोयेगफलतमे ॥ अबतो [illegible] — रे ॥
[illegible] ॥ बसआबडुबमबो — रे ॥
लखचौरासीजोतीनचाहे ॥ कृष्णकोनाम कहो — रे ॥
यहतनबहोतकठीनसेपायो ॥ [illegible] — रे ॥
कथाकीरतनसंगतसाधु ॥ सिरचैनापे[illegible] — रे ॥
दासमहेताबशरणचरणोंको ॥ कृपाथोरिकरो — रे ॥
॥ ७ ॥ ७ ॥ ३ ॥





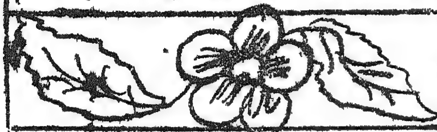
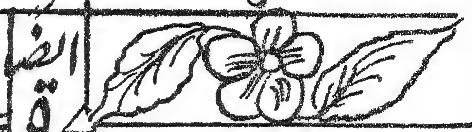
९६

غفلت چھوڑو میری بھائی
ساری عمر کھیل مین کھو - یا
بالا موہ بیر ناری - مین
نا کچھ دیا لیا - نا
کہت مہتاب ہجھ گر انا

ہو گی جسم کی - چرائی
نا کچھ شدہ - آئی
پریت تات اور ما - بھی
سب دن رین گنوائی
ہو گی نا تو - برائی

॥५६॥

ग़फलत छोडो मेरे भाई ॥ होगी जमोंके जुदा
सारिउमर खेलमे खोया ॥ नाकछु सुध आ
मायामोह पुत्रनारीमे ॥ और मा
नाकछु दिया लिया हरिनामा ॥ संबदिन रेन गमा
कहत महेताब भजो भगवाना ॥

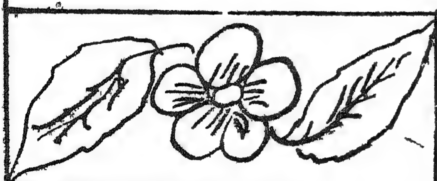
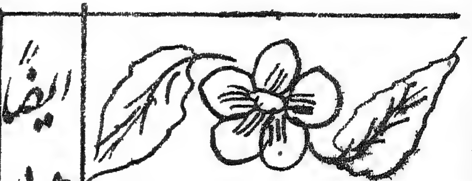
ایضاً ٥

جن جی مین اپنو ستدہ کیو
کہٹ ہین گنگا جمنا بیا پک
جو ہی جی مکہہ گرچرنن سی
جن کی من رگہنا تہہ بست
مہتاب پیا مین جنکے پیا

ان جی جسم راج کو جیت لیو
تیرت کو ان کریو ـ نہ کیو
وہ جگ مین رہ کی جیو نہ جیو
رس نام ہری کو پیو نہ پیو
ان رام کو نام لیو نہ لیو

॥५७॥

जीननेमन आपनो सुद्धकीयो ॥ उनने जेमराजको जीतलीयो ॥
घटमे गंगा जेमना आपक ॥ फीरती रथ मनकीयो नकी यो ॥
जोहे बेमुख गुरु चरननसे ॥ वोहा ॥
जीनके मनमे रघुनाथ बसत ॥ रसनाम हरीको पीयो नपी यो ॥
महेताब हीयामे जीनके पीया ॥ उन राम नाम लीयो नली यो ॥

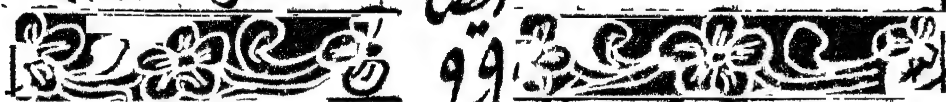
ایضاً ١٨

آز ہی من کوئی نہین اپنا میت

رام بھجا سو سہی جنیا

- بھائی بندست نار لتھ سب سب مطلب کی ہیت
- کھ میں کھیری پل یک چھن بارد شمرن کرو وہ - ہیتیکا
کام کرو و تجو سب - مایا بھجو رام اور سیتیا -
داس مہتاب بھجو بھگوانا ॥ ६८ ॥ جنم جاکت سب بیتیا -

आरेमनकोईनहीआपनामीला॥राममजाबनोहै जीता॥
भाईबंधुसुतनारकुटमसब॥सबमतलबकोहै ता॥
घडीघडीपलयकछीननाबीसारो॥ मरनकरोवाहे -
धनीका॥कामक्रोधतजोसबमाया॥भजोराम और
सीता॥दासमेहताबभजोभगवाना॥जेनमजातसब
बीता॥ ६८ ॥

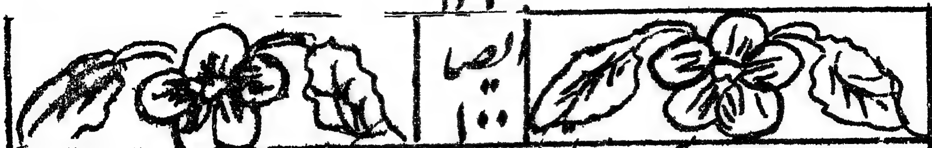


... کون کہو رے اپنا

دنیا دولت راج پاٹ سب دو دن کا سپنا
جسم و تن کو جیتیا چاہیے رام نام جپنا
مایا میں پر اپت یہہ ہو گا آخر نا ہی بکنا
داس مہتاب مہا سمیتہ ہی چرن ہری ہیٹا رکنا
॥ ६९ ॥

॥आरेमनकोनकहोरेआपना॥

दुनीयादवलतराजपाटसब॥दोदिनकासपनाजेमदु
सदेकाजीताचाहे॥राम नाम जेपना॥मायामेंप्राप्तयह -
होगाआखरसारेमिकना॥दासमेहताबमहासपते॥चरनहारमे
हीरे ॥ ६९ ॥

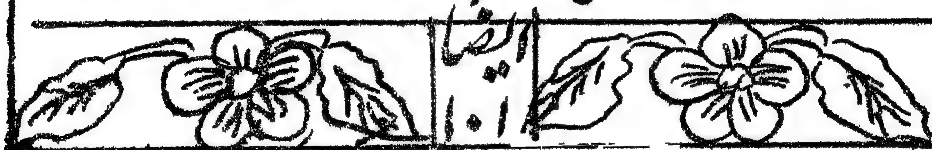


آری من تو کیوں بہوت گنوارا

رام بھجو نہ تجو پل گہہریے گو — کہولو کپٹ دوآرا
جاکی کیرتی کون نہ جانت — سب بہگتن کا پیارا
جو نر بکھہ نام سے ہر یکی — بہاگ ھین دکہہ پارا
داس مہتاب بہجا جن ہر کیو — جسم دونن کو مارا
॥१००॥

॥ओरेमनतुकैं होतगवारा॥

रामभजोनभजोपलघडीको॥खोलोकपटद्वारा॥ज्या
कीकीर्ति कोननजानत॥सबभक्तनकाप्यारा॥जो
नरवेमुखनामसेहारिके॥भागहीनदुखपारा॥दासम
हेताबभजाजीनहारिको॥जेमदोतनकोमारा॥७॥



آری من اب ایسی کیتی کروری

کہت سریر جیا کو ناگر — رام بیج دہرو ری
نیم دہرم کی موٹہہ نباو — کام کرود ہرو ری
مایا موہ بیل کر دواو — پریم کی دول بہروری
جیسے چتر رمو باغ پیا پیاری — سب سندیہہ تجوری
آو تم پیہہ کیتی سب دہم — سیتارام بجوری

داس عتیاب کرو یہیہ منترا ناتو ورب مرورسی ॥۱۰۱॥

॥ अरेमन अब ऐसी खेति करोरे ॥

खेत शरीर जीयाको नागर ॥ रामकोबीज धरो रे ॥

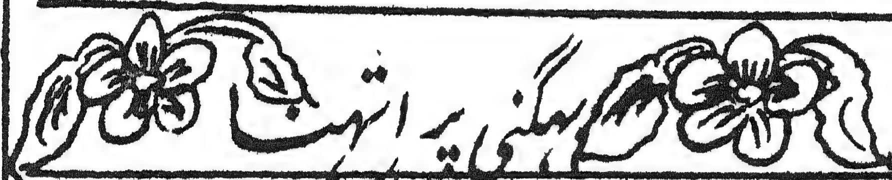
नेमधरमकी मोठ बनावो ॥ कामक्रोध हरो रे ॥

मायामोह बैलकरदोउ ॥ प्रेमके डोलभरो रे ॥

सिंचतरहो बागपीयाप्यारी ॥ सबसंदेह तजो रे ॥

उत्तमयह खेतिसबम ध्यम ॥ सीतारामभजो रे ॥

दासमहेताब करोयह धंदा ॥ नातोडूब मरो रे ॥



۱۰۲

پربھوجی مین تپت یک بھاری

تپتین مین مکپشل — کہلاؤن
پاپن کو — اوبکاری

رات دیوس مایا کی بہتر
پرییت پوتر اور — ناری

بال آو ستا کہیل گنواؤ
ترن نیند بہو — گاری

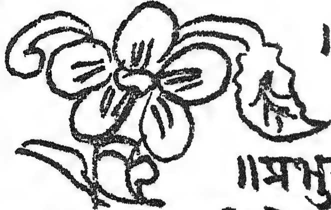
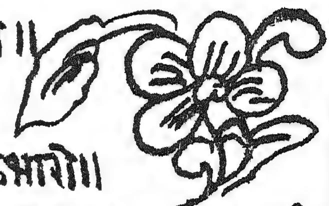
آیا پڑا یا عمر سب — بیتی
نابھجی کرسن — مراری

تینوپن کہوسی مایا — ین
کرپا کرو بن — واری

آجامیل سیوری سبی یا پی
جہوتی بیر کہا — تاری

تاری بیراں اور دور — پتتی
گنتی نہین — نرناری

جو تاری سب تری بہگت ہت — کہوت بید — پکاری
واس مہتاب مہا پاپے کو — تارو تو — بلہاری

॥भक्तिप्रार्थना॥

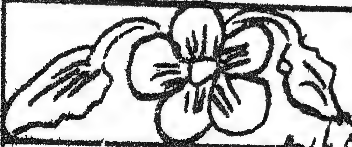
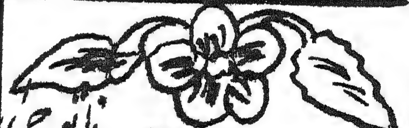
॥१०२॥

॥प्रभुजीमैपतीतनयकभारो॥

नाहरनामगुरूकिसेवानाकछुकियोसुभकारि॥पतीतलमे मुरव्या कहलाउ॥पापनको अधकारि॥गतदिवसमायाकेभी. नर॥मीतपुत्र औरनारि॥बाल अवस्ता खेलगंवायो॥तरू ननीद बहुगाडि॥आयाबुडापाउमर सबबीती॥नाभजेकृष्ण मूरारी॥तीनोपनखोयेमायामे॥कृपाकरो बनवारि॥अजामिल सिवरिसेपापी॥झुटेबेर खातारी॥नारिमीराऔरद्रोपदी॥गीति नहिनरनारि॥जोतारेसबतीरभक्तहिन॥कहेवतवेदपुकारि॥दासमह ताबमहापापीको॥तारो तोबलहारि॥ ॥

ایضاً

۱۰۳

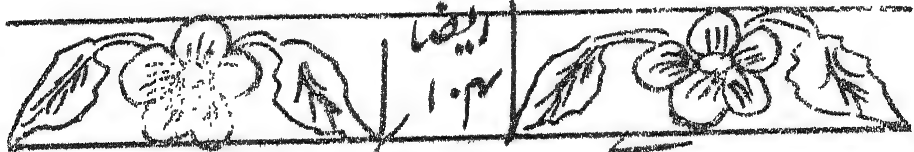
ناتھ جی اب کی بید معاف تارو

مین پاپی یک مہا — پتتی — میری اور — نہارو
سرنا گت کی لاج تمی کو — ہون تیست — ہٹیارو
اجامیل پاپے کو گینو — بہالنسی جم سبی — نیارو
بہگت دیو نج چرن کنول کی — جا سبی دوت جم ہارو

بہین سور کہہ سوچ سمجہکر	ناہا موہ مین پیار و
بیری کہو ن ون رین تمہار و	کام کرو سب جار و
جیہبت سرناگت آیو	گیو لوک پک وصار و
یک بت مہات سرہی ہری	کریا کر کے ادبار و

॥۱۰۳॥

॥ नाथजी अबके वेर मो हे तारो ॥
मे पापी वेद महापतीति ॥ मेरे उरनिहारो ॥ टे ॥
सरनागत कि लाज तुम्हि को ॥ हूं पतीत हत्यारो ॥
श्रजामील पापी को कीनो ॥ फांसी जम्मसन्यारो ॥
भक्त देवो निज चरन कंवल कि ॥ ज्यासे दूत जमहारो ॥
यह मन भृरख सोच समझ कर ॥ माया मोह भेप्यारो ॥
भजन करु दिन रैन तुम्हारो ॥ काम क्रोध सब जारो ॥
जो पतित सरनागत आयो ॥ गउ लोक पग धारो ॥
येक पती [illegible] हारि ॥ कृपा करके उवारो ॥



بہارجی اب پت رکہو موری

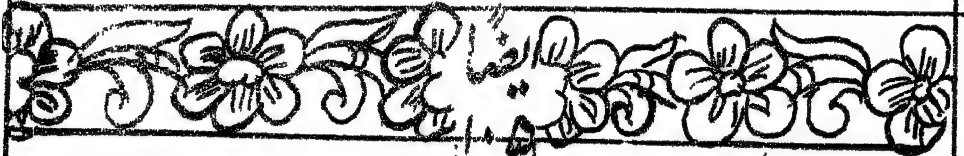
سرن آپ کی لاج بچارو	بہگت کرون نج توری
ناہا پی ستہ دیرا سے	داری موہ سے پیری
دہنا دولت مال خزانہ	رہی نہ ایک چہٹکی کوری
پیہہ سنسار اوس کو موتی	وہرت یون لکی بہوری

بالاپن سب کھیل مین کھو — یا ۔ بند جوانی ——— گھیریا
آیا بڑاپا دیکھہ کے — رو یا ۔ بدہ بھی تمت — بوریا
کہا کرون گت جا اون سوامی ۔ مایا جال بیے — گھیریا
داس مہتاب یہہ ہی چاہت ہی ۔ بہگتی کرون یک — تیریا

॥१०४॥

॥ बेहारिजी अबपतराखो मोरि ॥

शरण आयकिलाज बिचारो॥ भक्ति करों निजतो —— री॥
मायानिसुधबुधबिसराइ॥ डारि मोह किबे —— री॥
दुनिया दवलत मालखजाना॥ रहीनएकहि कव —— ड़ि॥
यहमंसारवोसकोमोती॥ धरतपवन लगेथो —— री॥
बालापन सबखेलमें खोया॥ नीदं जवानिघे —— री॥
आयाबुडापा देखके रोया॥ बुधभई मत बो —— री॥
कहाकरू कित जाऊं स्वामि॥ माया जालने घे —— री॥
दासमहताब यहि च्याहतहैं॥ भक्तिकरू येक तो —— री॥



گرو ہرو کرو د کہہ — میرا ۔ مین غریب ہون — تیرا
بابا جال موہ کی — بہت — ۔ اور کیا پاپ — گنیا
ہون میت تین کو نایک ۔ پار لگاؤ — بسیرا
نیان پار لگاؤ سرے ہری ۔ دین جان اور — جیا
دور کرو مہتاب کی — چنتا ۔ مہا سنکٹ نی — گھیرا

॥१०५॥

गिरधर दूरकरो दुःखमेरा॥ मैंगरीबहूं ते —— रा॥
मायाजालमाहेकभिलव॥ औरकिया पापघने —— रा॥
तुमतार जावनकोनायक॥ पारलगावोबे —— ॥

नइया पार लगावो श्री हरी ॥ दीन जान और चे रा
दूर करो महताब कि चिंता ॥ महासंकट ने घे रा

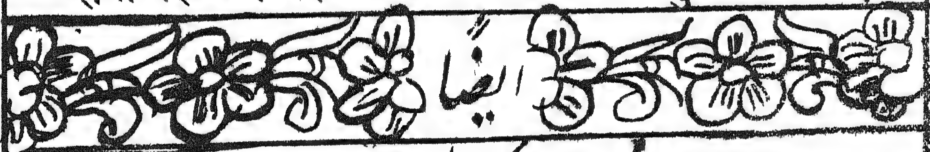


پربھوجی جب جانو پربھتائی

اجامیل دہند کاری مال کہا — تن سیے ہوں ادہکا یے
بنا بہگت تارو تو جا — نو پتتن بندہ — چھورا ئی
سورداس تلسی سیوک — مہما نا کہت نہ — آ ئی
اپنی کرنی پار اوتر — گیے جا میں کہا — برا ئی
جو توہ بہجی بہجی تو وا — کو ریت — سدان ہوا ئی
داس مہتاب مہا پتتی کو — تارو تو — ٹہکرا ئی

॥१०६॥

॥ प्रभुजी जब जानो प्रभुताई ॥
अजामिल धुंद कारि माल कहा ॥ तिन से हूं अधकाई ॥
विना भक्त तारो तो जानु ॥ पतितन बंध छुडा ई ॥
सुरदास तुलसी से सेवक ॥ महिमा कहत न आ ई ॥
अपनि करणि पार ऊतर गये ॥ जा मे कही बडा ई ॥
जो तो हे भजे भजे तू वाको ॥ रीत सदा हो आ ई ॥
दास महताब महापतितो को ॥ तारो तो ठुकरा ई ॥



۱۰۷

توہی بینیا پیا یک سب گہٹ گہٹ میں

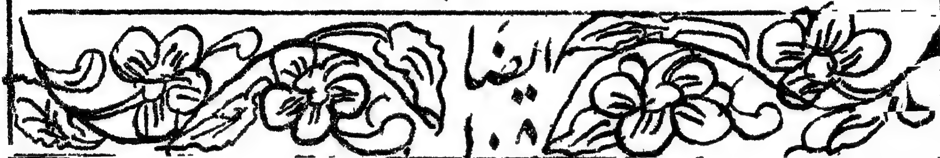
ایک بہوت بنو تیج — اے گیے — کہا ہوت گہٹ پٹ میں
حیرت توں کرو نہ کرو — کہچو — یہہ سب ہی پرگٹ — ہیں
جاہر کرا ہوت یک چھین میں ہے — گمت ہوت جہٹ پٹ میں

داس مہتاب چرن پیا پیالی | نا تو رہو گی نٹ کھٹ – میں

॥١٠٧॥

॥ तुहिपिया व्यापक सब घट घट्मे ॥

अंगब भूत तपो पन्चाग्नि ॥ कहाहोत खटपट मे ॥
तीरथगवन करो नकरो कछु ॥ यहसबहै परघट मे ॥
जापर कृपाहोत येकछिनाहै ॥ ? क होत झटपट मे ॥
दासमहताब चरनपियाहियालै ॥ नातोरहोगेनटखट मे ॥



اجی پیا موڑیے اور نہارو

ہون پاپی تیتن کو سنوا جی | کام کرودھ سب — جارو
سرن آیی کی لاج بچارو | مہاپاپی ہتیا — رو
پاپا موہ پھنسی موری بھٹکنیا | ماج دھار سیی — کاڑھو
اجامیل سی کتنی تر گئے | لیوت نام — تمہارو
تم بن شام نہ دیسی کوئی | چون دس معدہ سنہارو
داس مہتاب شام سلا کو | بارم بار — پکارو

॥١٠٨॥

॥ येजिपिया मोरि ओर निहारो ॥

हू पापीपतितनकोस्वामि ॥ कामक्रोध सब जारो ॥
शरण आयेकि लाज बिचारो ॥ महापापीहो त्यारो ॥
मायामोह फसिमोरिनैया ॥ माजधारसे काडो ॥
अजामिलसी कतने तीरगये ॥ लवतन म तुम्हारो ॥
तुमबिन शामनदिसेको ॥ चहुदिस मोह सहारो ॥
दासमहताब शाम शामा ने ॥ बारबार पुकारो ॥



پیاری پیا بیڑا پار لگادیی

گہری ندیا پورانی نیّا — کوئی بدھ پار — لگادیی
اور چھور سوجھی نہیں پیارے — کیوٹ کوئی — بتادے
اتر لنلہ جھیسی من — کرتو — مایا موہ — ہٹادیی
تن کی ناو کرو من — کھیوا — کام کرود — بھگادیی
تو موہ من سے سب تاگو — پہر یہ سندیہ — مٹادیی
پارا اتر مہتاب دو — تج ॥۱۰۹॥ من کے ناو گھماد — یے

॥प्यारे पिया वेडा पार लगा दे॥

घैरि नदिया पुरानी नैया ॥ कोई बीध पार लगा —— दे॥
ओर छोर सूझे नहि प्यारे ॥ खेवट कोइ बता —— दे॥
उत्तर [illegible] ॥ माया मोह हटा —— दे॥
तन कि नाव करो मन का खेवा ॥ काम क्रोध भगा —— दे॥
तोह मोह मनसे सब त्यागो ॥ यहि संदेह मिटा —— दे॥
पारउ तर महिताब दुई तज ॥ मन की नाव घुमा —— दे॥



درسن دیو وسیا تہہ

پیاکل ہوا چین نہیں جین بس — تمرو بہیلی گن — گات
آسنا کھا سانس یکا پل چھن — آو اگون یک — بات
دین سند و نین کو لکو — پیا بکر — موسیں نہین — آنا تہہ
مین تپت تپن لگا کر — بیٹھے گے کرو — سنا تہہ
پاپا کرت کر دن بہت — جے — کیہیو پلو اون — ناتہہ
بہت ٹیپ تاری ہنس — گئے — پونچھی کرم نہ — جات
داسہ مہتاب پایا کا گھر کو — تارد کر یا نا — تہہ

॥ दरशन देवो दीनानाथ ॥

आकुल मन चैन नहीं छिन भर ॥ तुमरोहि गुन गा —— त॥

आसा कहा स्वांस कि पल भर ॥ आवागवन थेकबा —— त॥

दिनबंधु दीनन के साहायक ॥ मोसम नहि अना —— थ॥

अपतीत पतितन को ठाकुर ॥ बेगी करो सना —— थ॥

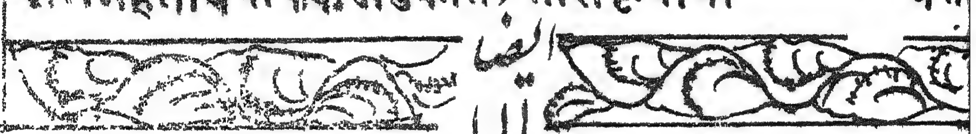
नरपत हूं सासोले पांडि ॥ रिखे कोइ न सा —— थ॥

हाहाकरत करूं बहु बिनती ॥ कर जोरन बाउमा —— थ॥

बहोत पतित तारे नाहि गीलि ॥ पुछे करमन जा —— थ॥

दास महताब पापी कि जड को ॥ तारो कृपाना —— थ॥

ایضاً



ہیّا من بسی موری سانوری صورت

کنول نین چتون جون برچھی ॥ نہین اوپما کوئی صورت
جاکو بید پوران نت دھاوت ॥ گاوت سب جگ کیرت
گنگا جمنا پراگ سنج کا سے ॥ واہون چرن سب تیرت
برمھا ردر دیو جہان تاکین ॥ وہی صورت — کہوبت
جہان تہان مایا سب بیاپک ॥ جوتس رل — صورت
داس مہتاب نہ بسرو رام شیاما ॥ سب آسادہ سے پورت

॥ हियामे बसि मोरे सांवरि सूरत ॥

कवल नैनन् चितवन जंउ बरछि ॥ नहि उपमा कोई सूरत
जाको बेद पुराण नित धावत ॥ गावत सब जग कीरत ॥ गंगा
जमुना प्राग निज कासि ॥ वाहु चरण सब तीरथ ॥ ब्रह्मा रुद्र-

ह्रै ब जहांतांहि ॥ वोहिसूरत धुरत ॥ जहांतहां ...व्यास ॥ ४४ ॥ ज्योतिष रमल मुहूरत ॥ दास महताब नबिसरो रामसिया ॥ राख आसा वोहि पूरत ॥



ایضاً

۱۱۲



گھڑی پل ہیا بسی سبارۂ [illegible]

ایسا کہا گھڑی پل بھر کی — چاہت آٹھو جام

مہا جال میں سب کے پیارے — مانگت سندر بام

مات پتا ست [illegible] سب — تجو کرودھ اور کام

رات دوس اور گھڑی چھن چھن — رٹت رہو نج نام

تیرتھ کوٹ کرو نہ کرو کچھو — واچھو چرن سب دھام

سیوتی کرو نج رام نام کی — کوڑی نہ لاگے چھدام

یہ دنیا ایک اوس کو موتی — یون لگت نس کام

داس مہتاب بنا گوبند کی — کوئی نہ آوت کام

۱۱۲

॥ घड़ि पल हिया से बिसारो न राम ॥

असा क्या घड़ि पल भर कि ॥ चाहत आठो जाम ॥ महा जाल मे सबके प्यारे ॥ मांगत सुंदर बाम ॥ मातपिता सुत ... सब ॥ तजो क्रोध और काम ॥ रात दिन और घड़ि घड़ि छिन छिन ॥ रटत रहो निज नाम ॥ तीरथ कोट करो न करो कछु ॥ बाछु चरण सब धाम ॥ सेवति करो निज राम नाम कि ॥ कवड़ि न लागे छदाम ॥ यह दुनिया एक वो सको मोति ॥ फुन न ...

निशाकाम॥ दासमहताबबिनागोविंद के॥ कोईनआवत
काम॥



||۳

اجی گروبار ی بلہاری لتوری جاون مین

یہی ہی چاہت سرناگت تیری
مرت لوک پھراون مین
بہگت کرون جنم جنم تیرے
تیرے ہی گن گایون — مین
تیرا دہیان بسی من — ہردی
پل پل چہن چہن دہیاون اون مین
پانی پیون پریم رس تیرا
بہگت دان پہل کہاون مین
یہہ پرشاد — چاہت ہون پریم
تم چرن من لاون — مین
آساداس مہتاب کی پورو
پہر پہر درسن پاون مین

۱۱۳

॥ यजिगिरधारि बलेहारि तोरे जाउमैं ॥

यहि चाहत सरनागत तेरे॥ मृत्युलोक फिर आउमैं॥ भक्ति
करूं जन्माजन्म तेरी॥ तेरहि गुनगांउमैं॥ तेरा ध्यान बसेम
नहृदय॥ पलपल छिनछिन धांउमैं॥ पानिपिउंप्रेमरसतेरा
भक्तदानफलखाउमैं॥ यहिप्रसाद चाहतहुं प्रीतम॥ तुमचरनन
चितलाउमैं॥ आसादास महताबकिपूरो॥ फिरफिरदर्शनपाउमैं॥



ناہابی

گوبندہ گوبندہ ہری مراری
گوبندہ گوبندہ یہہ بانس — دیوا
گوبندہ گوبندہ یہہ بال کرسنا
گوبندہ گوبندہ یہہ شام سندر
گوبندہ گوبندہ یہہ ناگ ناتھا
گوبندہ گوبندہ مدسودہن مادہو
گوبندہ گوبندہ کرسن کہنا
گوبندہ گوبندہ دوارکا باسے
گوبندہ گوبندہ یہہ دین بندو
گوبندہ گوبندہ دین دیالا
گوبندہ گوبندہ نرناگ — پانی
گوبندہ گوبندہ ترلوکی ناتھا
گوبندہ گوبندہ بھگت توا سا
گوبندہ گوبندہ داس متھا با

گوبندہ گوبندہ بانکی بہاری
گوبندہ گوبندہ سرہی گردہاری
گوبندہ گوبندہ اوتار — دہاری
گوبندہ گوبندہ کنج — بہاری
گوبندہ گوبندہ سرب نیواری
گوبندہ گوبندہ یہہ دیو چاری
گوبندہ گوبندہ کیسو کناریے
گوبندہ گوبندہ حدیت اسراری
گوبندہ گوبندہ یہہ سرم چاری
گوبندہ گوبندہ بھگت اُکہواری
گوبندہ گوبندہ داس ہتکاری
گوبندہ گوبندہ چرن بلہاری
گوبندہ گوبندہ سیا بہاری
گوبندہ گوبندہ سدن تہار

۱۱۷

गो[illegible]विंद हरे [illegible]री ॥ गोवि[illegible] गोविंद बांकेब[illegible]रि ॥
गो[illegible]विंद य: बाल कृष्ण ॥ गोविंद गोविंद अवतार ग[illegible]रि ॥
गोविंद गोविंद य: वा[illegible]दवा ॥ गो[illegible]विंद श्री गिरधारि ॥
गोविंद गोविंद यह शाम सुंदर ॥ गोविंद गोविंद [illegible]जल
हारी ॥ गोविंद गोविंद य[illegible] नाग न[illegible] था ॥ गोविंद गोविंद
श्री बनवारि ॥ गोविंद गोविंद मधुसुदन माधो ॥ गोविंद
गोविंद य[illegible]दव चारि ॥ गो[illegible]विंद कृष्ण क[illegible]था ॥
गोविंद गोविंद क[illegible]व कंसारि ॥ गोविंद गोविंद द्वारका वा[illegible]

सी॥ गोविंद गोविंद जदुपत असुरारि॥ गोविंद गोविंद यह दीनबंधो॥ गोविंद गोविंद यह ब्रह्मचारि॥ गोविंद गोविंद दीनदयाला॥ गोविंद गोविंद भक्तरखवारि॥ गोविंद गोविंद धारापाणि॥ गोविंद गोविंद दासहितकारि॥ गोविंद गोविंद त्रिलोकिनाथा॥ गोविंद गोविंद चरणबलहारी॥ गोविंद गोविंद भक्तनवासा॥ गोविंद गोविंद सीयाबेहारि गोविंद गोविंद दास महनाबा॥ गोविंद गोविंद शरण-निहारि॥



ایضاً

۵ ۱۱



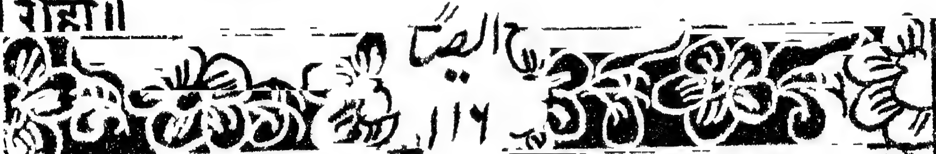
ای جی میری لاج رکہو گردہاری

پالان سب کہیں گنوایا — اتر ن نین بھی — گاری ہو
ورداوستار ری دیکھ لی — اگ بین دتی تار دیا ہو
ماج دیار مین پہسی موری نیّا — پار لگاؤ — بھاری ہو
اور چہور دیکھی نہیں چرن در — تیرا سیوا — لبواری ہو
ناکتیو دان گرو کی سیوا — تابہی کرسن — مراری ہو
مایا جال موہ دنیا — نی — ماری پریم کٹ رہے ہو
مجہہری بیاکل — کمنی — بہت پاپ کیا بہار ہی ہو
اس مہتاب بروساکر کی — آیا سرن — بہاری ہو

۱۱۶

येजी मोरलाज रखो गिरधारी हो॥ बालापन सब खेल गवांयो॥ तरुनाने रुक... गाढिहो॥ वृद्ध...

देखके॥लोक ॥ रहो॥माजधारमेफासिमारीनेया॥
पा ॥ बेहारिहो॥औरछोरी हि चहूँदिस॥तेरा
सिवा हो॥ना गुरुकिसेवा॥नाकभि-
कृष्ण मुरारीहो॥ जाल मोह दुनिया ॥मारिप्रेम
करारीहो॥ कन्हा॥बहूतपापकिया
भारीहो॥दासमहताबभरोसाकरिके॥आयाशरणतिहा
रीहो॥



اجی میری ہیا مین آبسو واری
مور مکٹ کانن بچ کنڈل
گلی بجنتی مال — سوہاہے
جون کرن کچھ کہہ نہین آوت
دلو وان بچ
جا تہل ہین ہیا
... متاب ...

کاکر ... — مراری
... — بہاری
... — دہاری
... — تاری
... — پیاری
... — بہکاری
... — ابہاری
... — پوکاری
... گرد ہاری —

११६

येजिमेरे श्याम बसो नवा॥रे॥कान्हा कृष्ण मुरारी॥
मोरमुगुट नना बेच डल॥कठलामुक्तनभारि॥
मोतियनमालबिराजतनीकि॥नाना आभूषण धारी॥
गलबैजंतिमाल ॥पीतांबर रि॥

कछु कहन आवत॥ झांकि आनो किम्यारि॥ देवदान निज भक्ति नोरी॥ मांगे भीक भिकारी॥ घडि घाडि पल पल तेरी रटना॥ जीव्हां न जाय बिसारी॥ जल [illegible] मे व्या पक सब ठाई॥ कहवत बे [illegible] कारे॥ दासम [illegible] नाबाहि म्य बसो गिरधर॥ चर [illegible] गिरधारी॥



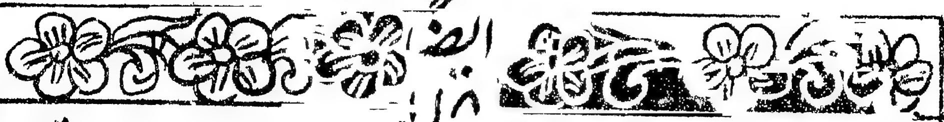
॥ ایضا ॥ ۱۱۷

بہاری یمیں تو آئی او سرن تہاری ہو

ندیا گہرے نیو رانی ہیبا تے — باج دہار پر سے کہاری ہو
اور چہور چون قوس نہین — تمری سیوا — منوار یی ہو
اتران جیون اتر نا جانون — ڈور ڈو گہت — لیو کاری ہو
بیر ہ پار لگا و سری جی — دین جان دکہہ — پاری ہو
بیانیہ ٹہی کی لاج تمہی کو — پت راکہو — گردہاری ہو
داس مہتاب چرانی ہی ہر وے — پار ہوت یک باری ہو

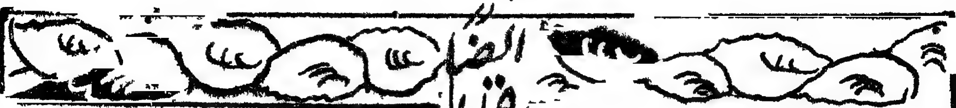
۱۱۱۷

बेहारी मैं तो [illegible] रणा तेहारी हो॥ नदि [illegible] नाव [illegible] राने॥ माज [illegible] र [illegible] नारी हो॥ बोर छोर नहुं [illegible] सना हे दीसे॥ [illegible] मरा सेवा बनवारी हो॥ उ [illegible] र न चहुं उत्तरनो हजा [illegible]॥ रारोक [illegible] न [illegible] कारो हो॥ [illegible] पार लगावो श्रीजी॥ दीन जान दुःख [illegible] रे हो॥ बाहगा की लाज तु [illegible] का॥ पत रा [illegible] गिरधारी हो॥ दास महताब चरन ले हृदये॥ [illegible] कवारी हो॥



کیسو مورت سانوری صورت — کنول نین مادھو ری مورت
سنکھ چکر کر گدا اجت — بھگتن تارن دشٹ سنگھارت
کانن کنڈل مکٹ انو — کو بازوبند ابھلا آت موہت
متین ہار راحت — سکو پیتامبر کٹ کا چھنی سوہت
کہوت بید پکاری یا ستر — جہاں تہاں گاوت سب کیرت
گیا پراگ دوارکا — کاسی گنگا جمنا سب جگ تیرت
دامنون چرن مہت سب پالت — سادھو سنت یہ ڈھونڈت
مہا دیو برہما سب دیوت — رات دیوس پل پل چھن دھاوت
واس مہتاب بتیا بسویا جی — جنس سب کی آسا پورت

केशव [illegible]रत साँवरि सूरत ॥ कवल नैन माधोरि मूरत ॥ शंखचक्र करगह बिराजत ॥ भक्ता नतारन दुष्ट संहारत ॥ कानन कुंडल मुकट [illegible] नाको ॥ बा[illegible] बंद कटका अतमोहत ॥ मुतियन [illegible] बराजत नीको ॥ पीतांबर कट कांछनि सोहत ॥ कहवत वेद पुकार [illegible] ॥ जहां तहां गावत सब किरत ॥ गया प्राग द्वारका कासी ॥ गंगा जमुना सब जग तीरथ ॥ [illegible] सब व्याप [illegible] ॥ साधु संत यहि सब धूंडत ॥ महादेव ब्रह्मा [illegible] ॥ रात दिवस पल पल छिन धावत ॥ द[illegible] हता बहिया बसो पिया जि ॥ जो सि सब कि असा पूरत ॥ ५



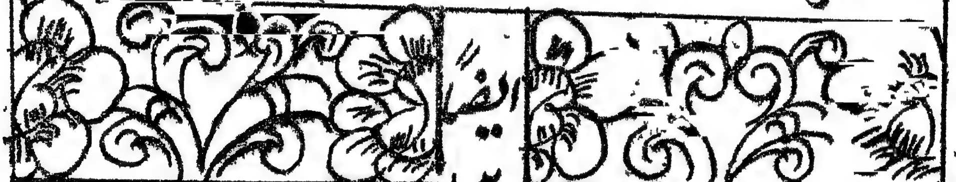
ايضاً ۱۱۹

احرا ليسار مانگو يهه هي ر پايون
مايا موه نه پيا پي چين ٺهر
ٻهڪٽ ديو ٻهڪيا ري ٻانگر
رده سده ناچيار پدارت
داس عتهاب کي دور کرو ٺپتا

جنم جنم تير وگن گاون
کام ڪرو ده سي باهر جاون
هردي بسو چرن تولاون
ايڪ پريت تو چرنن چاهون
توري نبا گو پير سنا اون

۱۱۹

अन्चरा पसार मांगो यहि वर पाउं॥ जन्म जन्म तेरो गुन गाऊं॥
मा या मोह ने व्यापे छिन भर॥ काम क्रोध से बाहर जाऊं॥
भिक देव भी कारी जा ... ॥ हृदय वसो च न न को लाऊं॥
रिधसिध नाचार पदारथ॥ यक प्रीत तो चरनन चाहूं॥
दास अहेताब की दूर करो ... ॥ तोर बिना को पीर सुना ऊं॥



ايضاً ۱۲۰

ناٿ جي ڀڳتي ڪرون نج تيري
دين جان سر اڳت لي آو
ڪٺم پروار سده - مايا لي
دهرو مار ڪنڌ هت جان لي
اجاميل دهند ڪاري پار ڪئي
ڪام ڪرو ده نه پياپي چين ٻهر
داس عتهاب جنم جنم مانگيا -

ديو ٻهڪ - ٻهٽڪاري
تيين کواڏه - ڪاري
داري پريم لبس - بيري
اٽل ڪامنا - پوري
گنتي ڪهاڪ - سوري
ڪرپا ڪرو ڪڇو - سهوري
نج ٻهڳتي ڏيک - توري

नाथ जी भक्ति करु निजतेरि ॥ देवो भीक भिका रि ॥
दिन जान शरणागत लेवो ॥ पालनके आ धा री ॥
कुटुम परिवार मोह भरमाये ॥ डारि प्रेमबस रि ॥
ध्रुव मार्कंडु हेत जान ॥ अटल कामना री ॥
अजामिल धुर कारि पार गये ॥ गिनति कहां कमी री ॥
कामक्रोध ने व्यापे छिनभर ॥ कृपाकरो कछु थो रि ॥
दासमहताब जन्म जन्म मांगे ॥ निजभक्ति येक तो रि ॥



بہارجی بہگت بنی رہی مورہی
توماپا مین موہت سب جگ -
برمہادک اندر سبی مو - ہی
تیتین مین پتین کو نا - یک
رات دیوس اور چہن چہن پل پل
کام کرو دموہ بد - چہور
جیا جنم پہہ سے برنا بگت -
کرپا کرو دامن مین - گنتے
داس مہتاب کرت یہہ بنتی

پریت چرن نج - توری
کہا گینتے ہی - موری
دیو - سرن ناچہوری
گئی عمر رہی - تتوڑ ہی
بہجن کرون - گہریے
پاپن وار ہی - بیڑ ہی
نت گن گایون تور - ہی
اس داس - مراری
بہگت چرن رہی توریے

۱۲۱

बेहारिजि भक्ति बनी रहु मोरि ॥ प्रीतचरन निजतो रि ॥
तो माया मे मोहित सब जग ॥ कहा गिनति है मो रि ॥
ब्रह्मादिक इंद्र से मोहे ॥ देव सुरन नाछो रि ॥
पतितन मे पतितन को नायक ॥ गढ़ उभर रहि थो रि ॥
राती दिवस और छिन छिन पल पल ॥ भजन करु नित धे रि ॥

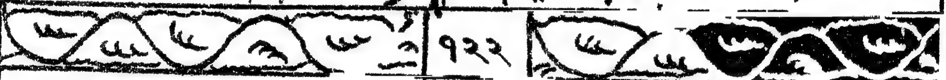
कामक्रोध मोहमदमत्सर ॥ पायन डारि ब ——— रि ॥
जन्मा जन्मायहि नर मांगत ॥ नितगुन गाऊं तो ——— रि ॥
कृपाकरोदासमेगिनति ॥ दासन दा न भु रा ——— रि ॥
दासमहताब करत यह बिनंति ॥ भक्तिचरन रहे तो ——— रि ॥



ایضاً ۱۲۲

اجی ہم سے چریاں بھگین وا ہوین کے
چہار چہار پہر کچھ پن نظر — گلولاون
تہی تہی باتین ہر گن گاوین
رات دیوس سنگی نندلالے
دنیا دولت مال خزانہ نہ
مگن رہت گھری گھری پل پل کرین
داس مہتاب رتو پیا پیاری

برج جھوم مادھوبن — کی
جہاں دیکھہ بندرابن — کی
من اچھیا درسن — کی
لاگ رہے لو — ان کی
نہیں چاہت کچھو دھن — کی
چرچا رادھا کرسن — کی
کہی نہ کرو کچھو من — کی



१२२

अजि हमसे चुरीयाभलिबाहु बनके ॥ ब्रजभूमभा ——— गो ॥
आरआर परकरें कि लीला ॥ महिमादेखब्रिंदाबन ——— कि ॥
घर घर नाचे हर गुनगावे ॥ मनइच्छा दरशन ——— कि ॥
रातदिवसश्रीनंदलालसे ॥ लागरहि लौउन ——— कि ॥
दुनियादवलत मालखजाना ॥ नहिचाहत कछुधन ——— कि ॥
मगनरहत घरिघरिपलपल करें ॥ चरचाराध कृष्ण ——— के ॥
दासमहताबरटोपियाप्यारी ॥ कहिबकरो कछु मन ——— कि ॥

آرتی لیلا

۱۳۳

آرتی بانکی بہارے جیو کی
تن کو دیا من سا کر — باتی
پریم کو تیل جرادن راتے
تن من دھن اور باچا کر منسا
سب دیوان مل کر وارتے
ایسی آرتی کرو چھن چھن پل

سری رادہ کا پیارے جیو کی
آرتی کرو گردہاری جیو کی
پریت کرو بنواری جیو کی
کیجے نچھاور برہم چاری جیو کی
سری گرو میر دلتو چاری جیو کی
داس مہتاب بلہاری جیو کی

१२३

॥ आरति लिला ॥

आरति बांके बेहारि जुकि ॥ श्रीराधा का प्यारि जु — कि ॥
तनको दिया मनसा करबाति ॥ आरति करो गिरधारि जुकि ॥
ममको तेल जरा दिनराति ॥ प्रीत करो बनबारि जु — कि ॥
तनमनधन औरबाचा करमना ॥ किजे निछावर ब्रह्मचारि
जुकि ॥ सबदेवन मिलकरो आरति ॥ श्रीगिरधर दवचारि
जूकि ॥ ऐसि आरति करो छिन छिन पल ॥ दास महताब बलि
हारि जूकि ॥ ४ ॥ ७ ॥ ७ ॥ २ ॥ २ ॥

۱۳۴

آرتی رام لچھمن سیتا کے
جوبا چھن آپت کی — مالا
لیو اشٹ گیت کار — ی
... — ایسے
... سن ... گی

تن من سب ہی کچھیا ور دیجے
دھوپ دیپ لو نیبد لبا لا
اشٹ ہن ہار البیتا — تاری
وشنو انور جا تجی — بہا جی
جیو دیہ بس شوجن جہا کے

چترکوٹ تیرتھ مین بہا او
پنچ بٹی ہوا اسٹر پو کاری
تہان یک مرگ کنچن کو ایو
سیا ہروگ کس کندرا ئی
بال مار سگریو کو — دینو
تہان ہنومان آگیے کارے
لنکا جرا سیا سدہ لائے
سیت باندہ لنکا کو — دہائی
لنکا راج بہیکہن — پایو
کرو آرتی رام چندر — کی

بارہ برس تہان سکہ پایو
سوپ نکہا ناک کاٹ سنگاری
روان سیا لی لنک سدہاری
تبہی ریچہ باندر سب دہائی
راج تلک راجہ سب کینو
گوند سمندر پل یک نہ بچاری
رام لچہمن سن سکہ پائی
روان مار اجدہا — ائی
جنم جنم کی دکہ — بسرایو
داس مہتاب سیا رگہبیر کی

॥१२८॥

आरतिरामलछुनसियाकिजे॥ नमनसबहिंनिछा
वरदिजे॥ चोयाचंदनपुष्पाक [illegible]॥ धूपदीपनैवेद्यवि
शाला॥ विश्वामित्र जग्यहितकारी॥ अ[illegible] रनमार आहि
ल्यानारी॥ मुनिसहीत जनकपूर आये॥ ध[illegible] वातोडज्या
नकि ब्याहाये॥ मातकैकई वचनसुन धाये॥ चवदाबरस
बनो बनछाये॥ चि[illegible] कारतीरथमन भायो॥ बाराबरसतहु
सुखपायो॥ पंचवटि बैठ[illegible] कारे॥ र[illegible] पनखानाककाटसी
गारे॥ तहांयेक मृगकं चेनको आयो॥ रावनसीयालेल
कसिधारो॥ सियाविरयोगाकि स्किंरा आयो॥ तबहिरीछ
बांदरसब धाये॥ बालिमार स्रुग्रीवका[illegible] नो॥ राजतिल
क राजासबकीनो॥ तहांहं[illegible] मान अग्याकारि॥ [illegible]

पल येकन बिचारी॥ लंकाअरासियास्रुधूलाये॥ रामलछन स्कन बहु [illegible] ॥ सेतु बांध लंका को धायो॥ रावन मार अजोध्या आयो॥ लंकाराज बभीछन पायो॥ जन्म जन्मके दुःख बिसरायो॥ करो आरती रामचंद्र कि दास महताब सियार[illegible] कि॥ ७ ॥

ایضاً

۱۲۵

آرتی سیو کیلاس پتی کی	گوری سنکر پاربتی کی
چاول چندن پہپ کی مالا	کرو آرتی بہولا سے کی
انگ بہوت گلے منڈ مالا	آرتی کرو مہیش جتی کی
سیس گنگ کھائی نینگ دہتورا	آرتی کرو سِٹ گور پتی کی
داس مہتاب آرتی پل پل	کرو تیم بہولا کوٹ متی کی

आरति सिव केलास पती कि॥ गौरी शंकर पार्बती कि॥ चावल चंदन पुष्प कि माला॥ करो आरति भोला स[illegible]ती कि॥ अंग बभूत गले मुंड माला॥ आरति करे महेश जती कि॥ [illegible] स गंग रखाये भगंध सूरा॥ आरति करो सिव गौर पती की॥ दास महताब आरती पल पल॥ करो तुम भोला कोट मती कि॥ ७ ॥ ७ ॥

ایضاً

آرتی درگا بہوانی جی کی ۱۲۶ آدسکت مہارانی جی کی

آپ ہی برمھا بشن کہا ہے   آپ ہی شنبھ کیلاس سوہا ہی
نانا ماو پرگٹی بہوانی   لچھمی آو بشن گھر جانی
ساوتری برمھا اُر آنی   مہادیو گوری کہلانی
تیہو تیہو مایا بستاری   پرگٹی روپ انوپم پیاری
دیت سمہ نسیمہ سنگاری   رکت بیج بہر سانہاری
آد جوت ابما جگ رانی   بہگتن کی راکہت نت بانی
داس مہتاب آرتی پوجا   سری جگدمبہ اور نہیں دوجا
॥ १२६ ॥

आरतिदुर्गाभवानिजीकि ॥ आदशक्ति मह[illegible] ॥
आपहिब्रह्माविष्णुकहाई ॥ आपहि शंभु केलाससुहाई ॥
[illegible] नानाव प्रगटी[illegible]वानि ॥ ल[illegible] मो आई बिस[illegible] घरजानि ॥
सावित्री[illegible] उरआनि ॥ म[illegible] गौरी कहला[illegible]नि ॥
तै[illegible] वेस्तारि ॥ प्रगटीरूप अ[illegible]पमप्यारी ॥
दैत्य शुंभनिशुंभसीं घारे ॥ रक्तबीज[illegible] सुरमार ॥
आदजोत अंबा जगरानि ॥ [illegible]कनाके [illegible]नत ॥
दासम[illegible]ताब आरतिपूजा ॥ श्री[illegible] औरनहि दूजा ॥ ७७ ॥

ایضاً

آرتی چیتر گوپت مہت کاری ۱۲۷   ملکت بچار کرو نرناری
دانیہ بانیہ دو لونیٹ راسے   کرو آرتی نت بہت دوارے
برمھا بشن اور سب دیوت   جنمایہ سے برسب لی بچاری

ایک بار جو تم کو پوجے   ہو بیکنٹھ دہام آوہ کاری

داس مہتاب کرو نت پوجا   سپنی نا جم راج نہاری

॥१२७॥

आरति चि भगुम्न ह्तिकारि ॥ सुक्त विचार करो नर नारि ॥

दोहे बाहे दोनो पटर नो ॥ करो आरती नित ब्रत धारि ॥

ब्रह्मविष्णु रुद्र सब देवन ॥ दीयय हि बर सबन भा रि ॥

येक बार जो तुम को पूजे ॥ होबैकुंठ धाम अधिकारि ॥

दास महताब करो नित पूजा ॥ सपनेना ज मरा जनी हा

रि ॥ ७ ॥   ॥   ॥



الضاً



۱۲۸

آرتی کیجی بجرنگ - بلی کی   برم چاری ہنومان منی کی

پہلی آرتی سری رام جی کی   دوسری آرتی سیا دُلی کی

تیسری آرتی لچمن - بالا   چوتھی آرتی برمہ گنی کی

پانچمی آرتی گور - می سنکر   چھٹمی ارتی دیو منی کی

ساتمی آرتی پل پل چہن چہن   داس مہتاب گاوی ست اچھی کے

आरतीकीजे बजरंग बलिकि॥ ब्रह्मचारिहनुमानमुनी कि॥ पहिलीआरतीश्रीरामजीकि॥ दुसरि आरतिसीया ललीकी॥ तिसरीआरति लछमन बाला॥ चौथीआर ति ब्रह्मगुनीकि॥ पाचवि आरति गौरीशंकर॥ छटवी आरतीदेवमुनीकी॥ सातवी आरतीपलपलछिनछिन दासमहताब गावेसुत اسس پر اتھا अंजनकि॥

بنی رہو ہر بھگت کرو تم سدان خوسی ہنا
کتھا کیرتن سنگت سادہو من میں آکھہ لینا
دنیا دولت مال خزانہ اور کامن ناری
جوچاہو سو ہووی پراپت رام نام کہنا
گھر ہت پریوار پوتر اور آرو گی - کا یا
ہاتی گھوڑا نوکر چاکر جوچاہو لینا
محل اٹاری ملک مال اور سمپت بہا ہی
راگ رنگ اور باغ بغیچہ روپلی مہر بانا
بات ایک متاب یاد رکھہ سدان سکھی رہنا
سری کرسن گوپال لال کی چرنن من دینا

॥ आसीस प्रार्थना ॥१२९॥

बने रहो हरिभक्तकरो तुम सदा खुसी रहना॥ कथाकीरतन संगत साधु मनमे रख लेना॥ दुनया दवलत माल खजा ना और कामन नारि॥ जोचाहो सोहोवे प्रापत रामनाम

कहना ॥ कुटुम सहित परिवार पुत्र और आरोगीकाया होती था ड न- करचाकर जोचाहो कैना ॥ महल भंडारी मुलकमाल औरस्फरख संपत भाई ॥ रागरंग और बाग बगीचा रुपे मोहर पाना ॥ ब त थक महताबथाद रख सदा सुखी रहना ॥ श्री [illegible] लालके चरनन मनदेना ॥ ७ ॥

کبت لیلا

سرودین اجیاری رات ایک پاون ٹھاری راس رچو رگرد ہاری. مایا نج تن دہاری ات آنند من ہین - ایسی بانسری بجاہی سب جگ کو بھرمائی سکھی اوٹھہ اوٹھہ دہائی پہرین بسن ابو سن آئین راس منڈل کی بن ہین - چھہ راگ چھتیس راگنی نج اپنی اپنی سروپ دہرائی پیدوا رہت دہائی وہ اومنگ من ہین - آری مہتاب دیکہ سکہہ سماج آکاس ہین بہیر بہی چربمان دیواتی پہول برسائی گات بجات مرومنگ بین ہاتن ہین -

॥ कबितलीलामा० ॥ १३० ॥

सरद्दैन उजय ।र रात ै क ॥ पाउं दाहि रास रचोगीरधारि ॥ मायानीज तन धारि ॥ अत अनंद मनमे ॥ ऐसि बांसुरी-बजाइ सब जगको [illegible] माइ सखी उठउठ धाइ ॥ परे बसन आभूषन आइ [illegible] लकेबनमे ॥ छराग छतीसरागनीनिज-अपनेअपनेसरुपधर आ ॥ [illegible] हेत थाये धर उमंग मनमे ॥ अरे [illegible] देख सखसमाज अकासेमे भीरभा चडबिमान देव आयेफुलबरसा बगात [illegible] मुरधंगब [illegible] हालमे ॥ ७ ॥



۱۳۱

بہولن کو جامہ سر موررکٹ پہولن کو کنجن مین پہول کیاری ہی — بہی
پہولن کو لہنگا دوپٹہ سب پہولن کو بہولن کی کنچلی مین پہول رہی
پیاری سے — سری گردہاری بنواری تیری بہنور رنگ کی بار پ
بلہاری برکہہ بہان دولاری یک بہولن کی پہلواری ہے — پریم
اومنگ دیکہو چہٹ مہتاب پہولن کو ہنڈولا پہول رہی سکہی سب
چہولاوت پیا پیاری کو بلہاری ہلہاری ہے —

फूल[illegible] जामसिरमोर मुगट फुलनको [illegible]लनके कुं
जनमे [illegible]ल[illegible]। हे क्यारि हये॥ फुलनको लहंगा दुपटा
सब [illegible]लनको [illegible]लनके कंचुकि मफुल रहि प्यारिहे॥
श्रीगीरधारी वनवारि तेर भवर रंगके बारि बलहारि
[illegible]रखभानदुलारि यक फुलनकी [illegible]ल बारी है॥ प्रेमउ
मंग देख छब मताब [illegible]लनको हिं डोला फुल रहीसखी
सब [illegible]लाव तपीया प्यारिका बल हारि ब[illegible]री।

لی گہگری جمنا کو پہلی بر کہسی پلی اوپرا دولاری —
لی باٹ — پکری پلی آن ہلی گت جاء للی لت او بلسلا ری
دیکہہ لالہ نکہت البیلی چیادرت موہ چہانر دیاری
مہتاب کہت پیا چہور بر دگر مت مار دین ترچہی متواری

॥ १३२ ॥

लेधगरिजसुनाको चलि वृखभान ललि मिल नंद दु
लोर ॥ लयि बाट पकड़ि मिलि आज भलि कित जांहो
ललि इत आवो भलारे ॥ देखललासुखचन अलवलि
जीया उरतमोह छोडो व्यहार ॥ महताब कहत पिया-
जे [illegible] रात मारोने तिरछे [illegible] ॥ ७ ॥

ایضا

۱۳۳

پرات سے گھر سے نکسی برکھبہان ستا البیلی چھیلی
دیکھ پری گردہاری لالہ کھہ موڑ چلی یک اور نویلی
لپک جھپک پکری بیاں کت جاواجی کہیہ بولو - رنگیلی -
واس مہتاب کہت شاماجی چھوڑ واجی دیکھینگے سہلی -

॥ १३३ ॥

प्रातसमये घरसे निकसि वृखभान सुता अलबेलि
छबेली देखपेर गिरधारि ललामुख मोड़ चलियक
[illegible] बेलि ॥ लपक झपक पकरि बैयां कित जावो अ
जी मुख बोलो रंगेलि ॥ दास महताब कहत श्यामा
जी छोरो आजी देखींगे सहेलि ॥ ७

الضا

۱۳۴

پیا جات ہین سکاری پران کیسی راکہین پیاری نیند نینن ہین پہری
نہین - آری موری بیر کیسی دہرون دہیر کلیجی - او ہی پیر یہ سریر
پاپی جری نہین - جا دن سے - ہماری بانہہ
پکری سے ہماری پل پل واہ دیکہی بنا سہری نہین - آری مہتاب
پران نکسنگی کیسی یہ جیو پاپی ہمارو بنا مرے ری - نہین

॥१२४॥

पिया जात है सकारे प्रान कैसे रा रे प्यारे निंद नैन- म-
परे नहि॥ अरे मोरे बीर कैसे धरू धीर ०० जे उरी पीर यह
सरीर पापी जरे नहि॥ जादिन से प्या ॥ रे बांह ॥ रे
है हमारि॥ पल पल वांहे देखे बिना ॥ रे नहि॥ अरे-
महताब प्रानन निकसेंगे कैसे के य ः जीव पापी ॥ हामा
री बिना मोत मरे नहि॥ ॥ ॥



۱۲۵

یک دن راوہی پیاری برہ کی ماری اوٹہہ دیا ہی اٹاری گہیا
دیکہی کاری ہی کو کلا کی کوک نینن سن ہی ہین رسالی سے - واہو
سیہی واور پیا مور - بن ہی ہین کرت شور بجلی کی چمک دیکہا
پیا ہین دسرک دیکہہ جیا گہبرانی ہے - آری پیا پاپی کا سے
کوسنا وت کوک مور ہین کوبن دیکہی سامری کی ہین جیا نادہری
چین کا سے کو کہا تہرانی ہے - آری مہتاب سکہیت سے
البیلی بن پیا اکیلی سب سمجہا دین ساہیہی بیمار او نکی عمالی چیلی

کیوں دیوانی ہے —

॥१३९॥

येकदिनराधेप्यारिबिरहकिमारिउटथाइ आटारिध टाहेरिवकारिकारिको करकाकि कृ क. सुनमनहिंगेरिसा निहे॥बाकुसमय दादुरपपैया मोरबनहि मेकरत शोर बिजलिकिचमकदेरवहियामेधररव देरव जीयाघबरा नीहे॥ औरपपैया पापीकाहेको सुनावत कुकमोबिर हनको बीनदेरवे सामरेकेनेन जीयानाधरचेन काहेको घटा ैरानीहे॥ औरेमहताबसुकचतहे अलबेलिबि नपिया अकेलि सबसमझावे सहेलिपिया आवेंगे अलि छबलिकोदिवानिहे॥ १ ॥

دوہرہ

رچنار چی رام نہیں ٹر ہی   کوٹ جتن کیا کوئی کرے

چوپای

بار بار کہیں بجائیہ مان آپنو جای   بچن منوہر لائیہ راجا رگھ لوبانی
منتی بات سنائیہ اچھا بچن کرا   باتن ہاتی پائیہ باتن ہاتی پانی

॥१२६॥

॥ दोहरा ॥

रचनारची रामनहि टर हे॥कोट जतन केसाकोइक राहे॥

॥ चौपाई ॥

बारबारकहिं जाइ मान अपनो जाय ॥
बचनमनोहर लांय राजारंग लुभाय ॥
मिठिबातसुनाय आछाबचनसूहाय ॥
बातनहाति पाइये बातनहातीपाय ॥

قطعات تاریخ

تاریخ از مصنف

بھگتی پرکاش کی تالیف ہوئی جب مجھ سے   سخنور نے کہا اہی یا نسے سہاش
سراین سوہتاب ہے سال سمبت   نورمہتاب سے فائق ہوئی بھگتی پرکاش

سمبت ۱۹۴۷

تاریخ طبع از جناب رائے کنور بہادر صاحب توجہ گشت مصنف

باہمہ خوب چوسن ہا وبھگت پرکاس طبع شد   نگہہ بد بعیدباد وبھگت پرکاس طبع شد
عاری حروف نقطہ دار گیر بہر سال طبع   قابل قدر زو   وا وبھگت پرکاس طبع شد

سنہ ۱۳۰۸ھ

تاریخ طبع از جناب رای راج بلی صاحب عنایت فرماے مصنف

بھگت پریم اد سوجس سب چہای رہو آکاش
کرسن کرپا سی چھپی یہہ الذیم بھگت پرکاس

سمبت ۱۹۴۷

طبع از جناب رای ستیل پرشاد خورم الطاف فرما مصنف

ایک سہنس نوست سرس شبت اوبک چالیس   جاکو سمبت پا فہم بتیل سو بیس

ستیل سمپت سال موں ہیگو بھگی پرکاش ۔ بدہ ندہ مہتاب رای برنو بھگتی پرکاش

سمت ۱۹۴۷

طبعزاد بہرم مورت برمھا اوتار مھاراج کسن دت پنڈت ساکن کوہ چھتر
مہتاب راے مہاراج کو پنڈتو ن ہیے سہباش
جن لی آپنی بدہی سبی رچا بھگتی پر کاشں
دہرم ارت اور کا منا مکیہہ سرگ کوباش
پرہی بچاری جو کوئی پورن ہوسب آس
بھگتی کمتی کاری اوتم ہے یہہ ہینت
پریت ہیت برنن کیا اتیہ وین یہہ گرنت
بہوساگر کی ندکاری چی راے مہتاب
جوچاہو کلیان کو چیت من دیو ستاب
کلجگ کابل دیکہہ کی کیا تیپت تیار
جومن دہی گرنت کو ہو بہوساگر پار
بہت پریشرم سے کیا بتی شاشتر بچار
کام کرودہ سب دور ہوں بیڑہ ہو وے پار
تیج دنت دیا دنت ہیں بدیا گن ہیں پور
کابیت ہیں سرہی باسپت بری بچن کی سور
جو آوین پگ دہار کی سب کا اکہین مان
بدیان پربین ات نیتی پو پچہی ۔ آن

برت مان پرتھم پروانکچھتر جوگ ہی اندر — بیپ کرن دا ہو سبھی سنگسار اس کو چندر-
بنسق تیتن اول ربیع سن تیراسو اٹھ (١٣٠٩) — عیسوی سنہ ستر اٹھارہ سو لو دسب جگ یہ بھی گاتھا (١٨٩٠)
گور بپر برنن کرت کرسن دت ہی نام — اکو چھتر کھلاپوری وہان میراج وہ نام-

ایضاً

سب دیون کی آرتی سب سرگن سنمان — مہتاب رائے برنن گیا اس پستک مین گیان
دھرم نیت بچار کر گرنت کی بکھیان — پاکیند کو کرم کا ہو جس سے کلیان-
گیان بھگت سکرہ کرم سب مین اوکہی پوران — ہنڈ تونگی سبھا رسی پری نرچھتر شیجان
کرسن دت سجن بھگت سب کا رکھہ پرمان — چیپ دایا اس گرنت کو پرچ سبھی کی جان-
جو سبھا کی چت ہیت سی بھگتی من مین آن — چار پدر تیہ دنگی سری کھلا بگوان-

تاریخ ایضاً از مصنف

بھگتی پرکاش کی مہتاب سی افضل ہی ضیا — دیکھکر جسکو ہوئی خلق جہان سب بشاش
آئین کی سرسی ہی مہتاب سال ہجری کا — دیدہ بد دور یہ زیبندہ ہے بھگتی پرکاش (١٣٠٩)

استت سری جگناتھ جی

جگناتھ جگدیش کہائی — اچھا کر گیو لوک سے دہائی-
کوئی کلپ ست جگ کی- مائین — پراچین مندر من بھائی-
جو پرشٹ و پادے مندر کا — چتر بھوجی روپ ہو جائی-
درشن در لب منش دیہہ کو — اندر و من سپنی سمجھان
پرگمت کی یہ مندر آوکو — بھگتن کی سب سندہ چھورائی-
اندر و من کی بھگت پریم سی — آپ ہی روپ رہی بن آئی-
انپو روپ بلبھدر سو بھدر — اپنے ہاتھ سے آپ بنائی-
سری برھما کینوا ستھاپن — ترلوکی مین آپ پوجائی-

سکتی سہت دیو سب تیرت
چڑھے بوان دیو درسن ہت
بڈھ ہ اوتار نام کل جگ مین
وچین دسا تیرے رتن اگر
پوری پوا آبھاست پکوانا
نت نئی بھوگ پدارت بنجن
کھا برلون پرشاد کے مہان
ہوت آرتی بھوگ کی بریان
ذرت پانت اچار کھا کچھو
نت آنند کہت نہ آوت
درس عتاب درس کو بھوکو

اپنو آپ ہی روپ دیکھائی
باجن سہت پہپ برسائی
روپ انوپ سبھی درسائی
کنچن پوری اوتم بسوائی
بھانت بھانت کی بھوگ منگائی
کتہ مٹھہ ہنکی سب ہی سوہائی
جو دیکھو سو من للچائی
دیکھت من آنند لسائی
ہاتون ہاتھ آپ لٹوائی
بیکنٹھ سے مہان آدہ کائی
درسن دیو جگت مین بہائی

॥ १२६ ॥

जगन्ना। ... दोश... ... ाये ॥
कोईकल्पसत ... केमाहो ... ाये ॥
याग्रसा पावैम - र का चिभ्रभुजीरूपहोजा ॥
दरसन लेभम सदेह को इ दमनसप ... ॥
परघटकिये यहमंदिरआदिको ॥ भक्तनकेसबवेदछोडाये
इन्द्रदमनको भक्त प्रेमसे ॥ आपहिरूप ... न आये ॥
अपनोरूप बलभद्रसुभद्रा ॥ अपनेहाथसे आप ... ये ॥
श्रीब्रह्माकीनोस्थापन ॥ त्रिलोकीमे आप ... जाये ॥
भक्तीयाहिन ... बसबतीरथ ॥ अप ... पहिरूपदिखाई ॥
चढ़िबिमानदेवइन्द्रसनाथ ... त। बाजनसाहेतपावकबरसाये ॥

बुद्ध अवतार नाम कलयुगमें रूपञ्ज[illegible] अबा[illegible]इ दरस दे ॥
दक्षण[illegible]दिशातीर रतनागर ॥ कंचनपुरी उत्तम बस [illegible]ये॥
पूरीपु आभालपकवा ना ॥ भांतिभांतिके भोग मगाये॥
निरनये भोग पदारथ व्यंजन ॥ स्वादमिठनी के सबहि सुहाये
कहां धर नूपर सादकी महिमा ॥ जा[illegible] [illegible] [illegible]लचाये॥
होत आरती भोगकी बेरिआ ॥ देखतमन आन [illegible]न समाये
जातपात आचार [illegible] [illegible]हा थो हाथ आप लुटवाये॥
नित आनंद कहे तन आवत॥ बैकुंठसे महेमा अधिकाये
दासमहेनाब दरसके [illegible]रिवो॥ दरसन दे[illegible] जगतमन भाये

॥१३७॥

गंगा[illegible] जगतारनी माता ॥ तिरलोकीके [illegible]ग ॥
कोइ सुरसुती ज[illegible]नागोदावरी॥ कोई तिरबेनी गाता ॥
रूप बहे शट कियोबा[illegible]नजो॥ एकपग धरनी अगासा ॥
चरनधो[illegible] कामंडललीनो॥ ब्रह्मदेव[illegible]रजा [illegible]ता॥

استت سری گنگاجی

گنگی تم جگ تارنی ماتا ... ترلوکی کی ...... داتا
کوئی سرستی جمنا گوداوری ... کوئی تربینی ..... گاتا
روپ بہراٹ کیو بادن جی ... یک پگ دہرنی ... اکاسا
چرن دہوی کا منڈل لینو ... برہم دیو سر ..... گیاتا
وہی جل ادہار جگت سب ... بیاگیرت ...... بہراتا

جنگی پر کہا پری نرک مین	تارن کی من آسا
بنتی سہت بشیشٹھ کینے	دن دن رہت اوپاسا
ہو پرسن بہاگیرتی پر گٹ	تاری نرک کی ...... پاسا
مہادیو کے سیس پر اجت	تین لوک سر ...... ناتہا
تم اسنان چلی پگ یک یک	ہو اسمید جگ جگ ...... مگتا
ہو ادہار جگت تم درسن	بید کہت یہہ ...... باتا
جو درسن اشنان کری تم	ہو ابکنٹھ .... نواسا
درسن ہتاب ہبا تپتی کو	تار دجگ کی .... ماتا

वोहीजलउद्धार जगतहित॥भागीरत रमा ता॥
जिनके रखा नरकमा॥तारन नकीमन आ सा॥
बिनतीसहित कीनी॥दिनो सा॥
हा रसनभागीरथपरगट॥तारे नरकके बा स॥
महादेवकेसीसबिराजत॥तीनलोक रमा ना॥
मस्नानचलेपगयक को॥ समेधजज्ञजिजबका॥
उद्धार जगततुमदरसन॥वेदकहतयहबा ता॥
जो रसनअस्नानकरेतुम॥होवेकुंठनि [redacted] ना॥
हापतीतीको॥ताराजग माता॥

۱

بعد اختتام یہہ چند بھجن تصنیف ہوا سوا سے لکھے جو

نیلا نت نئی مادہو کیسو

۱

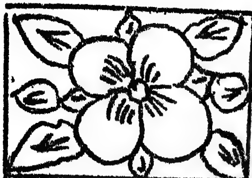
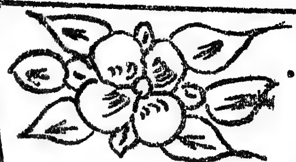
خالی بہری بہری ڈہر کا ہوبے
لکھی کپار مٹی نہین بدہسنا
ردہ سدہ نونذہ پدار تھہ
سُرن مُن سے بہگت ات پیارو
مایا جن موہے ... ترلوکی
داس متاب کہت چپ بیٹھو

جو چاہے کرے ۔ مادہو
کرم جنم پہل ... لیکہو
بہگت سب ... دیکہو
بہگتی کو پہل ایسو ...
برمہہ ردہ کہا ... کیسو
جو ہووے سو ... دیکہو

बाद इरन्न नामयह चन्द भजनलसनीफहुएइसीवास्लेदर्ज
हुए

नीलानितनई माधो केशो

खालीभरैभरीढुरका वें   जोचाहैकरे मा. धो ॥
लिखीकपारमिटनहीबिधना कमजन्म फललेखो ॥
रिद्धिसिद्धिनौनिधपदारथ भक्तकरोसबदी शो ॥
सुरनमुनिनसेभक्तअतिपियारो भक्तीकोफलए शो ॥
मायाजिनमोहेतिरलो की ब्रह्मरुद्रकहाके शो ॥
दासमहताबकहतचुपबैठो जोहोवेसोन रवो ॥

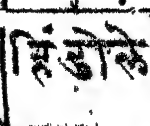
هندولی

آج سکھی جھولت گوکل ناتھ

۲

رتن اسول ہندولا ہو ہو سولی
چلو چلو جی ہن ہندرا ہو بن
سنگند ہر پ انیسر اقوتت
چنگ رباب چپار ہو ہو منچہ
دیپ کھی ہی مرچنگ اوپنک کوئی
کوئی ستار طنبور بجاوے
سنت چلی برکھ بہان دو لاری
برچہ لتن ہن جیپ کے پیاری
شام گھٹا ہیں چمکے ہو ہو بجلی
دور چیت آلنگن ہو ہو کنیع
ل بیٹھے دوار ہو ہو ہنڈولا
کوئی میوہ پکوان ہو ہو بہانت کی
کوئی ہار عطر کوئی ہو ہو امبر
کوئی دیپ لائے الایلی
تنی تنی بوندن میہا برست
داس مہتاب جگل جوری پر

متشئین کو سب ہو ہو مڑ نہاٹھہ
جیب دیکھن سرجھہ ناتھہ
راگ ملہاران ہو گاتہہ
بین مردنگ ہو ہو بجاتہہ
کوئی سارنگی ہو ہو ہاتہہ
کوئی الگوزہ سناتھہ
سب برج بنیتا ہو ہو ساتھہ
جیب نرگین ہو ہو نچ ناتہہ
دیکھی ملدہر ہو ہو بہراتہہ
عوبہی الوگی ہو ہو سوہاتہہ
سکھیان منگل ہو ہو گاتہہ
لاوت ہاتون ہو ہو ہاتھہ
کوئی کرچمر ہو ہو ہلاتھہ
کوئی بیڑی ہو ہو کہلاتہہ
ساون ماس بگھاتہہ
بار بار بل جاتہہ ہو

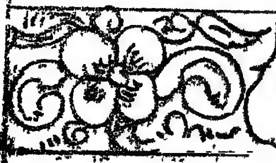



आजसखीझूलतगोकुलनाथ



रतननअमोलहिंडोलासोहे सुतियनकोसबहा थ॥
चलोचलोजैहैंबिंद्राबन छबदेखैंबनहूजना थ॥
झरगंधर्पअबसरानित त रागमल्हारगा थ॥
चंगरबाबफाफमंजी रा बीनमिरदंगबजा था॥
दुफरवंजरीमोहचंगउपंगकोई कोईसारंगीहा थ॥
कोईसितारतबूंराबजावे कोई अलगोजासुना थ॥
सुनतचलीवृषभानदुलारी सबब्रजबनतासा थ॥
कुंजलतनमेंछुपकेंप्या री छबनिरखैंमोहना थ॥
सामघटामेंचमकीबिजली देखेहैंअंबरभा थ॥
दौरझपटआलागगनकीनो जोरीअनोखीसुहा थ॥
मिलबैठदोऊहिंडो ला सखियांमंगलगा थ॥
कोईमेवापकवानभांत के लावतहाथोंहा थ॥
कोईहारअतरकोईअम्बर कोईकरचमरहिला थ॥
कोईधुपदमल्हारअला पे कोईबीडीखिला थ॥
नन्हींनन्हींबूंदनमेंहाबरसत आवनमामाबिरंवा थ॥
दासमहताबजुगलजोरीपर बार बार बलजा थ॥

ایضاً



ابھی پیا آیو سراون ماس



من ابلاکھا پورو ہو ہو سامی ہو بگیئن کرو ہ ہ ہ بلاس
دارقدم کی پڑو ہی ہنڈولا پورن کرو شب آس
عطرپان میوہ ہ ہ ہ پکوانا سب سامگری ہ ہ پاس
للتا چمبر کہا ہ ہ بجتا ہ چاو بکینتہ ہ ہ ہ نواس
تال مردنگ بجت ہ ہ سارنگی الاپت سب سکھ راس
کیرت ستا سکیان آنندت ناچت گات ہ ہ ہلاس
نٹور روپ چلے ہندرا بن سکیان دیکھ اڈواس
ہل مل بیٹھے دوآؤ ہنڈولا دور کیو سب تراس
راس بلاس کیو بہو گرو سب سب کو دیکھ تراس
داس عتاب ورس کو ہونکو داسن کو ہی ہ ہ واس

अजीपिया आयो श्रावनमास

मनअभिलाखापूरीसा मी	नगीयन करोबिला स
हु[illegible]कीपरोहेहिंडोला	पूरनकरो लब आ स
[illegible]पानमेवापकवा ना	सबसामग्रीगरीपा स
ललताचमरबिसाखाबिजना	चले[illegible]नवा स
तालमृदंगबजतसारं गी	आलापतसबसुरवरा स
कीरत सुनासखीया आनंदित	नाचतगातहुला स
नटवररूपचलेहिंद्राब न	सखियांदेखउरा स
हिलमिलबैठेदोउहिंडोला	दूरकियोसबभ्रा स

रासविलासकियोबहुगिरधर [illegible] स ॥
रासम [illegible] रसमकोभूको ॥ रासनको [illegible] स ॥

ایضاً

آج بگین مین چلو گردہاری جی

ساون ماس لگی جہڑ نیکی — پھول رہی پہلواری جی —
جوہی چنبیلی بیلا موتیا — گل شبوات نیاری جی —
مدن بان کیوڑا سیوتی — گل طرہ گل ناری جی —
گل ہیچہ گلاب گل لالہ — داؤدی پانت سنواری جی —
کند مولسری دونہ مروا — گل مہدی ات بہاری جی —
گل چاندنی چمپا گیندا — سہران بہت ہزاری جی —
کہان لون برن کرون سب نامہ — برکھا کہت پوکاری جی —
رت بسنت امنڈکے آئی — ساتھ لیے گل کیاری جی —
سب ہی راگ راگنی جڑکی — گتم سہت پگ دہاری جی —
الاپت ہین گندہرپ اپسرا — ناچت دی دی تاری جی —
چرلوان دیو سر آئی — درسن کی بہکیاری جی —
دادر مور پاپیہا بولت — کویل کوکت پیاری جی —
امبوا کی ڈاری پر ہی ہنڈولا — چلو چلو ہنواری جی —
ساز سماج کیو سب سکہیان — چندری چیر زرتاری جی —
سب سنگار ابوسن تانا — شوہی برکہہ بہان دملاری جی —

بھینی بھینی بندین برست میہا — آسا پورو کسوری جی —
گہری پریت دیکہہ گوپن کی — پگ دہاری ہین مراری جی —
ات انند ست دوا بیٹہے — رل مل پیا پیاری جی —
ننہے ننہے جہوکا دیت سکہی سب — بار بار سب باری جی —
داس متاب شام سا یار — تن من سے بلہاری جی —

आनबगियनमंचलोगिरधारीजी

— आवनआरा लगीकरनीकी — फुलरहीफुलवारी जी —
— जुहीचमेलीबेलामोतिया — गुलसब्बू आतिथारी जी —
— [illegible] बडासेवती — [illegible] गुल नारी जी —
— गुलपेचागुलाबगुललाला — हाऊदीपांत सवारी जी —
— कुंदमूलसिरीदोनामरवा — गुलमेंदी आतिभारी जी —
— गुले चांदनी चमपागेंदा — नहरांवहित हजारीजी —
— कहांलोवरन सबनामा — वरखा करहत पुकारीजी —
— [illegible] उमडके आई — सातंल्यिये गुलकियाराजी —
— सबहीराग रागनी जडके — [illegible] धारीजी —
— आकापनहैगंधर्पअप्सरा — नाचत दैदै तारीजी —
— चढबिमानदेवसुरआये — दर्शनकीभीखियारीजी —
— दादुरमोरपापिहाबोलत — कोयलकूकनप्यारीजी —
— अमुवाकीडारीपरोहैहिंडोला — चलोचलो [illegible]जी —

— साज समाज कियो सब सखियां चुंदरी चीर जरतारी जी —
— सब सिंगार आदि गनाना सोहे वृषभान दुलारी जी —
— भीनी भीनी बूंदन बरसत मेहा आसा पूरी किशोरी जी —
— [illegible] पग धारे हैं मुरारी जी —
— आनि आनंद हिंडोला बैठे हिल मिल प्यारा प्यारी जी —
— नन्हें नन्हें फूंका देत सखी सब बार बार सब वारी जी —
— दास महताब श्याम श्यामा पर तन मन से बलिहारी जी —

ایضاً

آج سکھی جھولت کرسن مراری

سروپ انوپ بنوت نند لالا — مور مکٹ کی باری —
پیتا مرکٹ کا چینی سوہت — کندل کی چھب نیاری —
مرلی ادہر مدہر سر باجی — پران ناتھ کی پیاری —
ایجا قت سب راگ راگنی — رت بسنت پگ دہاری —
پہولن کو سوہت ہنڈولا — ریسم کی بیچ دوری —
جہولنکا دیت چندراولی للتا — اور برکیہ بہان دولاری —
کوئیل کوکت مورا یولت — اور پہولی پہلواری —
رادہا کرسن جگل جوری پر — سب ہوت بلہاری —
کوئی چمر ہلاوت ٹہاڈی — کوئی پہولن ہار سنواری —
بہانت بہانت کی میوہ لیاوی — ہاتھ لئے کوئی جہاری —

پکے پکے پان کی بڑیان کھلاوت	کوئی نرکھت چھب سہاری
داسس مہتاب نچھاورتن من	سری رادہا گردہاری

आजसखीफूलत कृष्णमुरारी ॥

सरूपअनूप [illegible] मोरमुकटकेधारी ॥
प[illegible] कसकाछन[illegible] [illegible]डुलकोछबन्यारी
मुरलीअधरमधुर[illegible]बाजो प्राननाथकीप्यारी
[illegible]बजावतसब [illegible] रितुबसंतपराधारी
[illegible]लहिंडोला रेसमकीपचडोरी
[illegible] चंद्रावलीललता औबृषभानदुलारी
कोयलकूकत मोरबोलत औरफूलीफुलवारी
राधाकृष्ण[illegible]लजोरीपर सब[illegible]
कोई चमर[illegible] कोईफूलनहारसंवारी
भांतभांतकीमेवामिठाई हाथलियेको[illegible]
प[illegible]पकपानकीबिडियांखिलावत कोई निरखतछबराडी
रास[illegible] श्रीराधागिरधारी ॥

ایضاً

سنڈولا جھولت گردہرلال

سانولی مکٹ بجیتر مرلی	نٹور سروپ بیال
آیوسنی رہیر تانا بہانت کی	اوری کا چھینی سال

رتن جڑت کو بنو ہے ہنڈولا	کام کیوات جال
کنچن کھم آمول براجت	نرتت گوپی گوال
آئی رادھا برکھبھان لاڈلی	چلت ہنس گج چال
کوئی مردنگ بجاوت بینا	کوئی ناچت دے تال
جھولت شام جھلاوت پیاری	گاوت مدن گوپال
کبھی جھلاوت پیا پیاری کو	ننھے ننھے جھوکا سمال
کبھی مل بیٹھت دوا دو منگ سے	الاپت ٹپہ خیال
کبھی سکھیاں جھولت ہل مل کے	جھوکا دیت نند لال
چرن جیب جوری رہی ینکی	جھولو سالن سال
داس مہتاب بنیا بسو جوری	جا سیے کبھے جنجال

हिंडोला [illegible] लाल

—साजत [illegible] करीपनस्वर [illegible] रलो नटवरस्वरूपविसाल ॥—

—आवृषण [illegible] स्नानाभालक आर [illegible] नौसाल ॥—

—रतनजडितकोबन्यौ हिंडोला कामं [illegible] ॥—

—कनचनखम्म [illegible] [illegible]तगोपीगुवाल ॥—

—[illegible] राधावृषभानकाडली [illegible] वालकाल ॥—

—कोईमिरदंग [illegible] ना कोई [illegible] ॥—

—फूल [illegible] स्यामफू [illegible] वनप्यारी [illegible] गोपाल ॥—

—कभीफूला तप्यापारीका न [illegible] ॥—

कभीमिलबैठ होऊ उमंगसे आलापनटप्पा ख्याल
कभीसखियांफूलतहिलमिलके झोकादेतनं लाल
चिरंजीवजोरी बहनीकी फूलो साल साल
दासम ताबा मावसाजोरी जासे करे जंजाल

ایضاً

ہندولا جھولت برج گوبند

کہا برنوں چھب رتن ہندولا	بیٹھے آنند کند
را دہا اد ہک سب سکھی جھولاؤ	سری گوبند نند نند
درسن لیو پیا پیار ری	دور ہوت دکھ دند
جسو آنند انند دیکھ چھب	بل جاوت ایپ نند
سیلواری پہولی چون من من	چلت اد منگ سوگند
پرمعالک سب ہوت نچھاور	سری رادہا سکھ کند
گوپیاں سب جھومے پیاں ہولاری	اور سب گوپن سند
داس مہتاب کی ہیا لالی	اور لیو گوکل چند

हिंडोला फूलत ब्रज गोविंद

क. [illegible] हिंडोला बैठे [illegible] कन्ह [illegible]
राधा [illegible] श्रीगोविंदनंदनंद
दर [illegible] [illegible] सुखदेन्द ॥
॥ [illegible] [illegible]

जसुधा नन्द आनंद देख वछव वल जावत उपनन्द ॥
फुलवारी फूली चहुं दिसमें चलत उमंग सुगंध ॥
ब्रह्मादिक सब होत निछावर श्रीराधा सुखकन्द ॥
कोरबरसजियोभानदुलारी औरसब गोपिनसिद ॥
दासमहताबके हिय पानवीली और बसो गोकुलचन्द ॥

ایضاً

پیاری جی جہولت پیا کے سنگ

الوہم نبو ہندولا سندر	دوربے لگے بچرنگ
رتن جرت کی کہم – الوکی	جہالر لگا – رنگ
لبستر ابوسن ردبن موتی	پیراوت ہین دنگ
گوجری وارت گلی ووین کی	ہاران رنگ – برنگ
چندراولی بجاوت بینا	للتا – ہاتھ مردنگ
سارنگی بیندرا ای کرمین	سکھی لیا کہا چنگ
چمپا جھانجھ مجیرہ کملا	الوہم ہاتھ اوپنگ
اوتم میوہ سرچہ شیاتی	رپ وتی جھاری گنگ
انندا سکہ ہندا جہوکا	ہندا سکھی موچنگ
سکھن چہرکا لنبی بجھا	پیسمین چہرسنگ
مہادیو برمہا سب وہائی	سرکنر – بجرنگ
گندہرپ گات الیرانا چت	سب من درس اومنگ
ریت اسلیں کنونہ گردھرکو	ابھرزاوہا چہنت رنگ

داس مہتاب یہ ہی مانگت ہے	رہوں چرن نت سنگ

प्यारीजीफूल[illegible]

अनुपमबनोहिंडोलासुन्दर डोरीलगीपचरंग ॥

रतनजड़ितकेखम्भअनोके झालरअंगारंग ॥

नकाआभूषणरूपनमोती पैरावलभईदंग ॥

गूजरी [illegible] रोपानके झारीरंगबिरंग ॥

न[illegible]बजावततीनी कलताहाथमिरदंग ॥

सारंगीमिहरालियेकरमें सखीविसाखाचंग ॥

चम्पाझांझमजीराकमला अनुपमहाथउपंग ॥

उत्तमसेवासरजोमिठाई रूपवतीझारीगंग ॥

[illegible] सखी [illegible] ॥

[illegible] नचमरकालिंदी [illegible] पैरच[illegible]रंग ॥

महादेवब्रह्मासबआये सुरकिन्नरबजरंग ॥

गंधरवगातअप्सरा नाचत सबमन [illegible] उमंग ॥

इतअससिकुंवरगिरधरको [illegible] गचितरंग

दा[illegible] हरताबयहीमांगत [illegible] ॥

کیا خوش نمائی بانکی ادا انداز کی	من ہر لیا ہے ترچھی نظر نے گوپال کی
بانکا سروپ مورمکٹ کانوں کنڈل	بیچ میں چاند جڑاو مکٹ ہیرے و لال کی
چہرہ ہے کیا منور جنون ہر کیا غضب	تعریف کیا کرے کوئی حسن و جمال کی

جھولے ہی بندرابن مین ہندولے ہین رنگ برنگ سکھیان جھولا کے گاتی ہین ملار خیال کی
چنگ و رباب جھانج مجیرہ ہے خوش ترنگ سارنگ طمورہ خوب سدا ہے کرتال کی
مردہنگ بین ہاتون مین مرچنگ اور ستار کیا صفت ثنا ہو سکے انکے کمال کی
بن ٹھن کے جب نکلتا ہے موہن سری کشن مہتاب فدا چال پہ گردہر گوپال کی

क्यारवुस नुमाहै वाकी श्रा[illegible]लकी।गा मनहररलियाहै[illegible]
छीनिघाने गोपालकी॥ बांकासरूपसिरपै मुकट कानमें कुंडल॥
भुजबंद जडा ऊधुक धुकीहीरे वलालकी॥शहराहै क्या भुनवर
चितबनहै[illegible]गजब॥तारीफ क्याकरें कोई हुस्नो जमालकी
फूलेहै ब्रिक्ष बनमे हिंडोलेहैं रंगबरंग॥ सखियां झुला के गा
ती[illegible]॥ चंगोरूबाब झांझ मजीराहै खुसतरंग
सारंग त[illegible]रखूबसदाहै करतालकी मिरदंग बीन हातोंमे मुरचंग
श्रौरसितार क्या सिफ़्सना होसकै उनके कमालकी॥बनठनके
जबनिकलताहै मोहनश्रीकीशान॥[illegible]फ़िदा चालपैगिर
धरगोपालकी॥

ایضاً

جھولے ہیں [illegible] [illegible] ہیں
زیور مرصع جوڑا مسجّر ہے زیب تن نبنج جڑاو چمکے ہے بازو پہ نور تن

خورشید قمر حور ملایک فدا ہوہین
جن تہین کے گوپ گوال بہی حاضر ہین اب
گاتے ہین بجاتے ہین گل رنگ گلبدن
برسات ہی بادل ہی گھٹا چھائی ہی بن بن
اقسام گل سے رنگ برنگ ہے گلشن
جہولین ہین نندلال سری رادہ رمن
سب حور پری ناچین ہین کیا خوب ہین ہن
ہر حال دم ولحظ مجھے دے یہ ہے اسن

بنسی بجا بجا کے وہ موہا ہی سب کا من
جھولا جھلا کے دل سے تصدق ہیر موہن
متوالے ہین مدہوش ہین کیا خوب ہی جوبن
پانی برس رہا دیکھو بجلی کی کیا فبن
کویل پپیا بولین ہین ہر شاخ در چمن
کیا موسم بہار ہے گلزار ہے گلشن
جہولین ہین شام سا ما خوشی سے تمام دن
مہتاب چاہتا ہے دلو جان سے اب بھجن

फूलेहे एसबागमे फलाश्रीकिशान ॥ शिरपे मुकटहे मोरका और बाकी सबधरन जेवर मुरस्सा जोडा मुसजरहे जबतन ॥ गुजबंद जडाउ चमकेहे बाजूपे नौरतन खुशेर कमर हूरमलायक फिदामोहन ॥ बसी बजाव जाके शोभा हाहे सबकामन ॥ बनठनके गोपग्वाल भीहाजरहे [illegible] ॥ फूलाफू [illegible] दिलसे तसदुख श्रीमोहन ॥ गातीहैं बजातीहैं गुलेरग गुलबदन ॥ मतवालीहैं मदहोसहैं क्याखूबहे जो ब[illegible]हैं बादलहे घटा छाइहे बनबन ॥ पानी बरसरहा देखो बिजलीकी क्याफबन एकसाम गुलसेरग बरसब्जहे गुलसनको यल पपेया बोलेहैं ह[illegible] चेमन फूलेहैं नन्दलालश्री राधिका रमन ॥ क्यामोसमब[illegible]रहै [illegible]जारहे गुलशन ॥ सब [illegible]परी नाचे[illegible] क्याखूबिही [illegible]नठन । फूलैहें स्याम स्यामा खुसीसे-

तमामदिन ॥ हरहालदमौलह जामुजैदमहीअमन ॥ अह
नाब सा ... है हिलोजांसे अवमजन ॥

موہن رکھے خوشحال موہن لعل کو ہر دم
بھگتی پریت رہتے ہے سن اٹھتر سو چھترن
ہر دن نئے نیا کھاٹ ہنڈولے نئے ہر روز
کیشو کی بھگت پر ہین کیشو معہ ستیل
ستیل سر یک کیشو ہے انکے سات
بھگوت کی بھگت پریت مین دل جان سے حاضر
ہین نت نئے ہنڈولے بارہ دری جھولے
لیا روشنی کا ٹھاٹ ہے سہرے نہ جسیہ آنکھ
اب یک ہجوم ہوتا ہے درسن کو بسطے
یہ بھگت اشتیاق مدامی رہے انکو
خورد و بزرگ سب کو اوسی نام کا سمرن
موہن کی موہن لعل کیشو کی کیشو بھگت
راست اس غزل کے مصرعے جوڑے کوئی حرف
انکو سر سبز رکھے کرسن رادہ کا ہر حال

موہن مراری بہائی رہین شاد و خورم
جھولے کتے آغاز ہنڈولے کئے قایم
جھولین ہین جسمین کرسن سری رادہ کا دایم
موہن کی محبت و مودت مین ہین ہمدم
نت گارتی سنگار مین مستعد مین لازم
جہانکی نئی نئی مین ہین مصروف و مادم
یہ دیکھ انکی بھگت کو ہوئے سبھی نادم
ہر روز کیرتن ہوتا ہے دم بدم
دستور جہان ان پہ رہے کرسن کا کرم
نت بھگت سری کرسن کی دلمین ہے جم جم
ہین اعتقاد کرسن مین دل جان سے خادم
آباد رہین شاد مدامی رہین خورم
مبارک ہووے اونے سن صدر اوسیکا کرم
یہہ ہی دعا صاحب ہے دایم رہین قایم

मोहनरखेखुशहाल मोहनलालकोहरदम ॥ मोहन मुरारी भाईकोरहैं
शादोखुर्म ॥ भक्तीप्रीतरीनसे सननेरांसोच्छेमें ॥ झूलेकी आगाज
हैं डोलेकी कायम ॥ हरदिनहै नया थाट हंडोलेनयेहररोज ॥ झूलेमेंहैं

जरा मे क्रोस्त आरामे कादायम ॥ केशोके भगत प्रीतमे ॥ ऐसे शीतल मोहनके महबत व मुबदतमे हें हमदम ॥ सीतल शरीक केशोके शाह उन्हाके साथ ॥ नित आर्ती सिंगार्मे मुस्तेद हें आजम ॥ भगवत की भगत प्रीतमे दिल जानसे हाजर ॥ काकिनयी नयी मे मसरो हें हरदम ॥ हें नित नयेही डोले बारादरी फूले ॥ यह देख उन्हकी भक्त कोह्रोन सभी नादम ॥ [illegible] नीका भार हे ठहरे न जिसपे आंख ॥ हररोज कथाकिरतन होताहे [illegible] ॥ अब एक हजूम होताहे दरशनके वास्ते ॥ मशहूर जहां उनपे रहे कृष्ण का कर्म ॥ यह भगत इशत्याक सुदामी रहे उनको ॥ नित भक्त श्रीकृष्णकी दिल्मे रहे जम जम ॥ खुर्द बुजुर्ग सभको उसीनामका सिमर ॥ हे एतखाद कृष्णमे दिलोजानसे खादम ॥ मोहनके मा[illegible]नलाल बकेशोके केशो भगत ॥ आबाद रहें सार मदामी रहें खुर्म ॥ रास्त इस मजलके मिसरे जो कोइ ले हरफ ॥ [illegible] बारकहो व उन्हे सुनसरर उसीका कर्म ॥ उन्हको सर सब्ज रखे कृष्ण राधका हरहाल ॥ यहहि दुआ महताब हे [illegible] कायम ॥

ڈار دے ہنڈولا نیارے سنگ نہ جھولونگی

ڈوار آڑے کیوں ہا ہا کرت ہو | مین تو کپڑیان اب نا کھولونگی
پیّان پر و کرو بنتی لاکھ اب | گھوٹ جتن کرو موَن نہ بولونگی
جاؤ جاؤ جہان جھولے رین بھر | اب نہ ستاؤ موہ نا تو جھگڑونگی
داس مہتاب ہٹیلی سری رادہا | جھول کے نیاری بولی ملکے جھولونگی

डारदेहिंडोला न्यारे [illegible] झूलूंगी

दुवार आडे क्यों हाहा करतहो | मेतोकवडियां अबनाषोलूंगी॥
[illegible]थांपरो करोबिनती लाखअ[illegible] | [illegible]ट जतनाकरोमोन बोलूंगी॥
जाओ जाओ जहांझुलेरैनभर | अबनासतावोमोनाते झ[illegible]गी
दासमहता[illegible] हठीली श्रीराधा॥ | झूलकेनयारीबोलीमिलकेझूलूंगी

ابتو نا جھولونگی ملکے جھولو شام نیارو

گوری جسودا گوری نند وا اڑو ۔ گوری روہنی تم رنگ کارو
کاری کاری کامر کاری شام تم ۔ ماکھن چور کہت برج سارو
سانچی سانچی کہو کہا تم کاری ۔ نہیں پتیارو شام تہارو
سن ری سکھی تو نہیں جانت ہی ۔ کانا کرسن جگت اجیارو
وہ ہی روپ رنگ گھٹ گھٹ میں ۔ سب گھٹ باسے شام ہمارو
چنچل چھیلی کنور رادہ کا ۔ پاین گر پری نند دلارو
پکر ہاتھ ل بیٹھے ہندولا ۔ کیرت ستا جسودا بارو
چرن جیب جوری جگ ماہین ۔ دا بس مہتاب ہیا لبسو پیارو

अबतोनाफ़ुलूंगी मिलके फ़ुलोस्यामन्यारो

गोरीजसोदागोरे नंदबाऊ ॥ गोरीरोहिनीतूमरंग कारो ॥
कारीकारीकामरकारे स्याम[illegible]म ॥ माषनचोर कहत ब्रजसारो ॥
सांची साची कहो कहा तुम कारे ॥ नहीं पतियारो स्यामतुमहारो ॥
सुनरीसखीतूनहीं [illegible] ॥ काना[illegible]जगत उजया[illegible]रो ॥
वोहहीरोपरंग घट घट में ॥ सब [illegible] वासो स्याम हमा[illegible]रो ॥
चंचल छबीली कुंवरराधका ॥ पायनगरपरी नंद दु[illegible] ॥
पकर [illegible] मिलबैठी हिंडोला ॥ किरत[illegible]तायसा[illegible]रो ॥
चरणजीबजोरीजगमांही ॥ [illegible] ॥

جھولے ہنڈولے روز نئے کرسن منہرن
گت کاچھنی پیتمبر مرلی آدہر مدہر
سب گوپیون کی جان گئی آرزو دلی
ہم ہو یکہ دیکھہ روپ کو بلہاری ہوتی ہین
لیں کرماسات یاد کی چرلوگری آگر
لاکھون پری ہین جھولے والی قدم قدم
چھائی ہے گھٹا جیسے چمک بجلی کی پیاری
چارون طرف مین نرت کرین الپرا تمام
جتنی سروپ گوپکا اتنی گئی گردہر
یک پل مین گوپکاؤن کی خواہش لی ہین
دیون پی وہ دیال جو دل سے بھگت ہین
مایا کا اوسکی پار نہ پائیگا کچھہ شمار
درسن کو چڑہ یوان سبھی آئے دیوتا
دم بھر نہ تجھے بھولون کرون نت تیرا بھجن

ماتھے مکٹ آلو کا نیلا ہے سب تن
تنور سروپ بانکی وانت نئی چلن
جھولین ہنڈولی آپ سری رادہ کارمن
سب گوپکا ہین لاکھون اکیلی سری موہن
بن بن ہنڈولی پڑ گئی ہر یک رتن رتن
ہر ایک باغ باغمین اور ہر چمن چمن
پرلی فوہار رم جھم جھنکار لی پون
گندہرپ گابجا کی نچھاور کرین تن من
ہر گوپیون کا خیال انہا جیسہ پاس ہین موہن
یک ایک ساتھہ گوپی کے جھولے سری کین
سب گوپیون کی آس کو دم کئے پورن
کیا روپ ہی آنوپ ہے ظاہر وہ ہے باطن
برسائی پہول چھپ گئی سورج کی سب کرن
دل جان سے یہ ہی ہے مہتاب کا سخن

फूलेहिंडोलेरोजनयेकृष्णमनहरन ॥ माथेमुकटअनोकानीलाहेसभ
बण ॥ गतकाछनीपीतबरमुरली अधरमधुर ॥ नरबरसरप
बांकेअदानितनईचलन ॥ सभगोपीयोंकी जानगये आरजू
दली ॥ फूलेहिंडोले आपश्रीराध कारमान ॥ हमदेखदेख

रूपाको बलहारी जातीहैं ॥ सबगोपकाहैं लारवों अकेले श्रीमोहन
विश्वकर्मासातयारके चर्णोंगिरे आकर ॥ बनबनहिंडोले पड
ग्ये हर येकरत्नरत्न ॥ लारवों परेहैं फूले डाली कदमकदम ॥
हरएक बाग बागमे और हरचमन चमन ॥ हर[illegible] जिसमे
चमकाबिजली कीक्यारी ॥ पडतीफुहाररमझुमम [illegible] पवन
चारोंतरफमेनिरतकरें अपसरां तमाम ॥ गंधर्वगा[illegible] न
छांवरकरें [illegible] ॥ जितनस्वरू[illegible] गोपीकाउतनेकियेगिरधर ॥
हरगोपी[illegible] ग्वाल[illegible] रूपासेहै मोहन ॥ [illegible] गोपी
काचोकीरबाहशदिलीमिली ॥ एकएक साथगोपीके [illegible] ले श्री
क्रिष्ण ॥ दोनोपेवोहख्याल जोदिलसेभगतहैं ॥ सबगोपीयो
की आस [illegible] रममोकथे [illegible] र्ण ॥ माथाका[illegible] सकिपारनालीकाका
कुछशुमार ॥ क्यारूपहे अनूप हे जाहिर वोहही बातन ॥ दर्शन
को चडबिमान सबही आय[illegible] ॥ [illegible]
सूर्यकीसभाकिर्ण ॥ दसभर तुजेन [illegible] ॥ अंज
न ॥ दिलजानसे येहहीहेमहेता[illegible]सरवुन ॥

جھولا ڈلا دے باغ پیا آیا ساونا
برسے ہے میورم جھم بجلی چمک رہی
برسات ہو یا دل بہی ہو موسم بہار ہو
جھولیں سہیلی اور جھولاویں سکھی تمام
ناچیں الاپیں گاویں غزل ٹپہ اور خیال
سارنگ ستار بج رہا چنگ ور باب ہیں
دل میں قیام نام ہو رادہا کسن مدام

جھولیں ہنڈولے ہل مل پوری ہو کامنا
بس دل بہری یسی ہے پیا یہ ہے بہاونا
مدت سے تمنا تہی یہہ ہی یہہ ہی چاہنا
جھولیں پیا پیاری ملار گاونا
کی رنگ راگ ہو رہا مردہنگ بجاونا
جھولیں ہیں شام شاما ہردم سراونا
مہتاب چاہتا ہے یہہ ہی اپنی کامنا

झूला डालदे बाग पिया आया सावना ॥ झूलें हिंडोले हिलमि
लपूरीहोकामना ॥ वर्षेहै मयोरम [illegible] बिजली चमकरही ॥
बसदिलमेरे [illegible] सीहै पीया यहही भावना ॥ बर्षात है [illegible]
होमौसम बहार है ॥ मुद्दतसे तमन्नाथी येही यहही चाहना ॥
झूलें सहेली और झुला [illegible] तमाम ॥ झूलें पिया पियारी
म[illegible] गावना ॥ नाचें अला पें ॥ वें गा[illegible] टप्पा और ख्या[illegible]
[illegible] बजाआना ॥ सारंग सितार बज
रहा चंग और बाब बीं ॥ झूले हैं [illegible] श्यामा [illegible] सरावना ॥
दिल[illegible] श्याम नाम [illegible] राधा क[illegible] राम ॥ महेताब चाह
ताहे येही अपनी का[illegible]ना ॥

آری چلوری چلو چپ دیکھین بہلا
[illegible] مور مکٹ پیہری کا چہتیا
جیہ [illegible] دیوت ہے کہیان ستا
بوندیان برست چہلت پہری
کبہی جہوٹے آپ پیاری رادہا
کوکت مورین اور پاپیا
[illegible] ب ہلاوت ہے سدان

بندرابن جہولت نند لالہ
کانون مین کنڈل متین مالا
گاوین سکہی منگل ہنڈولا
اوریون ہلاوت ہے بجنا
کبہی جہوکا دیت ہے گوپالا
ملار گاوتی برج بالا
جوری سوہت جون گل لالہ

अरीचलोरीचलो [illegible]ला ॥ बिन्द[illegible]ण फूलतनन्द लाला ॥ सिरमा[illegible] करपहिरेकाछसोयाँ ॥ कानोमेकुंडल मुतीयनमाला ॥ फोका[illegible] वृखभान[illegible]ता ॥ गावेसखी [illegible]गलाहेंडाला ॥ बुंदियांवर्षत चमकतबेजुरी ॥ और पवन हलावत [illegible] बिजना ॥ [illegible] आपप्यारीराधा कबहीफोकादत [illegible]गोपाला ॥ [illegible]कतमारें और पापया ॥ मलारगावतीबृजबाला ॥ महेतावहलावत चमरसदा ॥ जोरीशोभित जयुंगुललाल ॥

اری دیکھو چلو برج ناری
جہولادت شام کو پیا پیاری

ڈارن ڈار ہنڈولے ڈاری
لیگہ آمول کنچکی بھاری
ویسو ہی سروپ بنو نندلالہ
جھولت شام جھلاوت شاما
بہانت بہانت کے باجن باجین
کوکت کویل مورا پاپیٹا
رم جھم رم جھم میہا برست
سر کنہرا کاس بھیٹر بہی
گاوت ہین گندھرب ملاران
سب ہی راگ راگنی جڑکے
سکھیاں جھولاوین منگل گاوین
داس مہتاب نچاورتن من

[illegible]ری پہنیاں دولاری
[illegible]سری چیر زرتاری
مور مکٹ کی ــ ہاری
چھپ دیکھین گردھاری
ناچین دیبے دیے تاری
پون چلت جھون آوری
بجری چمکت پیاری
زینت البر لہنیاری
رت بسنت پک دہاری
گگن گاوت ہنواری
ہل مل بارسے باری
رادھا کرسن مراری

अजीदेखोचलोब्रजनारी॥ फूलावतश्यामको प्यारो॥
डारो [illegible] री. डालेडारी री॥ श्रीवृषभानदु [illegible] रो॥
लहेगाअमोलकुंचकीभारी॥ पहेरीचीर जरतारी॥
वंसोहीसरूप बनोनन्दलाला॥ मोर [illegible] कटकेवा री॥
[illegible] फूलावतस्यामा॥ [illegible] गरधा री॥
भान्तभान्तकेबाजबाजे॥ [illegible] री॥
[illegible] कतकोयलमोर पापैया॥ पवनचल [illegible] चहुं [illegible] री॥

घुमड़ घुमड़ मेंहा बर्षत ॥ बिजरी चमकत प्या ——— री ॥
मुरलि सुर आकास भीर भौं ॥ निरतत अप्सरा के प्या ——— री ॥
गावतहैं गंधर्व मल्हारा … ॥ ऋतु बसंत पगधा ——— री ॥
सबहीं रागरागनी सुर के ॥ गुण गावत बनवा ——— री ॥
सखियां फूलावें मंगल गावें ॥ हिलमिल वारीबा ——— री ॥
दास महताब नछावर तन मन ॥ राधाकृष्ण सुरा ——— री ॥

ہنڈولا سنگو بنو بچرنگ

رتن آول کی کہم پراجت | دورے رنگا رنگ
جہالر شتین سوبت نینکے | جو دیکہے سو دنگ
کوئی سکہی بین بجاوت سندر | کوئی ہاتہہ مردہنگ
کوئی ستار تمورہ چہیڑے | کوئی ہاتہہ اونگ
کوئی سارنگ جہانج مجیرہ | کوئی باجے مرچنگ
الوہیم روپ رادہ کا پیاری | جہولت پیا کے سنگ
تا چہین گاویت الاپین سکہی سب | سب من نئی ترنگ
داس مہتاب یہہ ہی مانگت ہے | تم چرنن رہون منگ

۱۴۸

نا ما بلی سری بھگوان سہس اٹھائیس نام

گوبند باسدیو رام کرسن بنسی دہر شام سندر دین بندہ مادہو گردہاری
مچہہ کچھہ باراہ نارسنگ باون پرسرام جگناتھ اگلنگی بودہی تن دہاری
پرماتما پرمانند نرنگ کار نرگن نرلیپت دامودر کرناندہی بھگتن رکھواری
نرادہار بال کرسن مدسودن ترلوکی ناتھ نارائن جگدیس پربہو نیلا اوتاری
دوارکا ناتھ بیکنٹھ ناتھ گنجمیدر ناتھ پران ناتھ ناگ ناتھ پربہو ہی جدپت اسراری
بھگت بچہل بھگت پربہو نرنجن کرپاندہان نایک سربدہ اسر کیسو گھنسا ری
سچتانند ہری مکند پرنت پال دیاسندہ دین دیال نرکولی گیو وج نہکاری
سہس ہاتھ اناسی کہٹ باسی چودا ۱۴ بہوین وٹہل بھگونت لبن مور مکٹ دہاری
راگھو رگبیر رنگ ناتھ جاداین نٹ ناگر نندلول باک کانہے بہاری
بدری پت سنکاوک جوگ دہان اگہہ الگ لچھمی پت گوپی ناتھ موہن بنواری
رسبی گتی گنیا چرت پونتیا نگت موہ سالور یا البسر پرمیسر بھگوان پرم چاری

ملی رام و نیک دہار جگ جیون کنونل نین مرلیدہر چورامنی پیل دیو چاری

گھنندہ ستا کنتہا رادہا پتی بہگونتا گوپال کان چکر پان گوپردہن دہاری

سنگ چکر نیل برن گردہر کینبا لعل ڈسٹن کوگدا ہاتھ رچہک سرہودمی ہی پیتامر دہاری

جوت سروپ سکن روپ جہا پورکہہ آوپور کہہ ماکہن پر بہو نزناین مرلیدہر دہاری

ہنس سگریون موہنی اوتار ہنس روپی پورن برم جہا پر بہو ایک برم دتّا آچاری

رام سیا تا ایک ہی جن سکہہ دایک ہی ٹھاکر تہون لوک کنج بن بہاری

مانگت جہتا پر داس مرلی منوہر سی ہتا بین برات سیس چرنون بلہاری

نا ما بلی سکہہ بلاس بہگتی اوک سے پرکاس امرت کی کہان جان چدپتادہ کاری

نا ما بلی گاوی است سدہ پاوے تونذہ دین ہین شام مراری

नामवली श्री भगवान सहस अठा [illegible]

गोविंद वासुदेव राम [illegible] बनसीधर श्याम सुन्दर दीन

बन्धु माधो गिरिधारी ॥ म [illegible] बराह नारसिंह [illegible] परसु

राम जगन्नाथ [illegible] बोधे तन धारी ॥ पर्मात्मा [illegible] र मानंद ओनंर

कार निरगुण नरलिप्त दामोदर करुनानिधि भगत नर रवबारी ॥

निराधार बालकृष्ण मधूसूदन त्रैलोकीनाथ नारायण जगदीस

प्रभू लीला अवतारी ॥ द्वारकानाथ बैकुंठनाथ गजेन्द्रनाथ प्राण

नाथ नागना [illegible] प्रभू हे जदुपति असुरारी ॥ भगत बतसल भगत

प्रभू निरंजन [illegible] पानिधान [illegible] वरव ध [illegible] र स्कसोकंका

री ॥ सां [illegible] हरी मुकन्द अनतपाल दयासिंधू दीन दयाल [illegible]

त्रिलोकी गौ द्विज हितकारी ॥ [illegible] हांस अबनासी [illegible]

सी. चौरां भुवन विठल भगवंत विष्णु मोर मुकट धारी ॥ ॥
राघो रघुवीर रंगनाथ जारोवें नटनागर नंदलाल बांकाहे विहा
री ॥ बद्रीपति सनकादिक जोगध्यान अघ [illegible] णित
गोपीनाथ मोहन बनचारी ॥ अभिगति गुनिता चिरत [illegible] नीलावि
गत मोहू सांवरथा इश्वर प्रमेश्वर भगवान ब्रह्मचारी ॥ ॥
बलीराम धनुषधार जगजीवन कंवलनयन मुरलीधर चुडा
मणि [illegible] देव [illegible] ॥ सिंधसुता कथा राधापति भगवंता गो
पाल कांन [illegible] गोवरधन धारी ॥ संषचक्र नीलवर्ण गिरी
धर [illegible] दुष्टनके [illegible] रक्षक सुरभूमीहे पीतांबर
धारी ॥ जोतिसरूप सगनरूप आदपुरुष मारवन [illegible] नरनारा
यण [illegible] धर धारी ॥ मतस सुग्रीव नमोहिने [illegible] रहंस
रूपी [illegible] प्रभू एक ब्रह्म दत्ता आचारी ॥ रामसियाना
यक हजन [illegible] सदायक हे ठाकुर तहुं लोक कुंजवनविहारी ॥
सांगत महताव रास मुरली मनोहर [illegible] विराटसे
श [illegible] ॥ नामावली सुखबिलास भगती [illegible] धक
सेप्रक [illegible] अमृत की खान जान जदूपति [illegible] धकारी ॥ नामाव
लीगावे [illegible] सिद्ध [illegible] नौनिद्ध देहे श्याममुरारी ॥

नामावलीदेवीमहारानीसहस्र ऽठाईसनाम

तुहिदेवदुर्गाहैशक्तिभवानी ॥ तूहीयोगमायाहैश्रीमहारानी॥
तुहीचंडिकाचंडीत्रीलोकीरानी तुहींअम्बाजगदम्बाआदभुवा
नी ॥ तूज्वालामुखीकालीआनंदीतुलजा ॥ तूहीदेवीहरसदी-
गौरीसार्दा ॥ तुहीहिंगराजचतुरभुजीसीतला ॥ तुहीविंधवास
नीइश्वरीसीताऽम्बिका ॥ तुहीऽष्टभुजीभद्रकालीमोहिनी ॥
तुहीमहोधरीमेंसासुरमथनी ॥ तुहीसुंदरीछिन्नपदीचुडामणि
तुहीसावित्रीलक्ष्मीअंजनी ॥ तूबगुलामुखीहेमवन्तीपिंगुला

نامابلی سری دیبی مہارانی سہس اٹھائیس نام

توہی دیو درگا ہے سکتی بھوانی — توہی جوگ مایا سری مہارانی
توہی چنڈکا چنڈی ترلوکی رانی — توہی امبا جگدمبا آدہ بھوانی
تو جوالا مکھی کالی آنندی تلجا — توہی دیبی ہرسدی گوری سردا
توہی ہنگلاج چتربھوجی سیتلا — توہی بندھ باسنی ایسوری سیتا امبکا
توہی اسٹ بھوجی بھدر کالی موہنی — توہی مہودہری مہاسُر ہتنی
توہی سندری درد ہتی چورامنی — توہی ساوتری لچھمی انجنی
تو بگلا مکھی ہیم ونتی پنگلا — توہی مہامایا مہاکالی پالا
توہی مین اکچھی البیلی پورنا — توہی سرستی پاربتی مہایلا
توہی مرہی مرلوچن میگ پانی — توہی کرسن پنگلا بہمانی رودرانی
توہی کاتیری کام اکچھی اندرانی — توہی بسال اکچھی مدراپت رانی

تو ہی بیتا مری برالی کالکا — تو ہی آد جوت ہی جہادیوی مینا
تو ہی سنگ بہوانی بربہالی دوئی للتا — تو ہی کام روپی رکمن آور ادہا
تو موہنی گو بہری کرونده کنجنے — تو ہی ترسولی قردیت سنگارنی
تو ہی ربی بہان جنی جگ نندنی — تو ہی جہاجنی بہوین مین سمانی
تو ہی بیجاسن چترسنگی جہودہری — تو ہی ان پورنا منسی لنبی دہوری
تو ہی جام گربی پرمیسری مندری — تو ہی جہمادہر میسری کپالی جہمبری
تو ہی سکر جہاسکرا دہی سنکٹی — تو ہی بہونیسری کرالی ہنجنی ہسٹی
تو ہی جہامید ہار گنتی اندر سکتی — تو ہی رگت بیر مارتی کہرگ سکتی
تو ہی جہاموہنی جوت ماتا — تو ہی مندی جگ تارنی ماتی ماتا
تو ہی جگت مایا ہر سوکرما — تو ہی آپل دہالا پردوہی جگہہ مایا
تو ہی جگ موہنی کنو عل دل نواسی — تو ہی وبجنی سمیہ نسیہ ہٹنی
تو ہی نج ہی درگا دہرم چارنی — تو ہی یک اچہری جالندر نو دسنی
سہس اٹھائیس تیری نام جو لیوی — سبھی کامنا پوری یک چھن مین پاوی
تیرا داس جہناب جس تیرا گاوی — سرن مین تیری پاس اب کسکی جاوی
کری پاٹ نا مابلی کو لی رانے — ملی راسٹ تو نندہ دیوی بہوانی
پورو میری آسا ای درگا بہوانی — رکہوا پنی واسان و نین کی پانی

का कीनामावली

तूहीमहामायामहाकालीबाला ॥ तुहीमीनआक्षीऽलवेलीपू
र्णा ॥ तुहीसरस्वतीपार्वतीमहाएका ॥ तुहीभैरेमृतुपवनवेग
पानी ॥ तुहीकृष्णपिंगुलाब्रह्मानीरुद्राणी ॥ तुहीगायत्रीकामा
क्षीब्रह्मानी ॥ तुहीविशालाक्षीमहापतिरानी ॥ तुहीपीताम्बरी -

वराइकालिका॥तुही आदजोनहे म ःदेवीमैया॥तुहीसिंहभुव नीपभालिरुद्दललिता॥तुही का ः पी रुक ः णिआराधा॥ तूमोतीगोवरीकरोन्द्रकंजिनी॥तूहीत्रिशूलीमरूदेनसंधा गी॥ तूहीरवीभान जननी जगवन्दनी॥तूही म ःजननीभूवनमेसमा नी॥तूही जा स चतरसंगीमहोधरी॥तुही अनपूर्णीमसीनसी धूरी॥तूही जामगरवीपर्मेश्वरीमंदरी॥तूहीमहाधर्मेश्वरीकपालीमहे श्वरी॥तुहीशुक्रमहासुक्र अरहीसंकरी॥तुहीभुवनेश्वरीकरालीपं जीपरी॥तुहीमहामे ः बोदद्रशक्ती॥तुहीरगतवीरमारनीखर्क शक्ती॥तुहीमहामोहनी जातमा ॥तुहीमुंडीजगतारने॥ भावा॥ तुही जगतमा गअहरसुकर्मा॥तुही अपलधारापरहोइजगमाया॥ तुहीजगमोहनीकंवलदलनवासिनी॥तुही ःभ नसंवमथनी॥तुहीनिजहाद्रगाधर्मचारिणी॥तुहीएक ःवरी जालंधरनिवासनी॥सहस ःठादसतेरे नामजोकेवै॥सभी कामनापुरीपक ःनमेपा ॥तेरा ः म ःताबजससेरागा वे॥सरनमेतेरेपास अबकसकेजावे॥करेपाठ नामावलीको इरानी॥मिले ःष्ट नोनि ः वानी॥पुरोमेरीआसा ःदु गाभवानी॥रखो ःपनी ःसन्तानकी वाणी॥

॥ अथ स्तुति हनुमानजी की ॥

॥ केसरीमहावीरवजरंग ॥

कंचनवरण [illegible] वीविक्रम ॥ राम लखन सोषासं [illegible] ग ॥

विद्या ग्यान तहुं लोक उजागर ॥ रामकाजमनउमं [illegible] ग ॥

रामचरित्र [illegible] ननकरसिया ॥ मनबसेराम [illegible] ग ॥

महाभगतकोइभगवान [illegible] सा ॥ रामरामस [illegible] ग ॥

सुग्रीवभीविषनरा [illegible] दिवाय ॥ बालरावणकराभं [illegible] ग ॥

कूदसमुंद्रसा [illegible] हलाए ॥ नेककरीनदर [illegible] ग ॥

मारमहि [illegible] जीवन ॥ दसवराव गदं [illegible] ग ॥

अष्टसिद्ध नोनिद्ध रसातन ॥ दयाश्रीसीयाबिजर [illegible] ग ॥

नासेरोग [illegible] रेंस [illegible] डा ॥ अंजनी पुभनमं [illegible] ग ॥

रातदिवसतुमहरो [illegible] ॥ [illegible] ग ॥

दास [illegible] ताबिसरनतेरीहै ॥ अंतकालराहोसं [illegible] ग ॥

संकजरानहूअसुरसिंघारे ॥ भसमककीजै मुजे [illegible] ग ॥

استت ہنومان جی
کیسری جہا بیر بجرنگ

لکہمن برن مہابلی بکرم — رام لکہن سیا سنگ
بدیا گیان تہون لوک اوجاگر — رام کاج من اتو منگ
رام چرتر سنن کی رسیا — من ابسی رام ترنگ
مہا بہگت کو کی بہگت نہ ایسا — رام رام سب انگ
سگریون بہیکن راج دلوایا — بال راون کرا بہنگ
کود سمندر سیا سدہ لائی — بنک کری نہ درنگ
لنک جرا بہو آسر سنگاری — بہشم کری چون بہوجنگ
مار مہ راون لائی سرجیون — دیکہہ مراؤ نا دنگ
اسٹ سدہ نو ندہ درسا تن — دیا سری سیا بجرنگ
ناسین روگ ہرین سب پیڑا — انجنی پوتر نسنگ
راست دیو بہس تمرو گن گایون — بنک ندر کرو منگ
درس جہاب سرن تیری ہی — انت کال رہو سنگ

تمت

صحیح نامہ بھگتی پرگاس

صفحہ	سطر	غلط	صحیح	صفحہ	سطر	غلط	صحیح
۲	۵	ہم	تم	۵۷	۹	ہا	مہر
۳	۱	تنی	تنی ہی	۶۰	۳	نندارای	سندرای
الف	۹	جروا	جراو	۶۳	۳	سریگ	سرنگ
۴	۵	اگہہ	رگہہ	۶۴	۲	چاری	جاری
۷	۲	لہیو	لیو	״	۳	مینا	مہا
״	۷	لکر	کر	۶۵	۲	کول	لوک
۲۲	۱	اہی	ابہی	۶۹	۶	گہہ رکہو	گہہ راکہو
״	۳	و	تو	۷۱	۸	برہی	برہ کی
״	۲	توریخ	تورنج	۸۵	۴	موتن	سوتن
۲۴	۳	جنی	جگ جنی	״	۷	لڈ	لڈو
״	۴	دکہیت	دنیت	۸۶	۶	نہ پرت ہی	پرت نہین ہی
۲۸	۱	ہوری	تہوری	۸۹	۵	کیا	کیا
۳۲	۲	ابی	ربی	۹۱	۶	سرہ	ہرہ
״	۴	کت	کہت	۹۳	۳	پکرو	پکر
״	۳	ہہ	نہہ	۱۰۱	۶	داری	دوری
۳۵	۱	جنل	جنک	۱۰۶	۵	بہرج انگی	برج امی
״	۴	״	جنک	״	۹	کہواو	کواو
״	۶	نوک	لوک	״	۱۲	ایرام	ایرم
۳۶	۱	جنل	جنک	۱۱۵	۶	تم	مم
״	۳	کنشیو	کینو	۱۱۹	۴	مئووان	گیووان
۴۷	۱	داس	درس	״	۱۱	کبوکبنو	بہوکینو
۴۹	۴	بہبس	بس	״	۱۲	لہ	کہر
۵۱	۵	سیشو	سیو	۱۳۷	۶	کما	گنہر
۵۴	۸	اگہہ	رگہہ	۱۳۶	۳	تورجی	سوامی
۵۶	۷	انک	انک	۱۴۵	۳	ماروباہر	تاری ہو

صحت نامہ

ایضاً	۵	جون در	چون دس	۱۶۳	۱۵	ملوبس	بسوا بیس
۱۴۶	۵	جون	برن	۱۶۴	۱۲	جوبن وی	جوبن دی اس
۱۴۹	۱	کیسی	کیسو	۱۶۵	۵	کرم	دہرم
۱۵۰	۱	بھگن	بہلین	۱۶۷	۱۸	بٹ	ہٹ
״	۲	جہان	مہان	۱۶۸	۲	ایٹ	رہٹ
۱۵۲	۳	بسوری	بنواری	۲	۲	بیگ	جنگ
۱۵۳	۱	صرف مین	تیرت مین	״	۸	برجوبانند	برجناتہہ
״	۳	روان	راون	۴	۱	اکرو	کرو
״	۹	پالیو	پاپیو	״	۲	پہوان	پورن
۱۵۴	۴	سٹ	سُب	۵	۵	بنیاری	نیاری
۱۵۵	۱۸	اور	رڈر	۸	۱۸	ربیر	امیر
۱۵۹	۱	کنجن مین	بہولین کی کنجن مین بہول پیاری	״	״	مامی	ماچنہی
״	۱۴	سبی پلی اور را	پہان پلی پلی نند	۱۱	۱۸	مولری	سرپی
״	۱۵	بکی ان	ملی آج	۱۴	۴	مسین	فہین
״	״	لت	ات	״	۵	ہی گلسن	خوب ہی گلشن
״	״	ملبلاری	بہلاری	״	۷	جوب	خوب
״	۱۶	کہکچت	سکچت	۱۵	۱۰	لیا	کیا
۱۶۰	۹	سلی	سہیلی	۱۸	۲	دارو	داؤ
۱۶۱	۴	سسری	سری	״	۳	لکامر	کامر
״	۵	مرعری	جوت مری	۱۹	۲	بانکی دانت	بانکی ادانت
״	۱۴	پپا	پاپیہا	۲۱	۲	دسلمدی	دلمیری
״	״	دیکھیا	دیکھیہ	۲۵	۱۲	نندلول	نندلال
״	۱۵	بینہا	پاپیہا	۲۸	۱۸	پرہہالی	برہہانی
۱۶۲	۱۳	نوہای	شوہائی	۲۹	۲	رنکمن	رکمن
۱۶۳	۱۰	قدرو	قدر و قرو	״	۶	پہا	بہا
״	۱۵	ماوی سل	سال ہی سیتل	۳۲	۳	اکنجن	سکھین بہا

تمت تمام شد